भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2013-14

	विषय-सूची	
अध्याय सं.	**विषय**	**पृष्ठ सं.**
I.	**निष्पादन सारांश**	i-iii
	प्रस्तावना	1-7
	1. कार्य	1
	2. कार्यक्रम	1-2
	3. संगठन	2
	4. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम	2-7
	5. मंत्रालय का रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आरएफडी) 2012-13	7
II.	**निष्कर्ष बजट (2013-14) - प्रमुख स्कीमें**	8-27
III.	**सुधार उपाय और नीतिगत पहल**	28-49
	1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण	28-30
	2 नई राष्ट्रीय इस्पात नीति	30
	3 इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल	31-45
	4 पर्यावरण प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण	45-47
	5 सुरक्षा उपाय	48
	6 आंकड़ों के संग्रहण और जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए संस्थागत ढ़ांचा	48-49
	7 नीतिगत पहलों से निष्कर्ष बजट की संगतता	49
IV.	**पिछले निष्पादन की समीक्षा-निष्कर्ष बजट 2012-13**	50-72
V.	**वित्तीय समीक्षा**	73-85
	1. वर्ष 2013-2014 में निधि की कुल आवश्यकता	73
	2. वास्तविक व्यय -2010-11 से 2012-13 (दिसम्बर, 2012 तक)	73
	3. गैर-योजना व्यय	74-75
	4. योजना व्यय	75
	5. आर एंड डी स्कीम का सार	76
	6. वर्ष 2013-14 (बजट अनुमान) के वार्षिक योजना परिव्यय	76-80
	7. 11वीं पंचवर्षीय योजना	81-82
	11वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का वर्ष-वार विश्लेषण	82-84
	9. 12वीं योजना में सकल बटजीय सहायता का वर्ष-वार विश्लेषण	84
	वर्ष 2012-13 (दिसंबर, 2012 तक) के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय	85
	11. बकाया समुपयोजन प्रमाण पत्रों की स्थिति	85
VI.	**इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का वास्तविक एवं वित्तीय कार्य निष्पादन**	86-96

निष्पादन सारांश

इस्पात मंत्रालय के निष्पादन बजट मंत्रालय की विशिष्ट भूमिका और उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तैयार किए गए कार्यक्रमों, परियोजनाओं और गतिविधियों तथा इस्पात मंत्रालय तथा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के निष्कर्ष पर प्रकाश डालता है। इस दस्तावेज में पिछले वर्षों के लिए वास्तविक और वित्तीय लक्ष्यों, उपलब्धियों और चालू वर्ष 2013-2014 के लिए अनुमानों का विवरण भी दिया गया है।

अध्याय-I में इस्पात मंत्रालय के संगठनात्मक ढांचे और उद्देश्यों, मुख्य कार्यक्रमों के वर्गीकरण और इनसे सम्बद्ध कार्यान्वयन एजेंसियों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है। इस अध्याय में वर्ष 2012-2013 के लिए मंत्रालय के रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आर एफ डी) का कार्यान्वयन भी शामिल है जो कैबिनेट सचिवालय की वेबसाइट (www.performance.gov.in) पर उपलब्ध है।

अध्याय-II में मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के संबंध में परिव्यय तथा निष्कर्षों/लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। चूंकि सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाएं/परियोजनाएं बहुत अधिक हैं तथा प्रकृति में भिन्न-भिन्न हैं और अधिकांशत: उनके दिन-प्रतिदिन के प्रचालनों से संबंधित हैं, अत: 50 करोड़ रूपए और इससे अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली केवल प्रमुख योजनाओं को ही इस विवरण में शामिल किया गया है। वर्ष 2013-2014 के लिए ऐसी 51 प्रमुख योजनाओं, को निष्कर्ष बजट विवरण में शामिल किया गया है। 51 योजना स्कीमों में से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (14 स्कीमें), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (23), केआईओसीएल लिमिटेड (7), एनएमडीसी लिमिटेड (4) एवं मॉयल लिमिटेड (2) स्कीमें कार्यान्वित कर रहा है। इन स्कीमों पर होने वाला पूरा व्यय संबंधित उपक्रमों के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से पूरा किया जाएगा तथा लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने की एक योजना को योजना बजटीय सहायता से कार्यान्वित किया जाएगा। इन 51 प्रमुख योजनाओं के संबंध में अनुमानित/मंजूर लागत, वर्ष 2013-2014 के लिए परिव्यय, प्रक्रियाओं/टाइमलाइन्स, जोखिम घटकों, अनुमानित वास्तविक उत्पादन तथा अनुमानित निष्कर्ष इस विवरण में दिए गए हैं।

अध्याय-III में इस्पात मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों और नीतिपरक पहलों का विवरण दिया गया है। इस अध्याय में सरकार द्वारा भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए उदारीकरण के बाद किए गए महत्वपूर्ण नीतिपरक उपायों का ब्यौरा दिया गया है। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई एक महत्वूपर्ण नीतिपरक पहल राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 की घोषणा है। नई राष्ट्रीय इस्पात नीति तैयार की जा रही है। राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य घरेलू इस्पात उद्योग को विविधीकृत इस्पात मांग को पूरा करने वाला विश्वस्तरीय मानकों का आधुनिक तथा क्षमतावान इस्पात उद्योग बनाना है। इस नीति में न केवल लागत, गुणवत्ता तथा उत्पाद मिश्र की

दृष्टि से अपितु दक्षता तथा उत्पादकता के वैश्विक मानकों की दृष्टि से भी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने पर जोर दिया गया है। इस अध्याय में उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है जिनके संबंध में भारत को लोहा और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए सहायक उपाय किए जाने/नीतियां बनाए जाने की जरूरत है।

अध्याय-IV में इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट, 2012-13 में दर्शाए गए अनुमानित निष्कर्षों/लक्ष्यों के संबंध में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की 50 करोड़ रूपए अथवा इससे अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत वाली प्रमुख योजनाओं तथा परियोजनाओं के निष्पादन की समीक्षा की गई है। निष्कर्ष बजट 2012-13 में शामिल 51 प्रमुख योजना स्कीमों के संबंध में अनुमोदित परिव्यय तथा अनुमानित निष्कर्षों की तुलना में किए गए वास्तविक व्यय और योजनाओं की वास्तविक उपलब्धियों को देखते हुए इन योजनाओं के अभिप्रेत निष्कर्ष की तुलना में वास्तविक उपलब्धियों (31 दिसम्बर, 2012 तक) को दर्शाया गया है। योजनाएं सेल, आरआईएनएल, एनएमडीसी लिमिडेड, केआईओसीएल लिमिटेड, मॉयल और एक स्कीम इस्पात मंत्रालय से संबंधित हैं।

अध्याय-V में इस्पात मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों और इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/संगठनों के वित्तीय परिव्यय तथा वित्तीय आवश्यकताओं का ब्यौरा दिया गया है। बजट अनुमान 2012-13 में 121.89 करोड़ रूपए तथा संशोधित अनुमान 2012-13 में 247.07 करोड़ रूपए के बजटीय प्रवधान (कुल) की तुलना में बजट अनुमान 2013-2014 में इस्पात मंत्रालय के लिए मांग संख्या-92 के तहत 118.97 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान 2012-13 में मंत्रालय के 21802.00 करोड़ रूपए के वार्षिक योजना परिव्यय (आई एंड ईबीआर: 21756.00 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 46.00 करोड़ रूपये) को घटाकर बजट अनुमान 2013-2014 में 19730.77 करोड़ रूपए (आई एंड ईबीआर 19684.77 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 46.00 करोड़ रूपये) कर दिया गया है। सेल के इस्पात संयंत्रों अर्थात भिलाई इस्पात संयंत्र (5900 करोड़ रूपए), राउरकेला इस्पात संयंत्र (2400 करोड़ रूपए), इस्को इस्पात संयंत्र (1800 करोड़ रूपए), दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (900 करोड़ रूपए), बोकारो इस्पात संयंत्र (1425 करोड़ रूपए) सेलम इस्पात संयंत्र (45 करोड़ रूपए) के विस्तार के लिए और आरआईएनएल, विजाग इस्पात संयंत्र के क्षमता विस्तार के लिए 600 करोड़ रूपए के परिव्यय सहित 2013-2014 के लिए पर्याप्त योजना परिव्यय रखा गया है। बजट अनुमान/संशोधित अनुमान 2012-13 की तुलना में व्यय के समग्र रुख तथा वित्तीय वर्ष 2013-14 की स्थिति भी इस अध्याय में दर्शाई गई है।

अध्याय-VI में इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के पिछले 3 वर्षों और वित्तीय वर्ष 2012-13 (31 दिसम्बर, 2012 तक) के वास्तविक तथा वित्तीय निष्पादन और 2013-2014 (बजट अनुमान) के लिए अनुमानों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की प्रमुख योजनाओं/परियोजनाओं के लिए निधियों की व्यवस्था अधिकांशत: उनके आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से की जा रही है और

संबंधित सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की आंतरिक तकनीकी समिति द्वारा इनका वास्तविक और वित्तीय तौर पर नियमित रूप से प्रबोधन किया जा रहा है। निदेशक मंडल द्वारा इन योजनाओं/परियोजनाओं की आवधिक रूप से समीक्षा के अलावा मंत्रालय द्वारा इनकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जाती है। प्रबोधन तथा मूल्यांकन तंत्र यह सुनिश्चित करने के लिए है कि योजनाओं/परियोजनाओं की वास्तविक उपलब्धियां निष्कर्ष बजट 2013-2014 में अनुमानित निष्कर्षों से मेल खाती हों।

****

अध्याय - I

प्रस्तावना

1. **कार्य**

इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:

(क) लोहा और इस्पात तथा फैरो-मिश्र के उत्पादन, वितरण, आयात और निर्यात से संबंधित नीतियां बनाना;

(ख) लोहा और इस्पात उत्पादन सुविधाओं की स्थापना के लिए आयोजना, विकास और सुविधा प्रदान करना।

(ग) सरकारी क्षेत्र में लौह अयस्क खानों तथा लोहा और इस्पात उद्योग के उपयोग में आने वाली अन्य लौह अयस्क खानों का विकास; और

(घ) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और उनकी सहायक कंपनियों के निष्पादन का निरीक्षण करना।

2. **कार्यक्रम**

2.1 **इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्यक्रम निम्नलिखित हैं :-**

(i) **लोहा और इस्पात उद्योग**

(क) उत्पादन, आयात और निर्यात;
(ख) शुल्क तथा मूल्य निर्धारण;
(ग) अनुसंधान तथा प्रशिक्षण;
(घ) निर्माण कार्य; और
(ड.) तकनीकी तथा परामर्शी सेवाएं।

(ii) **खान और खनिज:**

(क) लौह अयस्क;

(ख) मैंगनीज अयस्क; और

(ग) क्रोमाइट अयस्क

2.2 इस्पात मंत्रालय - इस्पात उद्योग के विकास के लिए मददकर्ता

इस्पात मंत्रालय से भारत में इस्पात क्षेत्र के सुव्यवस्थित एवं एकीकृत उत्थान के लिए निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। इस्पात एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होने के कारण सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि के स्तर को प्राप्त करने के लिए इस्पात क्षेत्र का सतत्उत्थान पूर्वापेक्षित है। इस्पात उद्योग का अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ अग्रगामी एवं पश्चगामी सम्बन्ध हैं अत: इसकी अपनी स्वयं की विकास पद्धति अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों विशेषकर अवसंरचना विकास, रियल एस्टेट्स, ऑटो मोबाइल/ऑटो कम्पोनेट्स इत्यादि से प्रभावित होती है। घरेलू इस्पात क्षेत्र जिस माहौल में काम करता है उसके लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा एक प्रोत्साहन की भूमिका विशेषतया एक सुविधादाता की भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है ताकि कच्चे माल की उपलब्धता, अवसंरचना विकास जैसी अड़चनों को दूर किया जा सके तथा सरकार के अन्य संबंधित मंत्रालयों और विभागों से विचार-विमर्श कर उपयुक्त नीति बनाना तथा उनका क्रियान्वयन शामिल है।

3. संगठन

इस्पात मंत्रालय का नेतृत्व केन्द्रीय इस्पात मंत्री द्वारा किया जाता है। इनकी सहायता के लिए एक सचिव, भारत सरकार, एक विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, एक मुख्य लेखा नियंत्रक, चार संयुक्त सचिव, एक आर्थिक सलाहकार, चार निदेशक, चार उप सचिव तथा अन्य अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं। लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित मामलों को तकनीकी दृष्टि से देखने के लिए अलग से एक तकनीकी स्कंध है जिसके प्रभारी औद्योगिक सलाहकार हैं, जो भारत सरकार के वरिष्ठ निदेशक स्तर के हैं।

क्षेत्र के नियंत्रणमुक्त बनने से पहले इस्पात मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय नामत: विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय था, जो कोलकाता में स्थित था। व्यय सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात का कार्यालय तथा इसके चार क्षेत्रीय कार्यालयों को दिनांक 23.5.2003 से बंद करने का प्रशासनिक निर्णय लिया गया था। आंकड़े संग्रहण का कार्य जो संयुक्त संयंत्र समिति (जे पी सी) को सौंपा गया है, को छोड़कर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात के शेष कार्य मंत्रालय द्वारा किए जा रहे हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कोई सांविधिक अथवा स्वायत्त निकाय नहीं है।

4. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

4.1 इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्रम हैं:-

(1) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), नई दिल्ली
(2) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल), विशाखापट्टनम
(3) एन एम डी सी लिमिटेड, हैदराबाद
(4) मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल), नागपुर
(5) केआईओसीएल लिमिटेड, बंगलौर
(6) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच एस सी एल), कोलकाता
(7) मेकान लिमिटेड, रांची
(8) एम एस टी सी लिमिटेड, कोलकाता
(9) फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल), भिलाई (एम एस टी सी लि. की सहायक कंपनी)

(1) **स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** (इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 में पंजीकृत कार्यालय) के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित इकाइयां हैं:-

(1) बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो (झारखंड)
(2) भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई (छत्तीसगढ़)
(3) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(4) राउरकेला इस्पात संयंत्र, राउरकेला (उड़ीसा)
(5) मिश्र इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(6) सेलम इस्पात संयंत्र, सेलम (तमिलनाडु)
(7) इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर (पूर्व में सेल की एक सहायक कंपनी इस्को का 16.2.2006 को सेल में विलय हो गया और इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है)।
(8) विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावती (कर्नाटक)
(9) केन्द्रीय विपणन संगठन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(10) लोहा और इस्पात अनुसंधान तथा विकास केन्द्र, रांची (झारखंड)
(11) कच्चा माल प्रभाग, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(12) इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्ग, रांची (झारखंड) और
(13) निगमित कार्यालय, नई दिल्ली
(14) सेल रिफ्रेक्टरी यूनिट (इस्पात मंत्रालय के अधीन पूर्व पी एस यू, पूर्व में भारत रिफ्रेक्टरी लिमिटेड का 01.04.2007 से सेल के साथ विलय कर दिया गया था)।
(15) पूर्व महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मैल्टस लिमिटेड (एम ई एल) का विलय होने के बाद चन्द्रपुर महाराष्ट्र में स्थित चन्द्रपुर फैरो अलाय प्लांट अब 01.04.2010 से सेल का एक यूनिट बन गया है।

इसके अतिरिक्त, सेल ने मैसर्स बर्न स्टेंडर्ड कम्पनी लिमिटेड के सेलम रिफ्रेक्टरी यूनिट, जो भारी उद्योग विभाग के अधीन है, को मिलाने के लिए 24 अगस्त, 2011 को एक नई सहायक कम्पनी

शामिल की है। एक महत्वपूर्ण कच्चे माल अर्थात डैड बर्न्ट मैग्नेटाइट (रिफ्रेक्टरी ब्रिक के उत्पादन में प्रयुक्त) का उत्पादन सेल रिफ्रेक्टरी कम्पनी लिमिटेड (एस आर सी एल) में किया जा रहा है।

सेल ने अपनी हॉट मैटल उत्पादन क्षमता को अपनी विस्तार एवं आधुनिकीकरण के वर्तमान चरण-1 के अंतर्गत 13.82 मिलियिन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 23.46 मिलियन टन तक बढ़ाने की योजना की है जिसके वित्तीय वर्ष 2012-13 में पूरा होने की आशा है।

(2) **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल)** (पंजीकृत कार्यालय "ए " ब्लॉक, विशाखापट्टणम 530031 में है) भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। इसे 3.0 मिलियन टन प्रति वर्ष द्रव इस्पात क्षमता के साथ अगस्त, 1992 में चालू किया गया था। इसे स्टेट आफ आर्ट टैक्नोलोजी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। इसमें विस्तृत विद्युत बचत तथा प्रदूषण नियंत्रण उपाय शामिल हैं। कंपनी ने वर्ष 2019-20 तक चरणों में 20 मिलियन टन तक पहुँचने के लक्ष्य से अपनी निगमित योजना तैयार की है और इस समय 3.0 मिलियन टन से 6.3 मिलियन टन द्रव इस्पात उत्पादन करने के विस्तार संबंधी प्रथम चरण को पूरा कर रही है। इस परियोजना की समग्र लागत आंतरिक संसाधनों से पूरी की जाएगी तथा सरकार से बजटीय सहायता प्राप्त नहीं होगी।

वर्ष 2006-07 में कंपनी मिनी रतन कंपनी बनी तथा वर्ष 2010-11 में " **नवरत्न** " कंपनी बनी।

सरकार के अनुमोदन के अनुसार, पूर्व बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज के अधीन तीन प्रचालनरत कम्पनियां ईस्टर्न इनवेस्टमेंटस लिमिटेड (ई आई एल), बिसरा स्टोन लाईम कम्पनी लिमिटेड (बीएसएलसी) और उड़ीसा मिनिरल डेवलेपमेंट कम्पनी (ओएमडीसी) अब आर आई एन एल की सहायक कम्पनियां बन गई है।

(3) **एन एम डी सी लिमिटेड** (पंजीकृत कार्यालय : खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500028) इस्पात मंत्रालय के अधीन " नवरत्न " दर्जा प्राप्त करने वाली दूसरी कंपनी बन गई है। यह कंपनी देश में लौह अयस्क और हीरे की एकमात्र सबसे बड़ी उत्पादक है और डोलोमाइट, चूना पत्थर, मैंगनीज आदि जैसे विभिन्न खनिजों के अन्वेषण, विकास और उपयोग कार्य में लगी है। एन एम डी सी की प्रमुख मेकेनाइज्ड लौह अयस्क खानें बैलाडिला लौह अयस्क खानों पर प्रचालित की जा रही है। एन एम डी सी अब 'स्पंज आयरन' के विनिर्माण के क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। कंपनी कार्बन मुक्त स्पंज आयरन पाऊडर, आर टी पी फेरिट पाऊडर, पिगमेंट ग्रेड फैरिक आक्साइड टिटानिया स्लैग, पिग आयरन तथा हार्ड प्योरिटी फैरिक आक्साइट जैसे ब्लू डस्ट से उच्च तकनीक तथा उच्च मूल्यवर्धक उत्पादों के उत्पादन के लिए गहन आर एंड डी के जरिए नए उत्पादों का विकास कर रही है। ग्रीनफील्ड विस्तार/विविधीकरण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, एन एम डी सी नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता का एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित कर रहा है। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 15525 करोड़ रूपये है। निर्माण कार्य आरम्भ कर दिया गया है। कम्पनी (क)

छत्तीसगढ़ में 2 एमपीटीए क्षमता के पेलेट प्लांट, (ख) कर्नाटक में दोणिमलै में 1.2 एमपीटीए क्षमता के पेलेट प्लांट (ग) दोणिमलै में 0.36 एमपीटीए क्षमता के बीएचजे अयस्क बेनीफिसिएशन प्लांट की स्थापना करके ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड, दोनों परियोजनाओं में एकीकरण के जरिये अपने व्यवसाय को बढ़ाने की प्रक्रिया में है। एनएमडीसी ने कोयला, रॉक फास्फेट, लाइम स्टोन, स्वर्ण और हीरे के क्षेत्र में हॉरीजांटल एकीकरण के माध्यम से अपने व्यवसाय को बढ़ाने की योजना बनाई है। एनएमडीसी ने लीगेसी आयरन ओर लिमिटेड, आस्ट्रेलिया की 50 प्रतिशत इक्विटी अर्जित कर ली है।

एनएमडीसी ने संयुक्त परियोजना की स्थापना हेतु आरआईएनएल के साथ एक समझौता-ज्ञापन संपन्न किया जिसके तहत विशाखापत्तनम में 4 एमटीपीए क्षमता वाले एक पैलेट प्लांट की स्थापना की जाएगी तथा नागरनार से विशाखापत्तनम तक 336 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन बिछाई जाएगी। जिससे इस पैलेट प्लांट की कच्ची सामग्री के रूप में स्लरी पहुंचाई जाएगी। एनएमडीसी ने 12 एमटी प्रति वर्ष तक खनन की अतिरिक्त क्षमता का सृजन करने के लिए किरणदुल से जगदलपुर तक 150 किलोमीटर रेलवे लाइन का दोहरीकरण हेतु रेलवे के साथ एक समझौता ज्ञापन संपन्न किया।

(4) **मॉयल लिमिटेड** (पूर्व में मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड) 1962 मे बनाई गई थी (पंजीकृत कार्यालय, मॉयल भवन, 1 ए काटोल रोड, नागपुर-440013)। यह उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का उत्पादक करने वाली सबसे बडी कंपनी है। इस्पात निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री जिसका प्रयोग फैरो-मिश्र के उत्पादन हेतु मौलिक कच्ची सामग्री के लिए तथा शुष्क बैटरियों के उत्पादन हेतु डाईऑक्साइड अयस्क किया जाता है। मॉयल ने 90 के दशक के दौरान कारोबार की मात्रा और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में अपने कार्यकलापों का विस्तार किया है। विविधीकरण के एक भाग के रूप में कंपनी ने वर्ष 1991 में इलेक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाइऑक्साइड के विनिर्माण के लिए एक परियोजना स्थापित की थी और वर्ष 1998 के दौरान मध्य प्रदेश के बालाघाट में 10000 एमटी क्षमता का एक फैरो मैंगनीज संयंत्र स्थापित किया था। इसके अलावा, कंपनी के पास मध्य प्रदेश में नागदा हिल्स में 20 मेगावाट क्षमता की विंड पावर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन यूनिट भी है।

कंपनी के प्रचालन में विस्तार को मद्देनजर रखते हुए मॉयल ने भिलाई के समीप नन्दिनी में और विशाखापट्टनम के समीप बोबिली में फैरो मिश्र उत्पादन इकाईयाँ स्थापित करने के लिए सेल और आरआईएनएल के साथ प्रमुखत: इन कंपनियों की फैरो मिश्र आवश्यकता को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित किए हैं। ये परियोजनाएं प्रारम्भिक चरणों में हैं तथा इनका कार्यान्वयन जे वी द्वारा किया जाएगा और इन दो परियोजनाओं पर 608.00 करोड़ रूपए की लागत अनुमानित है तथा निवेश में मॉयल की भागीदारी लगभग 152.00 करोड़ रूपए अनुमानित है।

(5) **केआईओसीएल लिमिटेड (पहले कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड)** (पंजीकृत कार्यालय, 11 ब्लॉक, कोरमंगला, बंगलौर-560034 में है)। कुद्रेमुख में खनन कार्यों के साथ 100% निर्यातोन्मुख यूनिट (ईओयू) के रूप में पूर्ण रूप से सरकारी कम्पनी के रूप में 1976 में स्थापित की गई थी। 1980 में, 7.50 एमटीपीए लौह अयस्क की क्षमता के साथ कुद्रेमुख में एक बेनाफिसिएशन प्लाँट स्थापित किया

गया था। 1987 मे, 3 एमटीपीए क्षमता के साथ मंगलोर में एक पेलेट प्लाँट स्थापित किया गया था और बाद में इसकी क्षमता बढ़ाकर 3.5 एमटीपीए कर दी गई थी। 2001 में, एक संयुक्त उद्यम नामत: के आई एस सी ओ के अधीन मंगलोर में पिग ऑयरन प्लाँट स्थापित किया गया था जिसका अब 01.04.2007 से के आई ओ सी एल के साथ विलय हो गया है। आर्थिक दृष्टि से अव्यवहार्य स्थितियों के कारण ब्लास्ट फर्नेस का परिचालन 05.08.2009 से रोक दिया गया है।

माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 01.01.2006 के निर्णय के अनुसार के आई ओ सी एल लिमिटेड का खनन कार्य रोक दिया गया था। के आई ओ सी एल लिमिटेड कई वर्षो से लाभ अर्जित करने वाली और लाभांश अदा करने वाली कम्पनी है। तत्पश्चात् इसे मिनि-रत्न श्रेणी-1 का दर्जा दिया गया और कई वर्षो से समझौता ज्ञापन प्रणाली के अधीन इसे उत्कृष्ट की रेटिंग दी जा रही है। के आई ओ सी एल पर कोई ऋण भी नहीं है।

(6) **हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल)** (पंजीकृत कार्यालय 5/1, कोमिसेरियट रोड, हास्टिंग्स कोलकत्ता-700022 है)। बोकारो, विजाग और सेलम जैसे इस्पात संयंत्रों की स्थापना और भिलाई, दुर्गापुर, बर्नपुर (इस्को) आदि इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण से सम्बद्ध बडे.-बडे. निर्माण कार्य किए हैं। अब कंपनी ने उच्च श्रेणी की योजना समन्वय और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ अवसंरचना क्षेत्रों में भी अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। इस्पात संयंत्रों में निर्माण संबंधी कार्यकलापों में कमी के चलते कंपनी ने अपने कार्यकलापों का विद्युत, कोयला, तेल एवं गैस जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया है। इसके अलावा, कंपनी ने सड़क/राजमार्गों, पुलों, बांधों, भूमिगत संचार और परिवहन प्रणाली और उच्च स्तर की आयोजना वाले औद्योगिक तथा बस्ती परिसरों, समन्वय और आधुनिक तकनीकों आदि जैसे अवसंरचना क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों को फैलाया है। जिसमें आयोजना, समन्वय और जटिल तकनीकों की आवश्यकता होती है। एचएससीएल एक आईएसओ: 9001-2008 कंपनी है तथा इसकी क्षमताएं निर्माण कार्यकलापों के लगभग सभी क्षेत्रों में हैं।

कंपनी, भारत सरकार के ऋणों पर बढ़ती ब्याज देयताओं तथा वी आर एस खर्चों के कारण 1999 में सरकार द्वारा अनुमोदित पुनर्जीवन/पुनर्संरचना पैकेज के अन्तर्गत परिकल्पित परिणामों को प्राप्त करने में असमर्थ रही है। कंपनी के समक्ष आने वाली स्टीप प्रतिस्पर्धा, जिसके परिणामत: मार्जिन में कमी आई, ने भी वित्तीय निष्पादन को प्रभावित किया है। तथापि, गत पाँच वर्षों के दौरान प्रचालन लाभों की धनात्मक प्रवृति को ध्यान में रखते हुए एक नया वित्तीय पुनर्संरचना प्रस्ताव विचाराधीन है।

(7) **मेकॉन लिमिटेड** : देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ : 9001-2008 मान्यता प्राप्त है तथा जो वर्ल्ड बैंक एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट तथा यूनाइटेड नेशन्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन में पंजीकृत है। यह कंपनी लोहा एवं इस्पात, रसायन, रिफाइनरीज तथा पैट्रो रसायनों, विद्युत, सड़क एवं राजमार्गों, रेलवे, जल प्रबंधन, पत्तन एवं बंदरगाह, गैस एवं तेल, पाइपलाइनों, अलौह खनन, सामान्य इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग तथा

संबद्ध/विविधीकृत क्षेत्रों में व्यापक विदेशी अनुभव सहित अग्रणी बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और कांट्रैक्टिंग संगठन है।

इंजीनियरिंग परामर्श तथा परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) सेवाओं को मेकॉन कारोबार प्राप्त करने का महत्वपूर्ण क्षेत्र मानता है और इसलिए इस प्रकार के अधिकाधिक कार्यों को प्राप्त करने तथा उनका निष्पादन करने के लिए ध्यान केन्द्रित कर रहा है। इस क्षेत्र के अंतर्गत परिचालन क्षेत्रों में कारोबार प्राप्त करने के लिए कंपनी ने ध्यान दिया है। इंजीनियरिंग परामर्श तथा पीएमसी सेवाओं के क्षेत्र में कारोबार प्राप्त करने से स्थिति और अधिक बेहतर हुई है।

(8) **एम एस टी सी लिमिटेड (पंजीकृत कार्यालय, 225 सी, जगदीश बोस रोड, कोलकाता-700020 में है।)**। यह इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन एक मिनी रत्न श्रेणी-1 पी एस यू है। यह भारत सरकार का एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान है। पहले यह लघु इस्पात संयंत्रों को वितरण के लिए कार्बन इस्पात गलन स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी के रूप में नामित थी । इसका मुख्यालय कोलकात्ता में स्थित है। इस कंपनी का माध्यम एजेंसी का स्वरूप फरवरी, 1992 से समाप्त हो गया। अब यह अन्य निजी व्यावसायिक कंपनियों की तरह पूर्णत: स्वतंत्र एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में काम कर रही है। कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह तथा अलौह स्क्रैप का निपटान, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और रक्षा मंत्रालय सहित सरकारी विभागों में उत्पन्न होने वाले अधिशेष भंडारों तथा अन्य गौण सामग्रियों का कार्य देखती है। एम एस टी सी फैरो स्क्रेप निगम लि. (एफ एस एन एल) की धारक कंपनी है जिसके 100% प्रदत्त साम्या हिस्सा एम एस टी सी द्वारा धारित है।

(9) **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल)** इसका पंजीकृत कार्यालय एफ एस एन एल भवन, इक्यूपमेंट चौक, सेन्ट्रल एवेन्यू, पोस्ट बॉक्स-37, भिलाई, छत्तीसगढ़-490001 में है। फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, 28.3.1979 को निगमित एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी है। वर्तमान में यह इस्पात मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का **"मिनी रत्न-॥ पी एस यू"** है। यह एम एस टी सी लिमिटेड की एक सम्पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य सेल, आरआईएनएल और एनआईएनएल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में स्लैग से स्क्रैप प्राप्त करना और आईआईएल तथा जेएसपीएल जैसे निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में प्रचालन करना भी है। कंपनी अग्रणी संगठनों में से एक है जो देश के धातुकर्मीय उद्योगों को विशेषज्ञतायुक्त सेवाएं उपलब्ध करवाती है। यह कंपनी पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, आन्ध्र प्रदेश एवं महाराष्ट्र में स्थित अपनी 10 इकाइयों के जरिए मिल सर्विस सोल्यूशन वितरित करने के लिए डिजाइन, निर्माण एवं संचालन करती है तथा सुविधाओं एवं अवसंरचना को बनाए रखती है।

5. रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आरएफडी) 2012-13

सरकार रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आरएफडी) के आधार पर एक व्यापक कार्य निष्पादन प्रबंधन प्रणाली का क्रियान्वयन कर रही है। आरएफडी में न केवल विभागों के सम्मत उद्देश्य, नीतियां, कार्यक्रम

और परियोजनाएं शामिल की गई हैं बल्कि सफलता के सूचक और क्रियान्वयन में प्रगति का मूल्यांकन करने के लक्ष्य भी शामिल किए गए हैं।

****

अध्याय-II

वर्ष 2013-2014 के लिए प्रमुख स्कीमों का निष्कर्ष बजट

कार्यक्रमों के अवधारणात्मक, रूपांकन और कार्यान्वयन को निष्कर्षोन्मुखी बनाकर विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2005-06 में निष्कर्ष बजट की अवधारणा शुरू की गई थी। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि परिव्यय अनिवार्य रूप से निष्कर्ष नहीं होता। निष्कर्ष बजट का अभिप्राय न केवल मध्यवर्ती वास्तविक उत्पादन जिसे अधिक तात्कालिक ढंग से मापा जा सकता है, का ट्रैक करना है, बल्कि सरकार के हस्तक्षेप के अन्तिम उद्देश्य का निष्कर्ष है। इसके लिए सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम बनाने, मूल्यांकन क्षमताओं के साथ-साथ प्रभावी बेंच-सुपुर्दगी प्रणालियों की आवश्यकता होती है। सम्पूर्ण कार्रवाई को मानिटर करने, योग्य बनाकर सुपुर्दगी की यूनिट लागत की बेंच-मार्किंग सहित निष्कर्ष विकास को मापने योग्य परिभाषित करना है। इसके लिए भौतिक परिसंपतियों के बेहतर उपयोग की आवश्यकता है और प्रभावी मानीटरिंग सहित परियोजना प्रबंधन और कार्यक्रम कार्यान्वयन में सुधार करने के लिए कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। धन जिसे वांछित निष्कर्ष सहित प्रस्तावित प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, के समय पर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली की आवश्यकता है तथा उपयुक्त रिर्पोटिंग के जरिए उचित लेखांकन, लेखा परीक्षा एवं मूल्यांकन तंत्र की आवश्यकता है। इसलिए निष्कर्ष बजट सभी प्रमुख कार्यक्रमों के विकास निष्कर्ष को मापने के लिए तंत्र तैयार करने का एक प्रयास है।

11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित घरेलू लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शामिल किया गया है। इस स्कीम के तहत वर्ष 2009-10 तक कुल 8 (आठ) आर एण्ड डी परियोजना प्रस्तावों को क्रियान्वित करने के लिए मंजूरी दी गई है। दिसम्बर, 2012 तक इस स्कीम के अधीन कुल 51.51 करोड़ रूपये की संचित धनराशि रिलीज की गई है।

12वीं पंचवर्षीय योजना में (2012-17) के प्रथम वर्ष उदाहरणत: 2012-13 में लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियों पर कार्यवाही करने के लिए प्रति 1.00 करोड़ रुपये के अस्थायी प्रावधान के साथ 2 नई स्कीमें उदाहरणत: निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं अयस्क चूरे के बेनिफिकेश एवं एग्लोमिरेशन के उन्नयन हेतु स्कीम और गौण इस्पात की ऊर्जा दक्षता को सुधारने के लिए स्कीम को शामिल किया गया था। तथापि योजना आयोग द्वारा इस्पात मंत्रालय के लिए 12वीं योजना हेतु समग्र रूप से कम आवंटन के कारण स्कीमों को त्याग दिया गया।

वार्षिक योजना (2013-14) में जो 12वीं पचवर्षीय योजना (2012-17) का दूसरा वर्ष है, वर्तमान परियोजनाओं के लिए 12.00 करोड रुपये निर्धारित किए गए हैं। वर्तमान आर एण्ड डी स्कीम के तहत

एक नए घटक उदाहरणत: कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटेड (कार्गो) स्टील शीट्स के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पदों को 32.00 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ शामिल किया गया है और 2.00 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ नवाचारी लौह/इस्पात निर्माणकारी प्रक्रिया प्रौद्योगिकी के विकास पर वर्तमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं शामिल की गई हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की स्कीमें उनकी वार्षिक योजना अथवा दीर्घकालीन योजनाओं की घटक होती हैं। चूंकि प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई स्कीमें हैं, जो कि अधिकांशत: कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और कंपनी के प्रचालनों से जुड़े एमओयू से संबंधित हैं इसलिए निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी स्कीमों को शामिल करना मुश्किल होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक लागत की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख परियोजनाओं को ही शामिल किया जाए जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

परिव्यय और निष्कर्ष/लक्ष्यों का विवरण (2013-14)

(50.00 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें)

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
क	**50.00 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें**										
1.	**स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)**										
(a)	**भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)**										
(i)	सीओबी-9 की कोल्ड रिपेयर	कोयले की मांग की कमी को पूरा करना तथा कोक ओवन गैस के संतुलन को स्थिर करना एवं उत्सर्जन स्तर को घटाना	359.78	--	--	137.00	उत्पादन को बेहतर बनाना और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण निवारण मानकों को प्राप्त करना।	--	अगस्त'14	अगस्त '14	--
(ii)	बीएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकियों के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना। भारतीय रेलवे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाईयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन तथा विस्तार को बढ़ाकर सेमिज को घटाना, उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदत्तता के लिए उत्पाद मिश्र में मूल्यवर्धन करना। भारतीय रेलवे की अपेक्षायों को पूरा करना।	18847.00	--	--	5300	तप्त धातु की क्षमता 4.82 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	--	मार्च'13	सिम्बर'13	समय सीमा को आगे बढ़ाने के मुख्य कारणों में जन शक्ति की अनुचित तैनाती, तकनीकी रूप से सक्षम/कुशल जन शक्ति का अभाव और ठेकेदारों द्वारा आधुनिक एवं बड़े उपस्करों को नही लगाना शामिल है। इसके अलावा बीओएफ, सीसीपी और यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) के स्ट्रकचरल पैकेजों की मात्रा में बढोत्तरी के कारण इनके क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। अयस्क हैंडलिंग (ओएचपी भाग-क), कोल हैंडलिंग प्लांट और बीओएफ, सीसीपी तथा मिल्स के लिए क्रेनों की आपूर्ति में मैसर्स एचईसी द्वारा धीमी कार्य प्रगति पर किया गया है, बीओएफ तथा सीसीपी और यूआरएम के सिविल कार्य हेतु मैसर्स एचएससीएल तथा ओएचपी भाग-ख और फयूल फलक्स प्लांट में मैसर्स ईपीआई द्वारा धीमी प्रगति पर कार्य किया गया है। एचएससीएल के कमजोर निष्पादन के कारण जोखिम खरीद नोटिस (आरपीएन) जारी किया है और शेष कार्य के लिए वैकल्पिक एजेंसी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सेल और इस्पात मंत्रालय के स्तर पर ठेकेदारों के निष्पादन की आवधिक रूप से समीक्षा की जा रही है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ख)	दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)										
(i)	दुर्गापुर स्टील प्लांट का विस्तार	ऊर्जा गहन इकाईयों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	3164.00	--	--	775.00	तप्त धातु की क्षमता 2.09 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.45 एमटीपीए करना	--	दिसम्बर'12	दिसम्बर'13	ब्लूम-कम-राउंड कास्टर के मामले में सिविल ठेकेदार मैसर्स जैन इन्फ्रा के कमजोर निष्पादन के कारण कार्य प्रभावित हुआ। पार्टी के विरुद्ध जोखिम खरीद नोटिस जारी किया गया। आरपीएन के विरुद्ध मध्यम स्ट्रकचरल मिल के लिए मैसर्स ब्रिज एण्ड रूफ को नये ऑर्डर दिए गए। मिडियम स्ट्कचरल मिल के लिए सिविल कार्य की प्रगति धीमी रही क्योंकि पाइलिंग के कार्य के क्षेत्र में लगभग 180% की वृद्धि हो गई थी क्योंकि मेकॉन ने पूर्व में बिल्डिंग के स्ट्रकचर के लिए पाइल्स पर विचार किया था और पाइलों के लिए मशीन फाउंडेशन अपेक्षित था जिस पर विचार नहीं किया गया था। इससे भी स्ट्रकचरल के उत्थापन कार्य पर प्रभाव पड़ा। इसके अलावा सिविल कार्यों के मामलों में मैसर्स जैन इन्फ्रा के कमजोर निष्पादन के कारण पार्टी को आरपीएन जारी किया गया और वैकल्पिक एजेंसी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा उपस्कर उत्थापन के लिए मैसर्स एचईसी द्वारा क्रेनों की आपूर्ति की जानी है जिसमें विलम्ब हुआ है।.
(ख)	**राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी)**										
(i)	ब्लास्ट फर्नेस (बीएफ) -4 में कोल डस्ट इंजेकशन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71	--	--	10.25	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।.	--	अक्टूबर '08	मई'13	मैसर्स सीनो स्टील चीन द्वारा डिजाइन इंजीनियर, सिविल और स्ट्रकचरल कार्य तथा उपस्कर की आपूर्ति में विलम्ब। सीनो स्टील और उप एजेंसियों के बीच वाणिज्यिक विवादों से कार्य प्रभावित हुआ। ठेकदारों को जोखित खरीद नोटिस जारी किया गया तथा शेष कार्य को अब सीनो स्टील की ओर से आरएसपी द्वारा आर्डर देने के जरिए पूरा किया जा रहा है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ii)	आरएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु और क्रूड स्टील के उत्पादन में वृद्धि करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, अधिक मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन करना और ऊर्जा खपत तथा पर्यावरण में सुधार करना तथा उत्पादन की लागत में कमी लाना।	12922.00	--	--	2050.00	तप्त धातु की क्षमता 2.12 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना	--	मार्च'13	जून'13	अयस्क बिडिंग तथा ब्लेंडिंग प्लांट और नये सिंटर प्लांट को पूरा किया जा चुका है। नई सीओबी के लिए बैटरी हिटिंग प्रारम्भ की गई और इसे 10.1.13 को फायरिंग के अधीन कर दिया गया है। पावर और ब्लोइंग स्टेशन में तीन बॉयलर्स को प्रज्जवलित किया जा चुका है। ब्लास्ट फर्नस संख्या 5 के लिए मुख्य उपस्करण का उत्थापन पूरा हो चुका है। सभी स्टोवस् की प्रेशर टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और जनवरी 2013 में चिमनी को प्रज्जवलित किया गया। .
(iii)	सीओबी-3 का पुनर्निर्माण	4.5 एमटीपीए तप्त धातु उत्पादन के लिए कोक की आवश्कता पूरी करना और उत्सर्जन स्तरों को कम करना।	249.74	--	--	45.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	--	दिसम्बर14	दिसम्बर'14	--
(iv)	हीट ट्रीटमेंट सुविधाओं की स्थापना।	प्रतिरक्षा तथा सामरिक महत्व के अन्य क्षेत्रों के लिए क्वेंच्ड और टेम्पर्ड प्लेटों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	178.73	--	--	12.00	12000 टन का अतिरिक्त उत्पादन	--	अगस्त'14	अगस्त'14	
(ग)	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसपी)**										
(i)	बीएसएल का विस्तार	अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी की स्थापना के जरिए तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना।	6951.00	--	--	1200	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.7 एमटीपीए से 5.77 बढ़ाना।	--	दिसम्बर'11	जून'13 (न्यू सीआरएम)	एसिड रि-जनरेशन प्लांट और कॉइल पैकिंग लाइन पूरी हो चुकी हैं।बीएफ-3 के कास्ट हाउस संख्या 6 के कास्ट हाउस स्लैग ग्रेनुलेशन प्लांट की कमीशिनंग अक्टूबर, 2012 में हो चुकी है। जिन कारणों से नये कोल्ड रोलिंग मिल के स्थल कार्य पर बुरा प्रभाव पड़ा है उनमें निम्न शामिल हैं – अवसंरचना ठेकेदार द्वारा पर्याप्त संरचना न जुटा पाना जिसके कारण उपकरणों की स्थापना के लिए स्थलों की सुपुर्दगी में विलंब हुआ : पिकलिंग लाईन तथा टैंडम कोल्ड मिल के कार्य के संबंध में प्रधान तथा स्थापना ठेकेदारों के बीच तालमेल की समस्याएं। स्टील मेल्टिंग शॉप-II के मामले में मौजूदा रेल लाईनों और पाईपलाईनों की री-रूटींग और डायवर्जन एवं परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के कारण शटडाउन उपलब्ध न होने से स्थल कार्य पर बुरा प्रभाव पड़ा है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ड.)	**इस्को स्टील प्लांट**										
(i)	आईएसपी का विस्तार	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाएं स्थापित करना।	17960.59	--	--	1750.00	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात	--	दिसम्बर'10	जून, 2013 (2 कॉनव)	रॉ मैटिरियल हैंडलिंग प्लांट, सिंटर प्लांट और ब्लास्ट फर्नस का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। बैटरी की हिटिंग शुरू हो चुकी है और दिनांक 5.12.12. से यह फायरिंग के अधीन है। जोराबूरी मुद्दे के समाधान के पश्चात कोक डिस्पैच सिस्टम की कमीशिनंग सितम्बर 2012 में हो चुकी है1 दिसम्बर, 2012 में सिंटर मशीन का हॉट ट्रायल प्रारम्भ हो चुका है। बीओएफ/सीसीपी क्षेत्र में कठिन और अप्रत्याशित मृदा परिस्थितियों के कारण सिविल तथा स्ट्रकचरल कार्य में अत्यधिक बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अलावा बीओएफ, सीसीपी और मिल्स के क्षेत्र में भूमिगत बोल्डर्स और हिलोक्स को हटाने में अतिरिक्त समय लगा। साथ ही साथ संबंधित ठेकेदारों द्वारा उपस्कर की आपूर्ति, उत्थापन और स्ट्रकचरल कार्य के धीमें क्रियान्वयन एवं जोराबूरी क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा कार्य में व्यवधान के कारण प्रगति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।
(च)	**रॉ मैटेरियल डिविजन (आरएमडी)**										
(i)	बोलानी आयरन ओर माइन की लोडिंग क्षमता में वृद्धि करना	लोडिंग क्षमता बढ़ाने के लिए और रेलवे लाइन में संशोधन करने के लिए, तथा फुल रैक लोडिंग के लिए ओवरहैड इलेक्ट्रिकल वर्क तथा सिग्नलिंग तथा दूरसंचार।	124.88	--	--	15.00	--	--	दिसम्बर'09	मार्च'13	जुलाई 2012 में एक लाईन पूरी हो चुकी है। स्टैकर की कमीशिनंग हो चुकी है। मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड द्वारा कार्य की धीमी प्रगति, रेलवे द्वारा संशोधित आरेखन में विलम्ब और स्थानीय व्यक्तियों द्वारा भूमि के अतिक्रमण से स्थल की प्रगति प्रभावित हुई। मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड से संबंधित परियोजना कार्य जो अतिक्रमण से संबंधित है जून 2011 में क्लियर हो चुका है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ii)	मेघाहाताबुरु लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	125.78	--	--	31.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	--	जून'12	जून'13	मुख्य पैकेज में पार्टी के कमजोर निष्पादन और लोडिंग सिस्टम के उन्नयन के क्रियान्वयन में विलम्ब सहित मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड द्वारा ड्राइंग की प्रस्तुति में विलम्ब से कार्य पूरा करने की अवधि प्रभावित हुई है। प्रगति में गति लाने के लिए आरएमडी और कॉरपोरेट स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं।
(iii)	किरीबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	106.54	--	--	37.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.25 एमटीपीए से 5.50 एमटीपीए करना	--	सितम्बर'12	जून'13	जुलाई, 2012 में क्लासीफायर्स के एक सैट की कमिशिनंग हो चुकी है। सितम्बर, 2012 में एक लाईन में कंवेयर्स और स्क्रीन में कार्य पूरा हो चुका है। मैसर्स बंगाल टूल्स द्वारा मुख्य कन्वेयर पैकेज में डिजाइन इंजीनियरिंग में प्राथमिक विलम्ब हुआ था और सामग्री की कम आपूर्ति हुई। पार्टी कार्य में तेजी लाने के अनुवर्ती कार्यवाही कर रही है। संयंत्र तथा कॉरपोरेट स्तर पर पार्टी के साथ प्रगति की समीक्षा की जा रही है
(iv)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	275.28	--	--	93.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	--	नवम्बर'13	मार्च'14	विभिन्न पैकजों के एकीकरण तथा परियोजना की एकीकृत कमीशिनंग के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी।
(छ)	**चन्द्रपुर फैरोएलॉय प्लांट**										
(i)	1x45 एमवीए सब-आर्क फर्नेस की स्थापना	एचसीएफईएमएन और एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	203.85	--	--	25.00	स्टैंडएलोन बेसिस पर 37500टी एचसीएफईएमएन और 35000टी एचसीएसआईएमएन अथवा 60,000टी एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन।.	--	अक्टूबर'13	अक्टूबर'13	--

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**										
(i)	एमएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	जारी	--	--	100.00	उपस्करों की अच्छे रखरखाव को बनाये रखना तथा संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन / उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना	--	जारी		--
(ii)	आर एंड डी स्कीमें	उत्पादकता में वृद्धि करना / लागत में कमी करना / नए उत्पादों का विकास करना	जारी	--	--	15.00	जॉच अध्ययन, असफल विश्लेषण के जरीये प्रचालन गतिविधियों हेतु प्रौद्योगिकी समाधानों के साथ-साथ परेशानी उत्पन्न करने वाली वर्तमान प्रौद्योगिकी का विकास और लागत में कमी करने / उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया मानदण्डों का आलोचनात्मक गहन परीक्षण ।	--	जारी		--
(iii)	सीओबी-4 (चरण-1)	कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए तप्त धातु व द्रव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।	380.46	--	--	3.00	बी एफ कोक का 0.75 एमटी उत्पादन करना।	एक स्वतंत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 को प्रचालित करना।	बैटरी-**4** की कमिशिनंग हो चुकी है।		--
(iv)	सीओबी-4 (चरण--II)	गैस का पूरा उपयोग तथा अतिरिक्त उपोत्पाद सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उपोत्पाद के बेहतर औचित्यकरण में वृद्धि और कोयल संभाल में शेष सुविधाएं।	355.30	--	--	35.00	बायोप्रोडक्टों की रिकवरी में बढ़ोतरी।	बायोप्रोडक्टों की रिकवरी में बढ़ोतरी।	जून'13- कोल हैंडलिंग साईड जून'13 – बाई प्रोडक्ट साईड।		**टाइम ऑवर रन** : निम्नलिखित के कारण मूल समयावधि में विलम्ब हुआ है : - बोलीदाताओं से कमजोर प्रतिक्रिया के कारण परामर्शदाता को अंतिम रूप देने में विलम्ब।- इंजीनियरिंग कार्यों में विलम्ब। - परामर्शदाता द्वारा सिविल और स्ट्रकचरल ड्राइंगस् को जारी करने में विलम्ब। - उपस्करों की आपूर्ति में विलम्ब। - कोल हैंडलिंग प्लांट में सिविल तथा स्ट्रकचरल एजेंसियों द्वारा धीमी प्रगति। - खुदाई में कठोर चट्टानों का सामना करना। - मेकॉन द्वारा विलम्ब। **कास्ट ओर रन** : संविदात्मक बढ़ोत्तरियों को छोड़कर दिए गए आर्डरों की लागत के संबंध में कोई अतिरिक्त लागत की प्रत्याशा नहीं है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(v)	6.3 एमटीपीए तक विस्तार	प्लांट की क्षमता बढ़ाना	8692.00	--	--	600.00	द्गव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए क्षमता करना ।	द्गव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए क्षमता करना ।	चरण-I के लिए - कुछ इकाइयों की कमिशिनंग पहले ही हो चुकी है डब्ल्यू आर एम - 2-फरवरी/मार्च, 2013 चरण--II –मार्च 2013-14 की प्रथम तिमाही।		जहॉ तक अधिक लागत का संबंध है तो 12293 करोड़ की अनुमोदित लागत के मामले में अधिक लागत तथापि, विलंब के मुख्य कारण हैं: प्रक्रिया पैकेज आपर्तिकर्ताओं द्वारा फीडबैक डाटा प्रस्तुत करने में विलम्ब से परामर्शदाता द्वारा कंस्ट्रक्शन ड्राइंगस् विशेषत: सिविल और सट्रकचरल कार्य के मुद्दे पर विलम्ब हुआ है।समय पर कुशल कार्यबल की उपलब्धता में कमी, अधिक एट्रीशन रेट आदि। एजेंसियों द्वारा फील्ड कंस्ट्रक्शन उपस्करों को अतार्किक रूप से जुटाना। मुख्यत: पीआरएस पर आकस्मिक रूप से घटित दुर्घटना के कारण समय अधिक लगा।
(vi)	एयर सेपरेशन प्लांट (एएसयू-4)	कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑर्गन की कमी होने पर अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना। उत्पादित ऑक्सीजन बीएफ में पीसीआई के लिए प्रयुक्त की जाती है ।	170.00	--	--	5.00	प्रति 165 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 600 टन की 2 क्षमताएं	इससे एमएमएस में द्रव इस्पात और बीएफ में तप्त इस्पात के उत्पादन को बढ़ाने में मदद मिलेगी।.	एएसयू-4 की कमीशिनंग हो चुकी है।		संविदात्मक बढ़ोत्तरियों को छोड़कर 170 .करोड़ रूपये की अनुमोदित लागत के संबंध में अत्यधिक लागत की प्रत्याशा नहीं थी। लंबित भुगतान निष्पादन परीक्षणों से संबंधित हैं।
(vii)	पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम	कम महंगे पुल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम।	133.00	--	--	8.00	तप्त धातु का वर्धित उत्पादन। तप्त धातु की उत्पादन की लागत में कमी करना।	--	मार्च'13		मैसर्स सेरी नामक चीनी प्रतिष्ठान के कारण पीसीआई की स्थापना में प्रारम्भ रूप से विलम्ब हुआ है। वर्तमान में सभी आपूतियॉ पूरी हो चुकी हैं। चीन के विशेषज्ञ आ चुके हैं। शुरू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। .

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(viii)	खानों के विकास हेतु अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	600.00	--	--	3.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और खानों के अधिग्रहण के लिए परिव्यय शामिल हैं।	--	जारी		लौह अयस्क खानों के आबंटन के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है तथा विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहित करने की सभांवनाओं का पता लगाया जा रहा है। कोल ब्लॉक के लिए आरआईएनएल का अनुरोध एमडीसी के पास लम्बित है।
(ix)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	--	--	50.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	--	मई'13/जून'13		निरस्तीकरण तथा प्रमुख पैकेजों हेतु पुन: निविदा जारी करने के कारण परियोजना का कार्यक्रम पुन: निर्धारित किया गया । संयंत्र के परिचालन पर लौह अयस्क भंडारण परियोजना में वृद्धि, यद्यपि इसमें विलम्ब हुआ, से कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योकि केवल स्टाक को बढ़ाने के लिए इसकी आवश्यकता है । टाइम ओवर रन : संविदात्मक शैड्यूल के संबंध में शून्य।**कास्ट ओवन रन:** शून्य (बचत प्रत्याशित है)
(x)	अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर	विस्तार तथा विद्युत उत्पादन में मदद हेतु स्ट्रीम की आवश्यकता को पूरा करना।	350.00	--	--	20.00	विस्तार इकाइयों की आवश्यकता को पूरा करने लिए अतिरिक्त प्रोसेसे स्टीम और विद्युत उत्पादन के लिए स्टीम में सहायता मिलेगी।	विस्तार और विद्युत के उत्पादन में सहयोग के लिए .स्टीम की आवश्यकताओं को पूरा करना।	07.01.2013 को बॉयलर-6 को प्रज्जवलित किया गया।		**टाईम ओवर रन:** मंत्रालय सहित उच्चतर स्तर पर निगरानी के बावजूद आपूर्ति और स्थल पर धीमे उत्थापन क्रियाकलापों में विलम्ब के कारण मैसर्स भेल द्वारा परियोजना को पूरा करने में अधिक समय लगा है। तथापि हाल ही में कार्य की गति में सुधार हुआ है लेकिन परियोजना निर्धारित समय से पीछे चल रही है। **कॉस्ट ओवर रन:**. सांविधिक उतार चढ़ाव को छोड़कर भेल को दिए गए ऑर्डरों के मूल्यों के बढ़ने की प्रत्याशा नहीं है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xi)	67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	344.00	--	--	15.00	विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता का आंशिक रूप से उत्पादन करना।	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	मार्च/अप्रैल'13		उपरोक्त अनुसार
(xii)	बीएफ-I कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3850 घन मीटर करना।	1760.00	--	--	406.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाकर 0.5 मिलियन टन से 2 मिलियन टन तथा 2.5 मिलियन टन करना।	--	बीएफ-1: अप्रैल'13 से जुलाई'13 बीएफ-2: जून;14 से अक्टूबर;14		--
(xiii)	सिंटर प्लांट उपत्पादकता में वृद्धि करना।	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	--	--	2.00	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	--	सिंटर एम/सी 1 : जून;14 सिंटर एम/सी 2 : दिसम्बर14		--
(xiv)	एसएमएस कंवर्टर की मरम्त	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। इससे यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	180.00	--	--	25.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए टैक्नोलॉजिकल आवश्यकता।	--	जनवरी'14 से एलडी-3 , जुलाई, 2014 से एलडी-1, अप्रैल, 2015 से एलडी-2		--
(xv)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	--	--	2.00	इस्पात का उत्पादन बढ़ाकर 0.97 एमटी करना।	--	समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 30 माह		--

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xvi)	सिंटर मशीन 1 और 2 के सिंटर स्ट्रेटलाइन कूलर संबंधी 20.6 मेगावाट की वेस्ट हीट रिकवरी परियोजना	ग्रीन प्लान ऐड के तहत न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नालॉजी आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ) के प्रौद्योगिकिय सहयोग के तहत सिंटर मशीन 1 और 2 के वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम आन स्ट्रेट लाइन कूलर के जरिए 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	150.00	--	--	10.00	सिंटर मशीनों की वेस्ट हीट से और कोई फोसिल ईंधन जलाए बगैर 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।.	--	मार्च'13		परियोजना पूरी होने की तिथि उदाहरणत 25.05.2009: समझौता ज्ञापन के हस्ताक्षर होने से 34 है। बोलीदाताओं द्वारा कमजोर प्रतिक्रिया, अधूरी बोलियॉ और एजेंसियों के कमजोर निष्पादन के कारण परियोजना में विलम्ब हुआ।
(xvii)	विद्युत संयंत्र-2	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना।	677.00	--	--	150.00	जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करते हुए 120 एमडब्ल्यू विद्युत पैदा करना।	जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करते हुए 120 एमडब्ल्यू विद्युत पैदा करना।	Sep'13		संविदात्मक रूप से पूरा करने की तिथि सितम्बर, 2013 है।
(xviii)	एक्सल प्लांट	आरआईएनएल की 100% अनुषंगी के गठन के जरिए पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण हेतु सुविधा की स्थापना करना।	391.00	--	--	20.00	रेलवे द्वारा निश्चित रूप से 20,000 से 25,000 की संख्या में माल उठाने संबंधी आवश्यकता के उद्देश्य की पूर्ति हेतु आरआईएनएल की 100% अनुषंगी के गठन के जरिए पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल की उपयुक्त क्षमता और अन्य संबंधित उत्पादों का विनिर्माण करने वाली इकाई की स्थापना करना।	--	परामर्शदाता नामत: मेकॉन द्वारा डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है।		--

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xix)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टरबाईन ड्राइवन ब्लोयर टीबी-5 की स्थापना .	टीबी-1, 2, 3 में आधुनिकीकरण का कार्य चलने की स्थिति में और आवश्यकताओं को पूरा करने के रूप में और भविष्य में बीएफ-4 के लिए स्टैंडबाई के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	280.00	--	--	1.00	यदि वर्तमान टरबाईनों में आधुनिकीकरण/अनुरक्षण का कार्य चल रहा हो तो बीएफ-1 और बीएफ-2 कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	--	ठेका देने की तिथि से 27 माह		--
(xx)	व्यवहार्यता/परियोजना रिपोर्ट	विस्तार एवं आशुनिकीकरण के संबंध मे अनेक व्यवहार्यता अध्ययन और परियोजना रिपोर्ट तैयार करना।	जारी	--	--	2.00	विस्तार एवं आधुनिकीकरण के संबंध मे विभिन्न व्यवहार्यता अध्ययन और परियोजना रिपोर्ट तैयार करना।	--	जारी		--
(xxi)	विविध (विद्युत और जल, अवसंरचना बढ़ोत्तरी)	(i) 400 एमवीए विद्युत के प्रेषण के लिए एपी पॉवर ग्रिड को मजबूत बनाना. (ii) सिस्तार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 400 एमवीए विद्युत की प्राप्ति को सक्षम बनाने के लिए सब-स्टेशन जैसी वीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना।. (iii) विस्तार हेतु जल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 16 एमजीएम की अतिरिक्त भंडारण क्षमता का निर्माण करना।	364.10	--	--	21.00	--	--	पर्यावरण और वन मंत्रालय की मंजूरी की तिथि से 3 माह		भंडारण की डिजाइन के लिए 12 जनवरी, 12 को सेंटर डिजाइन ऑर्गनाइजेशन (सीडीओ) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बेसिक इंजीनियरिंग कार्य चल रहा है और 70% ड्राइंग पूरी हो चुकी है।
(xxii)	एसएलटीएम	1 एमटी अतिरिक्त द्रव इस्पात का उपयोग करना उत्पादन वर्तमान बीएफ और कन्वेंर्टर्स/कास्टरों की मरम्मत/उन्नयन के बाद होगा ।.	2512.00	--	--	5.00	5.5 से 18 ओडी की साइज की रेंज में 4,00,000 टीपीए सीमलैस टयूबों का उत्पादन करना।	--	2014-15		--
(xxiii)	सीओबी-5	6.3/7.3 एमटीपीए चरण के लिए कोक की आवश्यकताओं और शेष गैस की पूर्ति करना और उत्रोत्तर रूप से सीओबी 1, 2 और 3 के पुनर्निर्माण को सुविधा प्रदान करना।.	2858.00	--	--	2.00	0.82 एमटीपीए सकल कोक का उत्पादन करना।	--	मई'15		--

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
3.	**केआईओसीएल लिमिटेड**										
(i)	कोक ओवन प्लांट	कोक ओवन प्लांट की स्थापना। इससे सस्ते मूल्य पर कोयले की उपलब्धता में सुधार होगा।	452.00	--	--	10.00	कच्ची सामग्री की लागत कम करना।	कोक ओवन बैटरी सप्लाई करने वाले को ऑर्डर देने की तारीख से 22 महीने।	कोक ओवन बैटरी सप्लाई करने वाले को ऑर्डर देने की तारीख से 22 महीने।		ब्लास्ट फर्नेस में उपयोग किए जाने वाले कोयले की अधिक लागत को देखते हुए कंपनी मंगलौर स्थिति कोक ओवन प्लांट की स्थापना करना चाहती है। इससे कच्ची सामग्री की लागत में पर्याप्त रूप से कमी होगी।
(ii)	मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास	मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं होगा और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/हॉस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्रोत माना जाता है। अधिकांश कच्चे माल की ढुलाई रेल द्वारा की जानी है इसलिए मंगलौर में एक स्थायी रेलवे साइडिंग विकसित करने का प्रस्ताव है।	130.00	--	--	5.00	मंगलौर में 4 एमटीपीए लौह अयस्क की प्राप्ति की संभाल।	निजी पार्टी और केआईएडीबी से भी भूमि के अधिग्रहण के बाद नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	निजी पार्टी और केआईएडीबी से भी भूमि के अधिग्रहण के बाद नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।		मैसर्स केआरएल ने संशोधित डीपीआर प्रस्तुत कर दी है । सुरक्षा कारणों के लिए डायमण्ड क्रासिंग से बचने के लिए केआरएल ने पूर्व प्रस्तावित रूट को पुर्न रेखांकित किया है जिससे केआईएडीबी भूमि की स्वेपिंग और निजी भूमि की खरीद आवश्यक हो गई है कम्पनी उक्त भूमि को निजी पार्टियों से अधिग्रहण करने की सम्भावना का पता लगा रही है। 2.945 एकड़ निजी भूमि की पहले ही अधिप्राप्ति कर ली गई है और शेष भूमि की अधिप्राप्ति प्रक्रियाधीन है।
(iii)	रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए भारी माल संभाल की सुविधाओं का निर्माण	चूंकि अधिकांश कच्चे माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है। केआईओसीएल को अपने पैलेट प्लांट तथा ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के लिए लौह अयस्क का प्रेषण प्राप्त करने के लिए भारी माल संभाल सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	173.00	--	--	1.00	मंगलौर में 4 एमटीपीए लौह अयस्क की प्राप्ति की संभाल।	--	--		-वही-

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(iv)	**चिकनैयाहाल्ली और दूसरी खानों का विकास।**	कच्ची सामग्री की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कैप्टिव खानें रखना।	200.00	--	--	2.00	पैलेटों के उत्पादन के लिए प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की आपूर्ति	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों के बाद नई समय सीमा निर्धारित की जाएगी।	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों के बाद नई समय सीमा निर्धारित की जाएगी।.		कर्नाटक सरकार ने होमवैघात्ता तथा होफाफल्ली गांव में केआईओसीएल के पक्ष में 116.55 हेक्टेयर क्षेत्र पर खनन की लीज दी थी। सर्वेक्षण के समय यह देखा गया था कि ये क्षेत्र परस्पर व्याप्त हैं और ये केआईओसीएल को आवंटित की गई थी। संयुक्त सर्वेक्षण किया गया। संशोधित एमएल स्कैच बनाया गया ताकि कर्नाटक की सरकार से कानूनी मंजूरी प्राइज़ हो सके जो अभी प्राप्त होनी है। उच्चतम न्यायालय ने दिनांक 30.11.2012 के अपने आदेश में यह कहा है कि उसकी अनुमति के बिना बेल्लारी, तुमकुर और चित्रदुर्गा में कोई नया एमएल नहीं दिया जाएगा। इसमें वे मामले शामिल हैं जिनके संबंध में अधिसूचनाएं जारी की गई थीं लेकिन इसको देखते हुए पट्टों पर हस्ताक्षर नहीं हुए थे। खनन लाइसेंस निष्पादन करने की प्रक्रिया में और देर हो सकती है इसलिए वित्त वर्ष 2012-13 के लिए बजटीय व्यय पूरा नहीं हो सका।
(v)	रामनदुर्ग खानों का विकास	कच्ची सामग्री की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कैप्टिव माइंस होनी चाहिएं।	900.00	--	--	1.00	पेलेटों के उत्पादन के लिए 4एमटीपीए लौह अयस्क की सप्लाई।	कानूनी मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	कानूनी मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।		कर्नाटक की सरकार के सचिव, (खान, वस्त्र और एसएसआई) ने ब्लॉक संख्या 13/1 में खनन पट्टा देने के मामले में केआईओसीएल के आवेदन पर सुनवाई की थी। इस्पात मंत्रालय के सचिव और कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव के बीच **12.05.2011** तथा मुख्य सचिव, केआईओसीएल के बीच **25.05.2011.** को हुई बैठकों में रामनदुर्ग के आवंटन को मंजूरी दी गई। उच्चतम न्यायालय ने दिनांक 30.11.2012 के अपने आदेश में यह कहा है कि उसकी अनुमति के बिना बेल्लारी, तुमकुर और चित्रदुर्गा में कोई नया एमएल नहीं दिया जाएगा। इसमें वे मामले शामिल हैं जिनके संबंध में अधिसूचनाएं जारी की गई थीं लेकिन इसको देखते हुए पट्टों पर हस्ताक्षर नहीं हुए थे। खनन लाइसेंस निष्पादन करने की प्रक्रिया में और देर हो सकती है इसलिए वित्त वर्ष 2012-13 के लिए बजटीय व्यय पूरा नहीं हो सका।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(vi)	डक्टाईल स्पन पाईप प्लांट	यह एक मूल्यवर्धित उत्पाद है।	309.00	--	--	1.00	100,000 पाईपों का प्रति वर्ष निर्माण।	केआईओसीएल ने बीएफयू के लिए बैकवर्ड इंटीग्रेशन के रूप में कोक ओवन प्लांट स्थापना का प्रस्ताव किया है। कोक ओवन प्लांट की स्थापना हो जाने पर केआईओसीएल बीआईएसपी परियोजना के संबंध में निवेश के बारे में उचित निर्णय लेगा।	केआईओसीएल ने बीएफयू के लिए बैकवर्ड इंटीग्रेशन के रूप में कोक ओवन प्लांट स्थापना का प्रस्ताव किया है। कोक ओवन प्लांट की स्थापना हो जाने पर केआईओसीएल बीआईएसपी परियोजना के संबंध में निवेश के बारे में उचित निर्णय लेगा।	बीएफयू के लिए अग्रिम एकीकरण के रूप में डीआईएसपी परियोजना के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु मैसर्स मेकॉन को वर्क ऑर्डर दिया गया।
(vii)	कुद्रेमुख में ईको-टाउन का विकास	कुद्रेमुख में ईको-पर्यटन सुविधा का विकास करने का उद्देश्य समुदाय आधारित वाणिज्यिक ईको-पर्यटन परियोजना का विकास करना है।	483	--	--	1.00	ईको-पर्यटन का विकास	आवश्यक सांविधिक मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	आवश्यक सांविधिक मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।		अनुमानित लागत लगभग 483 करोड़ रुपये है। कुद्रेमुख में ईको-पर्यटन सुविधा के विकास हेतु तैया की गई प्रारूप डीपीआर को केआईओसीएल के बोर्ड के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया। कर्नाटक सकरार के राजस्व विभाग ने वन विभाग तथा केआईओसीएल की उपस्थिति में कुद्रेमुख में प्रस्तावित ईको सुविधाओं की स्थापना के संबंध में पट्टा क्षेत्र (1220.03 हेक्टेयर) का सर्वेक्षण किया था। उपायुक्त, चिकमगलूर ने क्षेत्र का दौरा किया और दिनांक 31 दिसम्बर, 2012. को केओआईसीएल के साथ विचार-विमर्श किया।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
4.	**एनएमडीसी लिमिटेड**										
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	--	--	80.00	क्षमता 7एमटीपीए	क्षमता 7एमटीपीए	मार्च'13		क्षमता को 3 एमटीपीए से बढ़ाकर एमटीपीए किया गया तथा 607.18 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को 16/05/2008 को अनुमोदित किया गया। मार्च, 2012 तक 323.39 करोड़ रुपये का संचयी व्यय हुआ। अप्रैल-दिसम्बर, 2012 19.98 करोड़ रुपये की रकम व्यय हुई। दिसम्बर, 12 तक इस स्कीम पर 343.37 करोड़ रुपये का कुल व्यय हुआ। बेलाडिला क्षेत्र में माओवादियों की गतिविधियों के कारण इस स्थान पर प्रगति प्रभावित हो रही है। कार्यक्षेत्रों के निकट सीआईएसएफ बैरकों का निर्माण किया गया और खान के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त प्रकाश खम्बे लगाए गए। एससीएच और स्कल्पिंग स्क्रीन में सैकेंडरी क्रैशर, ईओटी क्रेन का परीक्षण किया गया। इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन तंथा समस्त एचटी पैनलों को चार्ज किया जा चुका है। .
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	--	--	115.00	क्षमता 7एमटीपीए	क्षमता 7एमटीपीए	नवम्बर'13		मुख्य प्रौद्योगिकी पैकेजों का ऑर्डर दिया जा चुका है और क्रशिंग प्लांट पैकज के लिए डिजाइन पूरा हो गया है। डाउन हीन कंवेयर सिस्टम का डिजाइन और इंजीनियरिंग कार्य अंतिम चरण पर है। डम्पर प्लेटफार्म का निर्माण कार्य चल रहा है। प्राथमिक क्रशर और सैकेंडरी क्रशर हाउस का मुख्य निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य चल रहा है1 प्राथमिक क्रशर और सैकेंडरी क्रशर स्थल पर पहुंच चुके हैं। खान कार्यालय भवन और सीलो आधारशिला का कार्य पूरा हो चुका है। डाऊन हीन कंवेइंग सिस्टम तथा सेवा केन्द्र भवनों के संबंध में निर्माण कार्य चल रहा है।
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के लिए डाईवर्सीफाई करना	572.00	--	--	100.00	क्षमता 1.2एमटीपीए	क्षमता 1.2एमटीपीए	जुलाई'13		पेलेटाइजेशन के लिए महत्वपूर्ण उपकरण स्थल पर पहुंच गए हैं। बेनीफिकेशन पैकेज के महत्वपूर्ण उपकरणों के लिए आर्डर दे दिया गया है। पेलेटाइजेशन पैकेज के लिए भूमिगत जल टैंक, पम्प हाऊस, रोटरी किल्न और वेस्ट गैस चिमनी के संबंध में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इन पैकेजों के संबंध में अवसंरचना कार्य और उपकरणों की स्थापना का कार्य चल रहा है। मिक्सर उपकरण, जीआईएस और कूलर की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट।	i) सीजी स्थिति में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्य वर्धन का सुनिश्चय करना।. ii) आदिवासियों की आबादी वाले बस्तर क्षेत्र का विस्तार। iii) विशेष रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों से संबंधित बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।	15525.00	--	--	--	क्षमता 3 एमटीपीए	क्षमता 3 एमटीपीए	मई'15		मैसर्स मेकॉन को 25.10.2011 को इंजीनियरिंग, परामर्श तथा परियोजना प्रबंधन का ठेका प्राप्त हुआ है। 9 प्रमुख प्रौद्योगिक पैकेजों में से 8 के लिए करारों पर हस्ताक्षर हो गए हैं और इन अधिकांश पैकेजों के लिए निमार्ण कार्य स्थल पर शुरू हो चुका है। लाइम और डोलोमाइट पैकेज के लिए 23 नवम्बर, 2012 को ऑर्डर दे दिया गया है। एक महत्वपूर्ण उपसंगी पैकेज अर्थात् पॉवर और ब्लोइंग स्टेशन के लिए आर्डर 23 नवम्बर, 2012 को दे दिया गया है। कुछ उपसंगी पैकेजों के लिए टैंडर जारी कर दिए गए हैं और ये आर्डर देने के विभिन्न चरणों में हैं।
5.	**<u>मॉयल लिमिटेड</u>**										
(i)	सेल के साथ फैरो मैगनीज/सीलीको मैगनीज प्लांट हेतु संयुक्त उद्यम।	सेल की मांग की आपूर्ति करने के लिए फैरो/सीलीको मैगनीज का उत्पादन करने के लिए भिलाई में परियोजना स्थापित की जाएगी।	391.00	0.00	0.00	0.00	इस परियोजना से 31000 एमटी फैरा मैगनीज और. 75000 एमटी सीलीको मैगनीज का उत्पादन होगा।	इस परियोजना से 31000 एमटी फैरा मैगनीज और. 75000 एमटी सीलीको मैगनीज का उत्पादन होगा।	भट्टी के लिए निविदा को अंतिम रूप देने के बाद मात्रा बताई जाएगी।		इस परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। फैरो और सीलीको मैगनीज की अपनी वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप सेल द्वारा भट्टी के तकनीकी विनिर्देशन तैयार किए जा रहे हैं।
(ii)	आरआईएनएल के साथ फैरो मैगनीज/सीलीको मैगनीज प्लांट हेतु संयुक्त उद्यम।	आरआईएनएल की मांग की आपूर्ति करने के लिए फैरो/सीलीको मैगनीज का उत्पादन करने के लिए बोबिल में परियोजना स्थापित की जाएगी।	217.00	0.00	0.00	15.00	इस परियोजना से 20000 एमटी फैरो मैगनीज और. 37500 एमटी सीलीको मैगनीज का उत्पादन होगा।	इस परियोजना से 20000 एमटी फैरो मैगनीज और. 37500 एमटी सीलीको मैगनीज का उत्पादन होगा।	भट्टी के लिए निविदा को अंतिम रूप देने के बाद मात्रा बताई जाएगी।		इस परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। फैरो और सीलीको मैगनीज की अपनी वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप आरआईएनएल द्वारा भट्टी के तकनीकी विनिर्देशन तैयार किए जा रहे हैं।
	योग - क					***12123.25***					

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
ख.	**इस्पात मंत्रालय की स्कीम** लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के उन्नयन की स्कीम										
1(i)	चल रही आर एण्ड डी परियोजनाएं	लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण। प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना।	48.00	--	12.00	--	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। भारतीय कच्ची सामग्रियों नामत: निम्न ग्रेड लौह अयस्क, गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूप का विकास करना। नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाईन में परिवर्तन (रिफ्रैक्ट्री) प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाईम्स का बैनीफिशिएशन। चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलेट स्केल पैलेटाइजेशन टेक्नोलॉजी का विकास। प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाईरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले कोयले से निम्न राखांश वाले कोयले (10 प्रतिशत राखांश कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन।	कॉलम-6 के अनुसार	--	11वीं पंचवर्षीय योजना 2007-12 के दौरान चल रही यह स्कीम 12वीं योजना 2012-17 के दौरान जारी रहेगी।	1) अनुसंधान और विकास से संबंधित यह स्कीम 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस्पात मंत्रालय में लागू की गई थी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसके मूल्यांकन तथा अनुमोदन मं पर्याप्त समय लगा। **2)** ईएफसी ने इस स्कीम को नवम्बर, 2008 में अनुमोदित किया और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को जनवरी, 2009 में इस शर्त के साथ अंतिम रूप से मंजूरी दी कि यह स्कीम 2009-10 से लागू की जाएगी। **3)** इस्पात मंत्रालय ने संबंधित पक्षों के साथ परामर्श करके अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के चयन के लिए अनुवर्ती कार्यवाही की और इन्हें विशेषज्ञों के पैनल से मंजूर करवाया तथा फरवरी, 2010 में चार परियोजनाओं का अनुमोदन हुआ। चार और पारियोजनाओं का अनुमोदन पीएएमसी द्वारा नवम्बर, 2010 में किया गया। **4)** स्कीम के अनुमोदन तथा बाद में अलग-अलग अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुमोदन में विलम्ब के कारण चार परियोनाएं अप्रैल, 2010 को शुरू हो पाई। दो परियोजनाएं जनवरी, 2011 को तथा शेष दो परियोजनाएं दिसम्बर, 2011 को शुरू हो पाई। इसलिए यह परियोजनाएं 11वी पंचवर्षीय योजना के दौरान पूरी नहीं हो पाई। **5)** इस समय चल रही आठ परियोजनाएं 12 पंचवर्षीय योजना में जारी रखी गई हैं और ये 2012-13, 2013-14, 2014-15 तथा 2015-16.तक पूरी होंगी।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2013-14			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित अवधि	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
1(ii)		कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटिड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों (नये घटक) के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	150.00	--	32.00	--	कार्गो स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादों के उत्पादन के लिए लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	कॉलम-5 के अनुसार	--	12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-13) के दौरान	इस परियोजना की अनुशंसा 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए इस्पात उद्योग से संबंधित कार्यकारी समूह द्वारा की गई थी। प्रारूप स्कीम/अवधारणा नोट शेयधारकों के साथ विचार-विमर्श से तैयार किया जा रहा है। परियोजना को अंतिम रूप दिए जाने के पश्चात इसे सैद्धांतिक रूप से अनुमोदन हेतु योजना आयोग को प्रस्तुत किया जाएगा।
1(iii)		लौह/इस्पात निर्माण करने वाली नवाचारी प्रक्रियाओं/प्रौद्योगिकियों का विकास करना(वर्तमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं)।	2.00	--	2.00	--	लौह/इस्पात निर्माण करने वाली नवाचारी प्रक्रियाओं/प्रौद्योगिकियों का विकास करना।	कॉलम-5 के अनुसार	--	12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-13) के दौरान)	वर्तमान स्कीम के तहत नयी परियोजनाओं को शुरू किया जाएगा।
	योग *(ख)*				***46.00***						
ग.	**<u>अन्य स्कीमें/कार्यक्रम</u>**										
(i)	**पीएसयूज से संबंधित**										
	(i) 50.00 करोड़ से कम लागत वाली विभिन्न एएमआर स्कीमें, चल रही और नई स्कीमें। (ii) 50.00 करोड़ से अधिक स्वीकृत लागत वाली स्कीमें जो फाईनल होने के प्रारम्भिक चरण में हैं	संयंत्र, उपस्करों और मशीनरियों, अनुरक्षण करना, उत्पादन लागत को कम करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, उत्पादकता आदि में बढ़ोत्तरी करना।	--	--		7561.52	--	--	--	--	ये स्कीमें पीएसयूज के दिन-प्रतिदिन की कार्यप्रणाली और प्रचालनों से संबंधित हैं। ऐसी स्कीमों जिनके लिए आवश्यक अनुमोदन अभी प्राप्त किया जाना है, को शामिल नहीं किया गया है।
	योग *(ग)*		**--**	**--**	**--**	***7561.52***					
	सकल योग - क+ख+ग		**--**	***72.97#***	***46.00***	***19684.77***					

सकल आधार पर। एचएससीएल हेतु गारंटी शुल्क प्रावधानों से छूट से संबंधित 6.10 करोड़ रुपये की प्राप्ति को निर्धारित करने के पश्चात् वर्ष 2013-14(बीई) के लिए गैर योजना बजट 66.87 करोड़ रुपये है1

*****

अध्याय-III

सुधार उपाय और नीतिगत पहल

1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण

भारतीय इस्पात क्षेत्र ऐसा प्रथम महत्वपूर्ण क्षेत्र था जिसे लाइसेंसिंग और मूल्य निर्धारण एवं वितरण नियंत्रण से पूर्णत: मुक्त किया गया है। ऐसा भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग द्वारा दर्शायी गई उसकी आंतरिक मजबूती और क्षमताओं को देखते हुए किया गया हैं। आर्थिक सुधार और उसके परिणामस्वरूप लोहा और इस्पात क्षेत्र के उदारीकरण जो 1990 के आरंभ में शुरू हुआ था, से इस्पात उद्योग में काफी विकास हुआ है और निजी क्षेत्र में ग्रीन फील्ड इस्पात संयंत्र स्थापित हुए हैं।

वर्ष 2011 के दौरान भारत विश्व में क्रूड इस्पात का उत्पादन करने में भारत चीन, जापान और अमरीका के बाद चौथे स्थान पर है और यह भी आशा है कि विश्व स्टील एसोसिएशन द्वारा जारी जनवरी-नवम्बर, 2012 के आंकड़ों को देखते हुए भारत अपनी स्थिति को बनाए रखेगा।

वर्ष 2011 के दौरान चीन और अमेरिका के बाद तैयार इस्पात की खपत के संदर्भ में भी विश्व में भारत का तीसरा स्थान है और यह भी आशा है कि विश्व स्टील एसोसिएशन द्वारा जारी 2012 के खपत आंकड़ों को देखते हुए भारत अपनी स्थिति को बनाए रखेगा।

वर्ष 2003 से देश स्पंज आयरन का भी सबसे बड़ा उत्पादक रहा है। इस घरेलू इस्पात उद्योग में लगभग 90,000 करोड़ रूपए से अधिक की पूंजी लगी हुई है (जिसमें आगे वृद्धि हुई है) और सीधे 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। अप्रैल-दिसम्बर, 2012 (अनंतिम) के दौरान 56.57 मिलियन टन बिक्री हेतु परिसज्जित इस्पात (मिश्र एवं गैर-मिश्र) का उत्पादन हुआ जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.3 प्रतिशत अधिक है। (स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति फ्लैश रिपोर्ट, दिसम्बर, 2012)

भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय नीचे दिए गए हैं:-

(i) जनवरी, 1992 से इस्पात के मूल्य निर्धारण और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिया गया था। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित किया गया था कि रक्षा और रेलवे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के अतिरिक्त लघु उद्योगों, इंजीनियरी माल के निर्यातकों और पूर्वोत्तर क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

(ii) आयात लाइसेंसिंग, विदेशी मुद्रा निर्मुक्ति, माध्यमीकरण और अधिक आयात टैरिफ से लोहे और इस्पात के आयात को पूर्णत: मुक्त करने के लिए आयात शुल्क स्तर को कम करके लोहा और इस्पात के लिए नियंत्रित आयात प्रणाली को धीरे-धीरे काफी उदार बनाया गया है। लोहे और इस्पात मदों का स्वतंत्र रूप से निर्यात करने की भी अनुमति दी गयी है।

(iii) इस समय फ्लैट इस्पात (मिश्र एवं गैर-मिश्र) पर आयात शुल्क 7.5 प्रतिशत और अन्य सभी मदों पर 5 प्रतिशत है। मेल्टिंग स्क्रैप, कोकिंग कोल, मेट कोक जैसी कच्ची सामग्रियों पर आयात शुल्क शून्य है और अन्य कच्ची सामग्रियों जैसे जिंक, आयरन ओर तथा फैरो मिश्र के लिए 2 प्रतिशत से 5 प्रतिशत के बीच है। किसी भी इस्पात मद पर कोई निर्यात शुल्क नहीं हैं तथापि घरेलू इस्पात उद्योग की दीर्घकालीन आवश्यकताओं के लिए इनका संरक्षण करने हेतु सरकार ने सभी प्रकार के लौह अयस्क (पैलेट्स को छोड़कर जिसपर कोई शुल्क नहीं है) पर 30% निर्यात शुल्क लगाया है।

(iv) इस्पात पर फिलहाल उत्पाद शुल्क 12% है।

(v) पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने और तप्त बेल्लित क्वायलों के मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने इसका आयात नि:शुल्क एवं नियंत्रणमुक्त कर दिया है।

(vi) प्रचालनढां चा और परिवर्तनात्मकता की तेजी से बदलती प्रकृति को ध्यान में रखते हुए भारतीय इस्पात उद्योग में दीर्घकालिक विकास परिदृश्य के लिए एक रोड़मैप उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 को अद्यतन किया जा रहा है।

(vii) इससे पहले सरकार ने भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अंतर्गत जारी 'इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश' के अंतर्गत 16 इस्पात उत्पाद अधिसूचित किए थे। इसके अतिरिक्त, सितम्बर, 2012 में सरकार ने संशोधित इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) द्वितीय आदेश जारी किया है जिसके अनुसार कोई भी निर्माता ऐसा इस्पात अथवा ऐसे इस्पात उत्पादों का निर्माण, आयात, बिक्री अथवा वितरण के लिए भंडारण नहीं कर सकता है जो मानकों के अनुकूल नहीं हों और जिन पर मानक चिन्ह् (बीआईएस अथवा आईएसआई मार्क) नहीं हों।

(viii) देश में इस्पात की ग्रामीण खपत के पैटर्न की पूरी रूपरेखा तैयार करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा एक अखिल भारतीय सर्वेक्षण किया गया था। यह सर्वेक्षण कार्य संयुक्त संयंत्र समिति, कोलकाता द्वारा किया गया और फील्ड वर्क एम आर बी इन्टरनेशनल जो एक प्रमुख बाजार अनुसंधान संगठन है, द्वारा किया गया था। इस अध्ययन की सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए एक रोड़मैप तैयार करने हेतु इस्पात मंत्रालय द्वारा नियुक्त एक उच्चस्तरीय समिति द्वारा इस अध्ययन रिपोर्ट की जांच की गई थी और जिसने इसकी रिपोर्ट इस्पात मंत्रालय को दी है। इस समिति की सिफारिशों के अनुसार आगे कार्रवाई की जा रही है।

इस समिति के निर्णयों के अनुसार इस्पात मंत्रालय ने संयुक्त सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता में एक मानीटरिंग समिति गठित की है और इस समिति में सार्वजनिक क्षेत्र इस्पात संयंत्रों अर्थात सेल, आरआईएनएल, इस्पात मंत्रालय, जेपीसी तथा आईएनएसडीएजी के प्रतिनिधि भी हैं। इस मानीटरिंग समिति के विचारणीय विषय इस प्रकार हैं:

(क) कार्य योजना में अनुमोदित विभिन्न कार्यक्षेत्रों के कार्यान्वयन की मानीटरिंग करना।(ख) कार्यान्वयन के बाद विभिन्न कार्यक्षेत्रों के परिणामों की साविधिक समीक्षा करना।(ग) विभिन्न इस्पात उत्पादकों के ग्रामीण स्टाक बिंदुओं तथा महत्वपूर्ण समझे जाने वाले अन्य पैरामीटरों के संबंध में डाटाबेस बनाना।(घ) और अधिक सुधार के लिए क्षेत्रों का सुझाव देना।

(ड.) समय के साथ-साथ महत्वपूर्ण समझे जाने वाला कोई अन्य संबंधित क्षेत्र।

2. **नई राष्ट्रीय इस्पात नीति**

इस्पात उद्योग को मूलत: घरेलू और विश्व स्तर पर बाजार में परिवर्तन के आधार पर निर्धारित किया जाता है। इसका अभिप्राय है कि एन एस पी 2005 में सम्मिलित अधिकांश लक्ष्यों को बाजार की बदल रही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुनर्निर्धारित/पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। इसलिए इस्पात मंत्री के अनुमोदन से एक नई इस्पात नीति के गठन करने का निर्णय किया गया। नई इस्पात नीति में राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 के मूल गठन को बनाए रखते हुए देश में इस्पात के सभी विभिन्न पहलुओं जैसे भारत में इस्पात की मांग में वृद्धि, कच्चा माल, अनुसंधान एवं डिजाइन, पर्यावरण और नई इस्पात परियोजनाओं को सुविधा सम्पन्न करना, को शामिल करते हुए और अधिक व्यापक नीति का गठन करने पर केन्द्रित है। नई राष्ट्रीय इस्पात नीति के निर्माण की प्रगति की निगरानी करने के लिए एक शीर्ष समिति का गठन किया गया है। जिसके अध्यक्ष सचिव इस्पात मंत्रालय होंगे और योजना आयोग, केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों और संबधित राज्य सरकारों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस विषय के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन, परामर्श, विश्लेषण करने और प्रारूप नीतिपरक दस्तावेज तैयार करने के लिए चार टास्क फोर्स का गठन किया गया जैसाकि नीचे दिया गया है:

(i) टास्क फोर्स 1 : अर्थव्यवस्था एवं समन्वय(ii) टास्क फोर्स 2 : प्रौद्योगिकी पर्यावरण एवं जनशक्ति

(iii) टास्क फोर्स 3 : कच्चा माल

(iv) टास्क फोर्स 4 : अवसंरचना एवं सुविधा

इन कार्यबलों ने अब अपनी-अपनी रिपोर्टें इस्पात मंत्रालय को प्रस्तुत कर दी हैं। इस संबंध में विभिन्न संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

3. **इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल**

3.1 एनएसपी (2005) के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहलें की गई हैं:-

(i) <u>सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी लि. की मेगा विस्तार योजनाओं की प्रगति</u>

सेल: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने भिलाई, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर तथा बर्नपुर स्थित अपने एकीकृत इस्पात संयंत्रों एवं सेलम स्थित अपने विशेष इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य शुरू किया है। वर्तमान दौर में कच्चे इस्पात की उत्पादन क्षमता को 12.8 मिलियन टन से बढ़ाकर 21.4 मिलियन टन प्रति वर्ष किया जा रहा है। वर्तमान चरण के लिए सांकेतिक निवेश लगभग 62000 करोड़ रूपये है। लगभग 10000 करोड़ रूपये की अतिरिक्त रकम को सेल खानों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए निर्धारित किया गया है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने के अतिरिक्त सेल की विस्तार योजना से पुरानी पड़ चुकी प्रौद्योगिकियों को समाप्त करने, ऊर्जा बचत, उत्पाद मिक्स को समृद्ध बनाने, प्रदूषण नियंत्रण, आदान सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए खानों और कोलेरियों का विकास करने, उपभोक्ता केन्द्रित प्रक्रियाएं लागू करने और उच्चतर उत्पादन मात्राओं के संदर्भ में संयंत्र में तदनुरूपी अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्थापना करने के संदर्भ में सेल संयंत्रों की जरूरतें पर्याप्त रूप से पूरी होती हैं।

सेलम स्टील संयंत्र के विस्तार का कार्य सितम्बर, 2010 में पूरा हो चुका है। राउरकेला स्टील प्लांट में सिंटर प्लांट चालू कर दिया है। न्यूकोक ओवन बैटरी की हीटिंग चल रही है और ब्लास्ट फर्नेस की स्थापना अंतिम चरण में है। इस्को स्टील प्लांट में न्यूकोक ओवन बैटरी की हीटिंग चल रही है और सिंटर प्लांट के लिए हॉट ट्रायल चल रहे हैं तथा कच्चे माल से संबंधित हैंडलिंग व्यवस्था, वायर रॉड मिल, आक्सीजन प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस जैसी अन्य प्रमुख सुविधाएं तैयार हो चुकी हैं। बोकारो स्टील प्लांट में एक ब्लास्ट फर्नेस के उन्नयन का कार्य और 2 कोक ओवन बैटरियों के पुनर्निमाण का कार्य पूरा हो गया है एवं न्यू कोल्ड रोलिंग मिल की स्थापना का कार्य पूरा होने वाला है। भिलाई स्टील प्लांट तथा दुर्गापुर स्टील प्लांट में कार्य कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। आधुनिकीकरण और विस्तार पर दिसम्बर, 2012 तक 41,221 करोड़ रूपये का संचयी व्यय हो चुका है।

आरआईएनएल: आरआईएनएल ने वर्ष 2022-23 तक चरणबद्ध तरीके से तरल स्टील उत्पादन क्षमता को बढाकर 200 मिलियन टन करने के लिए दीर्घावधिक निदेशात्मक योजनाएं तैयार की हैं। इस प्रयास के तहत आंतरिक स्रोतों से पूर्णत: वित्त पोषित तरल इस्पात का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार का कार्य पूरा होने वाला है। चरण-1 के सभी यूनिटों (वायर रॉड मिल सहित आयरन एंड स्टील जोन) को चालू कर दिया गया है और सिवाय कनवर्टर शॉप, सिंटर प्लांट-3 और वायर रॉड मिल-2 के सिवाय, कई यूनिट चल रहे हैं। 70 एमएम रांउड वाली वायर रॉड मिल-2, स्टेज-1 प्रथम बिलेट रोलिंग के साथ जून, 2012 में चालू हो गई है।

शेष यूनिटों को वर्ष 2013-14 के दौरान धीरे-धीरे चालू करने की योजना है। स्टेज-2 के अधीन विशेष बार मिल और स्ट्रक्चरल मिल का परीक्षण चल रहा है।

<u>आधुनिकीकरण तथा उन्नयन</u>: मौजूदा ब्लास्ट फर्नेसों और कनवर्टरों के उन्नयन और आधुनिकीकरण का कार्यान्वयन जोर-शोर से चल रहा है। मौजूदा सिंटर प्लांट में आमूल चूल परिवर्तन का कार्य अंतिम चरण पर है। इन कार्यों को 1 एमटी क्षमता जोड़ते हुए वर्ष 2013-14 तक पूरा किया जाएगा।

विस्तार का अगला दौर: कच्चे इस्पात के उत्पादन को 11 एमटीपीए तक बढ़ाने के लिए अगले चरण का व्यवहार्यता अध्ययन शुरू हो चुका है और इसका कार्यान्वयन वर्ष 2017-18 तक होगा।

एनएमडीसी लिमिटेड: एनएमडीसी लिमिटेड लौह अयस्क के उत्पादन को लगभग 24 मिलियन टन के वर्तमान स्तर से बढ़ाकर 2014-15 तक 40 मिलियन टन करने की योजना बना रही है। 7-7 एमटीपीए क्षमता वाली 2 खनन परियोजनाओं के विकास से संबंधित कार्य बेलाडिला, छत्तीसगढ़ और कुमारस्वामी, कर्नाटक में चल रहा है। एनएमडीसी स्पंज आयरन पैलेटों ओर इस्पात में वैल्यू एडीशन द्वारा इंटीग्रेशन को आगे बढ़ाने के लिए भी कदम उठा रही है। एनएमडीसी नागरनार, छत्तीसगढ़ में लगभग 15525 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से 3 मिलियन प्रति टन क्षमता वाला ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील संयंत्र की स्थापना कर रही है। सभी सांविधिक अनापत्तियां प्राप्त कर ली गई हैं। इस संयंत्र की स्थापना से संबंधित कार्य चल रहा है। एनएमडीसी दौणिमलै, कर्नाटक में 1.2 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाला पैलेट संयंत्र भी स्थापित कर रही है। इस परियोजना का निष्पादन 6 पैकेजों के जरिए किया जा रहा है। सभी प्रमुख पैकेजों का आर्डर दिया जा चुका है और स्थल पर कार्य शुरू हो चुका है।

एनएमडीसी नागरनार, छत्तीसगढ़ में लगभग 15525 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से 3 मिलियन प्रति टन क्षमता वाला ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील संयंत्र की स्थापना कर रही है। इस इस्पात परियोजना के लिए निर्माण कार्य चल रहा है। मै0 मेकॉन को इंजीनियरिंग परामर्श तथा परियोजना प्रबंधन संविदा प्राप्त हुई है। कुल 9 प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेजों में से निम्नलिखित 8 पैकेजों के संबंध में संविदा करार संपन्न हो चुका है: (i) मै0 सीमेंस वीएआई मेटल टेक्नोलॉजीस और मै0 नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ सिंटर प्लांट पैकेज; (ii) मै0 डेनिल कोरस तथा मै0 टाटा प्रोजेक्ट के साथ ब्लास्ट फर्नेस पैकेज (iii) मै0 भेल के साथ आरएमएचएस पैकेज; (iv) मै0 भिलाई इंजीनियरिंग और अन्य के साथ कोक ओवन पैकेज (v) मै0 श्रीराम ईपीसी लिमिटेड, मै0 हंटी प्रोजेकट तथा मै0 बीके इंजीनियरिंग कारपोरेशन के कंसोर्टियम के साथ बाय प्रोडक्ट पैकेज (vi) मै0 सिमेन बीएआई मेटल टेक्नोलॉजी,गमएच, आस्ट्रेलिया और कंसोर्टियम के साथ एसएमएस पैकेज (vii) मै0 लिंडे एजी जर्मनी और बीओसी इंडिया लिमिटेड के साथ 16.7.2012 को आक्सीजन प्लांट (viii) 24.8.2012 को डेनिली एंड सीएसपीए, इटली तथा कंसोर्टियम को थीन स्लैब कास्टर एवं हॉट स्ट्रिप मिल पैकेज दिया गया। लाइम और डोलोमाइट प्लांट पैकेज आर्डर देने के अंतिम चरण में हैं। टर्बो ब्लोअर, पावर तथा ब्लोइंग स्टेशन, मेन रिसिविंग सब स्टेशन इंटर प्लांट पाइपलाइन, परमानेंट वाटर एंड प्लांट पावर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम जैसे महत्वपूर्ण आनुषंगिक पैकेजों के निविदाएं दी गई हैं। अन्य पैकेजों के संबंध में टेंडर देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। आवासीय भवनों तथा वाणिज्यिक भवनों के निर्माण के लिए नागरनार में स्थायी बस्ती बसाने हेतु आर्किटेकचरल कंसलटेंसी के संबंध में एलएसी जारी किया जा चुका है।

एनएमडीसी ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड में फारवर्ड इंटीग्रेशन के जरिए अपना कारोबार बढ़ाने की प्रक्रिया में है। यह कार्य निम्नलिखित की स्थापना के जरिए किया जाएगा- (क) कर्नाटक के दौणिमलै में 1.2 एमटीपीए क्षमता वाला पैलेट प्लांट, (ख) दौणिमलै में 0.36 एमटीपीए क्षमता वाला बीएचजे और बेनिफिशिएशन प्लांट (ग) छत्तीसगढ़ में बचेली और नागरनार के बीच स्लरी पाइपलाइन के परस्पर जुड़े

बचेली में 2 एमटीपीए क्षमता वाले बेनीफिसिएशन प्लांट सहित नागरनार में 2 एमटीपीए क्षमता वाला पैलेट प्लांट।

(ii) **स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी)**

अपनी प्रमोटर कंपनियों के रूप में सेल, आरआईएनएल, सीआईएल, एनटीपीसी और एनएमडीसी ने 20.5.2009 को इंटरनेशलन कोल वेंचर्स लिमिटेड (आईसीवीएल) नामक स्पेशल पर्पज व्हीकल को एक संयुक्त उद्यम के रूप में निगमित किया गया है। आईसीवीएल को 1500 करोड़ रू0 तक की कच्ची सामग्री अधिग्रहित करने और एक नवरत्न कंपनी के रूप में काम करने की शक्तियां प्राप्त हैं परंतु इसे औपचारिक रूप से नवरत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त नहीं होगा। उन कोयला कंपनियों में जिनमें 1500 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश की आवश्यकता है में कोयला परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण अथवा साम्या भागीदारी सचिवों की एक अधिकार सम्पन्न समिति को दी जाएगी जो प्रस्ताव की अनुमोदनार्थ सीधे मंत्रिमंडल को भेजने की सिफारिश करेंगे। आई सी वी एल आस्ट्रेलिया, कनाडा, इंडोनेशिया, मोजोम्बिक और यू एस ए जैसे लक्ष्यित देशों में कोयला सम्पत्ति अधिग्रहित करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है।

(iii) **विलय/अधिग्रहण तथा रणनीतिक समझौते/संयुक्त उद्यम**

इस्पात इकाइयों की प्रचालनात्मक क्षमता में सुधार करने और सीनर्जी प्राप्त करने के लिए कई विलय/अधिग्रहण/नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम हुए हैं। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(क) **विलय/अधिग्रहण**

- स्टील काम्प्लेक्स लिमिटेड, केरल का पुनरूत्थान (सेल और केरल सरकार का ए 50:50 जेवी): स्टील काम्प्लेक्स लिमिटेड के पुनरूत्थान के लिए सेल और केरल सरकार में से प्रत्येक ने प्रवर्तकों की इक्विटी पूंजी के योगदान के साथ स्टील काम्प्लेक्स लिमिटेड में नई 65000 टन प्रति वर्ष रोलिंग मिल की स्थापना हेतु इक्विटी में अपने-अपने योगदान के रूप में 9.72 करोड़ रूपये का योगदान दिया है। स्टील काम्प्लेक्स लिमिटेड का निवल मूल्य सकारात्मक रहा है। 22 जनवरी, 2013 को हुई बीआईएफआर बैठक में यह कहा गया है कि बीआईएफआर स्टील काम्प्लेक्स लिमिटेड को अपनी परिधि से निकालने के लिए आदेश जारी कर सकता है।
- आरआईएनएल ने भी प्रगति और कारोबार विविधीकरण की दिशा में विभिन्न कार्यनीतियां/नए उद्यम शुरू किए हैं जिनका उद्देश्य 10-12 प्रतिशत कारोबार बढ़ाना है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

➢ <u>ट्रांसमिशन लाइन टावर यूनिट:</u> पावर ग्रिड कारपोरेशन के साथ 200,000 के एक यूनिट की स्थापना की जा रही है जो भारत में अपनी तरह का पहला यूनिट है।

- एक्सल प्लांट: यह भारतीय रेलवे को 50 हजार एक्सलों की आपूर्ति करने वाला देश में दूसरा सबसे बड़ा एक्सल यूनिट होगा- कार्य शुरू हो चुका है।
- फोर्ज्ड व्हील प्लांट: उच्च गति वाली रेलगाड़ियों के लिए विशेष ग्रेड के पहियों की आपूर्ति करने हेतु एक विशिष्ट एकक है जिसकी क्षमता प्रति वर्ष 100,000 पहियों का उत्पादन करने की है- भारतीय रेलवे के साथ समझौता-ज्ञापन सम्पन्न हो चुका है।
- स्लरी पाइपलाइन और पैलेट प्लांट: एनएमडीसी के साथ जेवी विशाखापत्तनम से नागरनार तक आयरन ओर स्लरी पाइपलाइन बिछाएगा और विशाखापत्तनम में 4 एमटीपीए पैलेट प्लांट लगाएगा- एनएमडीसी के साथ समझौता ज्ञापन सम्पन्न हो चुका है।
- सीमलैस ट्यूब मिल: 18 इंच व्यास वाले पाइपों के निर्माण के लिए विशाखापत्तनम में सीमलैस ट्यूब की स्थापना जो इस प्रक्रिया में भारत में अपनी किस्म का पहली मिल है।
- एनएमडीसी ने लिगेसी आयरन ओर लिमिटेड, आस्ट्रेलिया में 50 प्रतिशत इक्विटी हासिल कर ली है। कंपनी के निदेशक मंडल में एनएमडीसी का बहुमत है और उसके पास उसका प्रबंधन नियंत्रण है।

(ख) **कार्यनीतिक एलायंस और संयुक्त उद्यम**

- एफसीआईएल के सिंदरी यूनिट के पुनरूत्थान हेतु समझौता-ज्ञापन सम्पन्न किया जाना : एफसीआईएल के सिंदरी यूनिट के पुनरूत्थान हेतु समझौता-ज्ञापन सेल, नेशनल फर्टीलाइजर लिमिटेड (एनएफएल) और फर्टीलाइजर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) के बीच 6 जुलाई, 2012 को सम्पन्न हुआ। बीआईएफआर की सलाह के अनुसार बीआईएफआर से पंजीकरण समाप्त करने तथा भारत सरकार द्वारा ऋण को समाप्त करने के संबंध में एफसीआईएल को आवश्यक कार्रवाई करनी है। देनदारियों का एकमुश्त निपटारा/भुगतान करने के बाद सीसीईए द्वारा अनुमोदित संशोधित स्कीम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सेल बोर्ड ने एकमुश्त निपटारे के आधार पर लम्बित देनदारियों का निपटान करने के लिए 75 करोड़ रूपये तक अंतर कारपोरेट ऋण एफसीआईएल को देने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। इस रकम का वितरण इस शर्त पर किया जाएगा कि भारत सरकार और एफसीआईएल इस बात की गारंटी दे कि इस ऋण की रकम को एफसीआईएल, सिंदरी के स्क्रैप/बेकार परिसंपत्तियों की बिक्री के जरिये प्राप्त रकम से चुकता किया जाएगा।
- सेल-कोबे जेवी: 10 जुलाई, 2012 को एक समझौता-ज्ञापन सम्पन्न किया गया है जिसमें संयुक्त उद्यम करार को अंतिम रूप देने के लिए मुख्य शर्तों का उल्लेख है। यह समझौता-ज्ञापन माननीय उद्योग मंत्री की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। यह सेल-कोबे आयरन इंडिया लिमिटेड नामक नई संयुक्त उद्यम कंपनी 25.5.2012 को निगमित भी हो गई है। आईटीएमके3 प्रौद्योगिकी के लिए कोबे स्टील, जापान के साथ संयुक्त उद्यम एएसपी, दुर्गापुर में 0.5 एमटीपीए आयरन नगेट प्लांट स्थापित करेगा। यह यूनिट लौह अयस्क फाइंस और नॉन कोकिंग कोल से उत्कृष्ट श्रेणी के आयरन नगेटों का उत्पादन करेगा।

- अफगानिस्तान में हाजीगेक आयरन ओर डिपॉजिट का विकास: सेल, एनएमडीसी, आरआईएनएल, जेएसडब्ल्यू लिमिटेड, जेएसपीएल, जेएसडब्ल्यू इस्पात लिमिटेड तथा मोनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड वाले सेल नीत कंसोर्टियम एएफआईएससीओ (अफगान आयरन एंड स्टील कंसोर्टियम), जिसने हाजीगेक आयरन ओर डिपाजिट के विकास के लिए अपनी बिड प्रस्तुत की थी, का उत्कृष्ट श्रेणी वाले मेगनेटाइट आयरन ओर (62-64 प्रतिशत एफई अंतर्वस्तु सहित) के 1.28 बिलियन टन के अनुमानित रिजर्व के साथ खानों के बी, सी और डी ब्लाकों के लिए अधिमानी बीडर के रूप में चयन हुआ है और उसे हाजीगेक माइनिंग संविदा के लिए बातचीत हेतु आमंत्रित किया गया है। यह कंसोर्टियम अफगानिस्तान इस्लामिक गणतंत्र के खान मंत्रालय के साथ संविदा से संबंधित बातचीत कर रहा है जिसके बाद हाजीगेक परियोजना संविदा निष्पादित की जाएगी।
- सेल ने 25 मई, 2012 को पश्चिम बंगाल के पूर्व मिदनापुर जिले के जेलिंगम में बर्न स्टेंडर्ड कंपनी लिमिटेड (बीएससीएल) के परिसर में वैगन कंपोनेंट निर्माण सुविधा की स्थापना हेतु बर्न स्टेंडर्ड कंपनी लिमिटेड (बीएससीएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम करार संपन्न किया। यह प्रति वर्ष 10,000 बोगियों और कोपलरों का निर्माण करेगा। अनुमान है कि इस परियोजना का परिव्यय लगभग 200 करोड़ रूपये होगा। नई संयुक्त उद्यम कंपनी के निगमन की प्रक्रिया चल रही है।
- मंगोलिया में खनन और इस्पात क्षेत्र में कारोबार संबंधी अवसरों की तलाश करने के लिए सेल ने मई, 2012 में मंगोलिया सरकार से खनिज संसाधन और ऊर्जा मंत्रालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन संपन्न किया। मंगोलिया खनिज प्रसंस्करण के विकास/इस्पात निर्माण के लिए अन्य कंपनियों के साथ सेल द्वारा या तो अपनी ओर से अथवा कंसोर्टियम के रूप में निवेश करने के अवसरों का पता लगाने की बात इस समझौता-ज्ञापन में कही गई है।
- लौह अयस्क के स्रोत का पता लगाने के लिए सेल छत्तीसगढ़ की सरकार के छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) के साथ बात करता रहा है। इस संबंध में सेल ने इकलामा आयरन ओर खानों के लिए 2 नवम्बर, 2012 को एक समझौता-ज्ञापन संपन्न किया है। प्राथमिक अनुमानों के अनुसार इसमें लगभग 100 मिलियन टन आयरन ओर के संसाधन हैं। इन दोनों कंपनियों द्वारा उद्यम करार को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
- लौह अयस्क की खनन क्षमता को बढ़ाने के लिए पूर्व तटीय रेलवे की कोटावल्सा-किरणदुल लाइन के 150 किलोमीटर लंबी जगदलपुर-किरणदुल लाइन के दोहरीकरण हेतु एनएमडीसी ने भारतीय रेलवे के साथ एक समझौता-ज्ञापन संपन्न किया है।
- एनएमडीसी ने आरआईएनएल के साथ एक समझौता ज्ञापन संपन्न किया है जिसका उद्देश्य नागरनार से विराट तक स्लरी पाइपलाइन व्यवस्था का विकास करना तथा विजाग में पैलेट प्लांट की स्थापना करना है। यह परियोजना संयुक्त उद्यम परियोजना होगी।

(iv) **सार्वजनिक क्षेत्र/उपक्रमों का पुनरूत्थान/पुनर्गठन**

- हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) के पुनर्गठन का प्रस्ताव विचाराधीन है।

(v) **कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व**

- सेल ने न केवल अपने आस-पास के क्षेत्रों में बल्कि पूरे देश में रह रहे लोगों के जीवनस्तर में सार्थक परिवर्तन लाने की ओर ध्यान दिया है। सेल ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व को निभाने का वचन लिया है और सेल वर्ष 2006-07 से कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व स्कीमों के लिए अपने वितरण योग्य अधिशेष का 2 प्रतिशत निर्धारित करता आ रहा है। कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के लिए वर्ष 2012-13 के लिए कुल 42.00 करोड़ रूपये का बजट आबंटित किया गया है और वित्त वर्ष 2012-13 की प्रथम छमाही के दौरान 18.33 करोड़ रूपये की राशि खर्च की जा चुकी है। आबंटित बजट के अलावा सेल ने आम जनता के लिए उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, टाउनशिप पर वर्ष 2012-13 के दौरान 200 करोड़ रूपये से अधिक राशि खर्च की है।
- सेल की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व से संबंधित गतिविधियों के अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्रों पर जो दिया जाता है: शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, परिवार कल्याण, सफाई व्यवस्था, जल सुविधाएं मुहैया कराना, सड़कों का निर्माण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, उत्तराधिकार संरक्षण, पर्यावरण की देखभाल, ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों का संवर्धन तथा सामाजिक पहलें हैं। स्वास्थ्य/चिकित्सा देखभाल के क्षेत्र में लगभग 1600 चिकित्सा शिविर लगाए गए जिससे 75000 से अधिक लोगों को लाभ मिला। वर्ष 2012-13 (दिसम्बर, 2012 तक) के दौरान इन शिविरों के दौरान लोगों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। उन्हें पैथ लैब की सुविधा मुहैया कराई गई, दवाईयां दी गई और उनका टीकाकरण किया गया। शल्य चिकित्सा वाले मरीजों को संयंत्र अस्पतालों में रेफर किया गया।
- सभी एकीकृत इस्पात संयंत्र वाले स्थानों पर सात विशिष्ट विद्यालय (भिलाई और बोकारों में से प्रत्येक में 2-2) स्थापित किए गए। इन विद्यालयों में निशुल्क शिक्षा, मध्याह्न भोजन, परिवहन, पाठ्यपुस्तकें, लेखन सामग्री, स्कूल बैग और पानी की बोतलें आदि भी निशुल्क दी जाती हैं। इन स्कूलों में 1500 से अधिक छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अक्षय पात्र फांउडेशन के सहयोग से भिलाई में तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों में हर दिन 23000 बच्चों से भी अधिक बच्चों को मध्याह्न भोजन दिया जाता है। भविष्य में 25000 हजार बच्चों को भोजन देने का लक्ष्य है। राउरकेला और बोकारो में इस परियोजना के पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही है।
- सेल ऐसे क्षेत्रों का पता लगाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है जहां लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। सेल के संयंत्रों और यूनिटों के आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के लिए अच्छी आजीविका उपार्जन कर सकें। उन्हें बुनाई, हस्तकला, पशुपालन, चूल्हा बनाने, मछली पालन तथा मुर्गीपालन जैसे व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इन कार्यक्रमों से ग्रामीण स्तर पर बचत और क्रेडिट की प्रवृत्ति, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन, ग्राम अवसंरचना विकास को बढ़ावा मिलता है तथा संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से तथा गहन खेती एवं कौशल विकास के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ती है।
- विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों तथा जरूरतमंद क्षेत्रों में सेल के द्वारा हैंडपंप लगाने, सौर प्रकाश व्यवस्था, सड़कों का निर्माण, पुल बनाने तथा अतिरिक्त क्लास रूम बनाने आदि जैसी बुनियादी

सुविधा विकास संबंधी कार्यकलाप किए गए। सेल ने 79 गांवों को आदर्श इस्पात गांवों के रूप में गोद लिया है। जिसमें से 77 ग्रामों में आवश्यक भौतिक अवसंरचना विकास का कार्य पूरा हो चुका है। शेष दो गांवों में कार्य चल रहा है। इन आदर्श इस्पात गांवों में मूलभूत सुविधाओं के निर्माण, प्रौढ़ शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, आजीविका अर्जन स्कीमों, एसएचजी आदि जैसे क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाता है।

- आरआईएनएल की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत आस-पास के लोगों के सतत विकास और उनकी समावेशी प्रगति पर ध्यान दिया जाता है। डीपीई दिशा-निर्देशों का पालन किया गया है और सीएसआर कार्यकलापों पर दिसम्बर, 2012 तक 9 करोड़ रूपये की राशि व्यय की जा चुकी है। आस-पास के क्षेत्रों के विकास, शिक्षा व्यवस्था, चिकित्सा तथा स्वास्थ्य देखभाल, लोगों की देखभाल, खेल-कूद और सांस्कृतिक आयोजनों आदि जैसे क्षेत्रों में कंपनी ने वर्ष 2012-13 के दौरान विभिन्न पहलें कीं। कुछ प्रमुख कार्यकलाप इस प्रकार हैं:-
- परवाडा गांव, विशाखापत्तनम में 75000 वृक्षों की रूपाई के लिए 'ग्रीन विसाखा' पर्यावरण परियोजना शुरू की गई।
- 'सूर्य' – एसओएस चिल्ड्रन विलेज, भीमुनिपट्टनम में सौर पथ प्रकाश और सभी घरों, पुस्तकालय और कार्यालय में गृह प्रकाश व्यवस्था।
- 'जलधारा' नवाचारी स्कीम के जरिए तीन चरणों में जनजातीय क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति।
- आंतरिक गांवों में लोगों तक पहुंच के लिए अत्याधुनिक मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन 'संजीवन' उपलब्ध करवाना ताकि शुरूआत में ही इस खतरनाक बीमारी का पता लगाया जा सके और तेज़ी से इलाज़ उपलब्ध हो सके।
- चिकित्सा शिविरों, बाल टीकाकरण कार्यक्रमों, एड्स जागरूकता अभियानों, नशारोधी कार्यक्रमों आदि का आयोजन।
- इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, विशाखापत्तनम के लिए सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मदर ब्लड बैंक भवन का निर्माण।
- गरीब और जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम अंगों का वितरण।
- मैसर्स संकर फाउण्डेशन के जरिए गरीबों के लाभ के लिए मुफ्त कैटरेक्ट ऑपरेशन्स का आयोजन।
- उक्कुनागरम और पेडागानत्यादा में विसाखा विमला विद्यालय स्कूलों के जरिए बीपीएल परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा उपलब्ध करवाना।
- स्कूली भवनों का निर्माण और स्कूल के लिए फर्नीचर, खेल का सामान, लाइब्रेरी की पुस्तकों, जूतों, स्कूली बस्तों, प्लेट, गिलास आदि की व्यवस्था।
- युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एलएमवी ड्राइविंग, ऑटोमोबाइल मैकेनिज्म, बिजली संबंधी कार्य, डीटीपी, ड्रेस डिजाइनिंग, एम्ब्राइडरी, ब्यूटिशियन पाठ्यक्रम, अचार और पापड़ बनाने आदि जैसे कौशलों का व्यावसायिक प्रशिक्षण देना।
- ग्राम वासियों को बायोमास कूकिंक स्टोव (धुआं रहित चूल्हों) का वितरण करना।
- 'सक्षम' – महिलाओं में साक्षरता दर में वृद्धि के लिए महिला साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया गया।

- 'संस्कृति'- 4 पुनर्वास कालोनियों में बहु उद्देशीय हालों का निर्माण शुरू किया गया है।
- 'कल्याण'- सामुदायिक कल्याण के लिए आरआईएनएल की एक सीएसआर परियोजना- कानिथि, विशाखापत्तनम के एससी कालोनी निवासियों के लिए समारोह हाल का निर्माण पूरा होने वाला है।

कंपनी द्वारा किए गए और शुरू किए गए सीएसआर कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की स्थिति निम्नानुसार है:-

- बैलाडिला में 23 गांवों का समेकित विकास कार्य चल रहा है।
- वर्ष 2012-13 में स्थानीय आदिवासियों को 58277 बाह्य एवं 5574 आंतरिक मुफ्त इलाज की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई।
- वर्ष 2012-13 के दौरान (दिसंबर तक) जनजातीय क्षेत्रों के 37 गांवों में 24155 जनजातीय ग्रामीणों का उनके घर-घर जाकर उपचार किया गया।
- एनएमडीसी ने बस्तर जिले की कबायली छात्राओं के लाभ के लिए 'बालिका शिक्षा योजना' शुरू की है। प्रथम वर्ष के दौरान 2011-12 में 25 कबायली लड़कियों को अपोलो अस्पताल हैदराबाद में नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए प्रायोजित किया। वर्तमान अकादमिक वर्ष 2012-13 के दौरान 40 लड़कियों के दूसरे बैच को अपोलो अस्पताल, हैदराबाद में जीएनएम एवं बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया गया है।
- 2010 में नागरनार में शुरू किया गया आवासीय पब्लिक स्कूल 386 छात्रों के साथ सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है।
- नागरनार में आईटीआई में हर वर्ष 28 छात्रों के प्रवेश के साथ वैल्डर और मिस्त्री के बारे में शुरू की गई पढ़ाई सफलतापूर्वक जारी है।
- पांच ट्रेडों के साथ आईटीआई, झांसी में हर साल 76 छात्रों के प्रवेश के साथ सफलतापूर्वक अध्ययन जारी है।
- दांतेवाड़ा में 2010 में 126 छात्रों के प्रवेश क्षमता वाला मेकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल स्ट्रीम्स के लिए शुरू किया गया एक पॉलिटेक्निक कॉलेज सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। 3194.80 लाख रूपये के अनुमानित व्यय पर स्थाई भवन का निर्माण जोरों पर है। आगामी 2013-14 वर्ष से 'सिविल इंजी' की नई ट्रेड शुरू करने की योजना है।
- अजा/अजजा छात्रों को प्रेरित करने के लिए 'एनएमडीसी शिक्षा सहयोग योजना' नामक छात्रवृत्ति स्कीम प्रचालन में है और वर्ष 2011-12 के दौरान 6619 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं। 11000 छात्रों तक दायरा बढ़ाने के वास्ते और योजना की भावना बनाए रखने के लिए 40 प्रतिशत अंकों के पात्रता मानदंड को घटाकर 2012-13 के दौरान 'उत्तीर्ण' कर दिया गया है।
- दौणिमलै परियोजना एवं आसपास के क्षेत्र में 8000 ग्रामीण स्कूली बच्चों को दोपहर का भोजन देने का कार्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहा है।
- दांतेवाड़ा ब्लॉक में 84 स्कूलों में शिक्षा सुधार कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। इसके तहत लाभार्थियों की संख्या 4200 है।

- आंध्र प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी में ओंगल एवं गुंटूर में अजा/अजजा की लड़कियों के हॉस्टल का निर्माण प्रगति पर है।
- बेल्लारी में कर्नाटक सरकार की साझेदारी में 190 लाख रूपये की लागत पर अजा/अजजा/अपिव के लिए हॉस्टल का उन्नयन।
- उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में 506.06 लाख रूपये की लागत पर 100 बिस्तरों वाले हॉस्टल का निर्माण कार्य पूरा किया गया।
- गौंडा क्षेत्र उत्तर प्रदेश में जरूरतमंद छात्राओं के बीच वितरण हेतु 60.75 लाख रूपये की लागत पर 3000 सौर लालटेन क्रय की गईं।
- कर्नाटक सरकार की साझेदारी में बेल्लारी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को उनके उन्नयन, विभिन्न आवश्यक/अपेक्षित चिकित्सा उपकरणों से सज्जित करते हुए सुदृढ़ करना।
- एमजीएम आई इंस्टीट्यूट को उसकी अवसंरचना और अन्य सुविधाओं के विस्तार करने तथा एनएमडीसी द्वारा प्रायोजित रोगियों के लिए मुफ्त इलाज के लिए 50.00 लाख रूपये का अंशदान किया गया।
- एनएमडीसी 1300.00 लाख रूपये की लागत पर दांतेवाड़ा में 4 मार्ग लेन वाले गौरव पथ के निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के साथ सहयोग कर रहा है।
- गोण्डा क्षेत्र, उ.प्र. में 178.54 लाख रूपये की दर से 7 सड़कों का निर्माण और गोण्डा क्षेत्र, उ.प्र. में 256.44 लाख रूपये की लागत पर 7 अतिरिक्त सड़कों और एक क्लास रूम का निर्माण (कुल लंबाई- 5050एम)।
- 257 लाख रूपये की लागत पर बस्तर जिले के 67 गांवों में विद्युतीकरण से संबंधित कार्य।
- गोण्डा क्षेत्र, उ.प्र. में 64.20 लाख रूपये की दर से 300 सोलर स्ट्रीट लाइटों की संस्थापना।
- बस्तर जिले के 30 गांवों में 30.00 लाख रूपये की लागत पर 30 सामुदायिक केंद्रों का निर्माण।
- उ0प्र0 में 35.24 लाख रूपये रसूलपुर, बाराबंकी और अकबरपुर, कानपुर देहात में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण।
- बेसहारा, मानसिक विकलांग और वृद्ध लोगों के लिए 'शांति धाम' गृह का 505.00 लाख रूपये की लागत पर निर्माण।
- कुशेश्वर अस्थान, बिहार में 209.75 लाख रूपये की लागत पर 32 कमरों वाले बाढ़ राहत शिविर का निर्माण कार्य पूरा।
- दांतेवाड़ा जिले में 42 आश्रमों में पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाई गई।
- एनएमडीसी ने 78.34 लाख रूपये की लागत पर कर्नाटक के बंगलौर ग्रामीण जिले के 7 गांवों में पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कर्नाटक राज्य सरकार के साथ साझेदारी की है।
- गोण्डा क्षेत्र, उ.प्र. में 90.56 लाख रूपये की लागत पर इंडिया मार्क ॥ 300 हैंडपंपों की स्थापना।
- रायपुर में दो बैंचों में एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रीजरेशन और ऑटोमोबाइल रिपेयर एवं सर्विस में दो रोजगारोन्मुख डिप्लोमा कार्यक्रमों की शुरूआत। प्रथम बैच पूरा हो गया है और सफल उम्मीदवारों को प्लेस कर दिया गया है। दूसरे बैच के लिए प्रशिक्षण प्रगति पर है।
- खुदरा, बीपीओ, हास्पिटेलिटी क्षेत्रों में एक और रोजगारोन्मुख कार्यक्रम यूथ 4 जॉब्स फाउण्डेशन के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है।

- मैसर्स कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसिस की साझेदारी में कांकेर में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र। स्थल नक्शा और अनुमान तैयार करने का काम चल रहा है।

(vi) <u>इस्पात का ग्रामीण वितरण नेटवर्क</u>

- अपने उत्पादों तक पहुँच को व्यापक बनाने के उद्देश्य से, सेल देश के सभी जिलों को कवर करने के लिए अपने डीलर नेटवर्क का व्यापक विस्तार करने की प्रक्रिया में है। 01 जनवरी, 2013 की स्थिति के अनुसार सेल के डीलरशिप नेटवर्क में 2433 डीलर हैं जो 629 जिलों में फैले हुए हैं। इसके अतिरिक्त, सेल ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर ब्लाक/तालुका स्तर पर, में अपने व्यापार का प्रसार करने के उद्देश्य से 2011-12 में प्रारंभ की गई अपनी नई ग्रामीण डीलरशिप स्कीम के अंतर्गत 541 ग्रामीण डीलरों को नियुक्त किया है। ग्रामीण डीलरों की आगे और तैनाती की प्रगति चल रही है। ग्रामीण डीलरशिप योजना का प्रमुख उद्देश्य ब्लाक, तहसील एवं तालुका स्तर पर छोटे ग्रामीण उपभोक्ताओं की इस्पात मांग को पूरा करना है। 1.1.2013 की स्थिति के अनुसार डीलरों की कुल संख्या (ग्रामीण डीलरों सहित) 2974 है।
- सेल की डीलरशिप नीति के और ग्रामीण डीलरशिप अनुसार, डीलरों के लिए आम आदमी के लिए आवश्यक टीएमटी बार्स, जीपी/जीसी शीटों और अन्य वस्तुओं का स्टाक रखना और छोटे/खुदरा उपभोक्ताओं को सेल द्वारा निर्धारित मूल्यों पर उन्हें बेचना अपेक्षित है। विभिन्न जिलों/ब्लॉकों में डीलरों की नियुक्ति से प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर उपभोग स्थलों के निकट व्यापक खपत वाली स्टील की वस्तुएं उपलब्ध करने में मदद मिली है क्योंकि सेल को डीलरों के परिसरों से सेल के नजदीकी गोदाम से ढुलाई की लागत समाप्त हो जाती है। इसके फलस्वरूप, सेल का माल ग्रामीण और दूरवर्ती स्थानों पर उसी मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है जिस मूल्य पर सेल के सबसे नजदीकी गोदाम पर उपलब्ध कराया जाता है।
- सेल की डीलरशिप नीति के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को तरजीह दी जाती है। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के डीलरों को मासिक उठान प्रतिभूति जमा के 500/- रूपए प्रति टन की दर से भुगतान से छूट दी जाती है। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित आवेदको को सेल का डीलर नियुक्त करने में तरजीह दी जा रही है बशर्ते कि वे उनके लिए यथानिर्धारित पात्रता के मानदंड/शर्तें पूरी करते हैं।

- ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात के उपयोग को लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से आरआईएनएल-वीएसपी ने छोटे-छोटे कस्बों में जिला स्तरीय डीलरों और पंचायत स्तरीय स्थानों एवं ब्लाकों में ग्रामीण डीलरों के पंजीकरण की योजना लागू की है। ग्रामीण डीलरों के पंजीकरण की प्रक्रिया सतत और सरल है। ग्रामीण डीलरशिप के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसंख्यक तथा महिला उद्यमियों को वरीयता दी जाती है। दिसम्बर, 2012 के अंत तक आरआईएनएल ने शहरी कस्बों और गांवों में रहने वाले उपभोक्ताओं को इस्पात उत्पादों की सप्लाई के लिए देश के 23 राज्यों तथा संघ राज्य

क्षेत्रों के 234 जिलों में 519 ग्रामीण डीलरों का पंजीकरण किया है। ई-ब्रिकी के संवर्धन के लिए आरआईएनएल ने ई-पोर्टल भी शुरू किया है।

(vii) **<u>ग्रामीण भारत में इस्पात की मांग के आकलन के लिए अध्ययन</u>**

भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता आगामी वर्षों में कई गुणा बढ़ जाएगी। लगभग 200 कि.ग्राम के विश्व औसत की तुलना में भारत की वर्तमान कम प्रतिव्यक्ति 59 कि.ग्राम इस्पात की खपत से यह सुदृढ़ तर्क है कि घरेलू इस्पात उद्योग में काफी संभावना है। इस्पात मंत्रालय की अनुदान मांगों (2007-08) संबंधी कोयला और इस्पात संसदीय स्थाई समिति (पी एस सी) ने अपनी 25वी रिपोर्ट में नोट किया था कि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात उद्योग हेतु अपेक्षित आधारभूत संरचना सृजित करना और इस्पात की प्रतिव्यक्ति खपत में वृद्धि करना आवश्यक है।

संसदीय स्थाई समिति की सिफारिशों के अनुसरण में इस्पात मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की मांग की आकलन करने के लिए संयुक्त संयंत्र समिति के जरिए सर्वेक्षण किया है। संयुक्त संयंत्र समिति ने इस सर्वेक्षण की फाइनल रिपोर्ट जुलाई, 2011 में प्रस्तुत की है। इस सर्वेक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों में फिनिशड इस्पात की औसत प्रति व्यक्ति खपत ग्रामीण भारत में इस्पात की खपत की प्रवृत्तियों और भावी अनुमानों के संबंध में निष्कर्ष दिए गए हैं।

इस सर्वेक्षण में तीन वर्षों अर्थात 2006-07, 2007-08 और 2008-09 के आंकड़ों का विश्लेषण करने के प्रयोजन के लिए आंकड़ों का एकत्रण किया गया और 2011-12, 2016-17 और 2019-20 की अवधियों के लिए ग्रामीण इस्पात मांग का मूल्यांकन किया गया। 2007 से 2009 तक की अवधि के दौरान ग्रामीण भारत में फिनिशड इस्पात की औसत प्रति व्यक्ति खपत 9.78 कि .ग्रा. आंकी गई है जिसके इस्पात उत्पादों के बढ़ते प्रभाव के आधार पर 2020 में बढ़कर लगभग 12 कि.ग्रा. हो जाने का अनुमान है। मुख्य रूप से अधिकांश परिवार स्तर पर निर्माण कार्यों द्वारा और साथ ही व्यावसायिक उपयोग, फर्नीचर और वाहनों जैसी वस्तुओं द्वारा यह वृद्धि बढाई जा सकती है। यह भी आशा है कि घरेलू वस्तुओं की मांग कुछ वर्षों बाद कम हो जाएगी। इसका मुख्य कारण कुछेक वस्तुओं के संबंध में इस्पात की बजाय प्लास्टिक का उपयोग बढ़ रहा है।

इस सर्वेक्षण में ग्रामीण भारत में इस्पात की खपत में वृद्धि करने के लिए भी सिफारिशें की गई हैं, जैसे आवासीय संरचना की किस्म में बदलाव, विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए इस्पात के डिजाइनों का उपयोग, समुदाय संरचनाओं में निवेश, लघु और मध्यम आकार के इस्पात उत्पादों का विनिर्माण, इस्पात के लाभ बताना, इस्पात की कलात्मकता में वृद्धि करना, इस्पात के संभार-तंत्र और आपूर्ति श्रंखला में सुधार करना और इस्पात के गुणवत्ता संबंधी पहलुओं का समाधान करना।

इस्पात मंत्रालय ने सर्वेक्षण में की गई सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए और उस पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है।

(viii) **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास कार्यों को प्रोत्साहन**

इस्पात की खपत को आर्थिक विकास के एक सूचक के तौर पर लिया जाता है। वैश्विवक इस्पात मानचित्र में भारत में बढ़ती हुई इस्पात क्षमता, नई स्टेट ऑफ आर्ट स्टील मिल्स की स्थापना, उद्यमियों द्वारा विश्व स्तर के क्षमता का अधिग्रहण, पुराने संयंत्रों का उन्नयन और सतत आधुनिकीकरण करके एक केन्द्गीय स्थान रखता है। लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) मुख्यतया इस्पात संयंत्रों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किया जाता है। वर्ष में लगभग 200 करोड़ रूपए का लोहा और इस्पात और गौण कंपनियों द्वारा आर एंड डी कार्यों में निवेश किया जाता है जो मुश्किल से इस्पात कंपनियों के सकल कारोबार का 0.15% से 0.25% है, जोकि अंतर्राष्ट्रीय स्टील कंपनियों का लगभग 1/10 है। घरेलू कच्ची सामग्री के उपयोग को बढ़ाने, तकनीकी आर्थिक प्राचलों में सुधार करने, ऊर्जा खपत और सीओ2 उत्सर्जन में कमी करने और नए इस्पात उत्पादन का विकास करने की आवश्यकता है। मंत्रालय के आर एंड डी के प्रोत्साहनवर्धक प्रयासों में प्रमुखतया निम्नलिखित तीन क्षेत्र शामिल होंगे:-

(क) नई प्रौद्योगिकियों, विशेष तौर से जो हमारे घरेलू संसाधनों से संबंधित हैं, को तेजी से अपनाने/अंगीकार करने के लिए पहल करना।
(ख) लौह अयस्क चूर्ण और अकोककर कोयले का उपयोग कर अभिनव/पाथ ब्रेकिंग प्रौद्योगिकियों में घरेलू क्षमता का विकास; और
(ग) इंडक्शन भट्टी रूट, कच्चा माल सज्जीकरण आदि के जरिए उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना

आर एंड डी पर और अधिक बल देने के लिए इस्पात मंत्रालय निम्न दो योजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करके सरकारी और निजी दोनों इस्पात क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को प्रोत्साहित कर रहा है।

(i) **इस्पात विकास निधि (एस डी एफ)**

अधिकार प्राप्त समिति (ई सी) ने 600.00 करोड़ रूपए जिसमें एस डी एफ की राशि 316.00 करोड़. रूपए है, की लागत वाली 73 अनुसंधान परियोजनाओं का अनुमोदन किया है। इनमें से 40 परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं।

(ii) **आर एंड डी के लिए सरकारी बजटीय सहायता (जीबीएस)**

परियोजना अनुमोदन एवं निगरानी समिति (पीएएमसी) ने दिनांक 11.2.2010 और 23.11.2010 को आयोजित अपनी पहली और दूसरी बैठक में 8 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं अनुमोदित की। 8 परियोजनाओं की कुल लागत 123.27 करोड़ रूपये है जिस में से सरकार 87.28 करोड़ रूपए का वित्त

पोषण करेगी। परियोजनाएं प्रगति पर हैं। इस स्कीम के तहत आर एंड डी परियोजनाओं का मुख्य जोर भारत में उपलब्ध स्लाइम और निम्न ग्रेड के कोयला (कोकिंग और नॉन कोकिंग) समेत निम्न ग्रेड के लौह अयस्क का समुपयोजन किए जाने पर है ताकि भारतीय इस्पात उद्योग में दीर्घकालीन विकास हो सके।

(ix) **<u>चुनिंदा इस्पात मदों के संबंध में मेंडेटरी क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर</u>**

इस्पात मंत्रालय ने 16 ऐसे स्टील उत्पादों को अभिज्ञात किया है जिनका उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य/सुरक्षा पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ रहा है और जो 12 मार्च, 2012 को बीआईएस की मेंडेटरी सर्टिफिकेशन मार्क्स स्कीम के अंतर्गत अवसंरचना के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इनमें से 9 मानक/उत्पादों पर आदेश लागू कर दिए गए हैं तथा 5 मानक/उत्पादों में आंशिक रूप से लागू हैं। सभी 16 मानक/उत्पाद 1 अप्रैल, 2013 से पूर्णत: लागू होंगे।

(x) **<u>क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) के अंतर्गत की गई पहल</u>**

सीडीएम सतत चलने वाली तथा पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन में सहायक यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के क्योटो प्रोटाकॉल के तहत की गई फ्लैग्जिबल व्यवस्थाओं में से एक है। केंद्गीय सरकार ने नेशनल सीडीएम अथॉरिटी (एनसीडीएमए) का गठन किया है जो उपयुक्त परियोजनओं को मेजबान देश का अनुमोदन (एचसीए) प्रदान करती है। अब तक 176 परियोजनाओं को एचसीए प्रदान किया गया है। इन परियोजनाओं से ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) में 107 मिलियन टन कार्बनडाईऑक्साइड (सीओ 2) के बराबर कमी होगी जिससे 107 मिलियन टन सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन यूनिट का सृजन होगा। जिसका महत्वपूर्ण विदेशी मुद्गा अर्जित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में व्यापार किया जा सकता है। इस प्रकार कंपनियों के साथ-साथ देश को भी काफी लाभ होगा।

आरआईएनएल ने कई क्लीन डेवलपमेंट मेकेनिज्म परियोजनाएं आरंभ की हैं; परियोजनाओं की प्रगति नीचे दी गई है:

- 2 सीडीएम परियोजनाओं (ब्लास्ट फर्नेस-3 के स्टोवों से वेस्टहीट रिकवरी और बीएफ -3 की टॉप प्रेशर रिकवरी टर्बाइन का प्रयोग करके बिजली का उत्पपादन) का वैधीकरण करने के अंग के रूप में वैब पर विश्वस्तर पर संबंधित पक्षों की टिप्पणियां मांगी गई हैं और नामित परिचालक कंपनी द्वारा स्थल का दौरा पूरा कर लिया गया है।
- राष्ट्रीय सीडीएम अथॉरिटी द्वारा 8 सीडीएम परियोजनाओं को एचसीए दिया गया है। इन 8 परियोजनाओं में से 4 परियोजनाओं के वैधीकरण का कार्य चल रहा है।

- ❖ राष्ट्रीय सीडीएम अथॉरिटी को मेजबान देश द्वारा अनुमोदन (एचसीए) हेतु 9 परियोजनाओं के संबंध में परियोजना डिजाइन प्रस्तुत किए गए हैं।
- ❖ वेस्ट ब्लास्ट फर्नेस गैस का उपयोग करके 120 एमडब्ल्यू बिजली का उत्पादन करने के लिए परियोजना डिजाइन दस्तावेज एचसीए के लिए एनसीडीएमए को प्रस्तुत किए जा चुके हैं। सिंटर मशीन 1 और 2 में सिंटर स्टेट लाइनकूलर से संबंधित 20.6 एमडब्ल्यू (एनईडीओ परियोजना) वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम की स्थापना का कार्य चल रहा है। सभी पैकेजों का आर्डर दे दिया गया है और उपकरण लगाने से संबंधित 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है।

(xi) **वित्तीय उपाय**

घरेलू इस्पात उद्योग को सहायता प्रदान करने के लिए पिछले एक वर्ष के दौरान सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:-

- सभी इस्पात मदों पर 2.5 प्रतिशत का आयात सीमा शुल्क,
- सभी इस्पात मदों पर 10 प्रतिशत का आबकारी शुल्क (सैनवेट)
- पैलेट को छोडकर सभी प्रकार के लौह अयस्क चूरे पर 30 प्रतिशत का निर्यात शुल्क।

(xii) **जेंडर बजटिंग**

महिला सशक्तिकरण हेतु वित्त मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेशानुसार मंत्रालय में एक जेंडर बजट सेल स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य मंत्रालय में जेंडर बजट की अवधारणा को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाना है।

(xiii) भावी योजनाएं/नई व्यावसायिक पहलें

केआईओसीएल ने एक्सपोनेंशियल ग्रोथ के लिए 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के दौरान विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रस्ताव किया है। इन परियोजनाओं का वित्तपोषण या तो कंपनी की रिजर्व निधि से और/अथवा जेवी भागीदारों द्वारा किया जाएगा

- ❖ मंगलौर- कोक ओवन बैटरी प्लांट और डीआईएसपी प्लांट में ब्लास्ट फर्नेस एकक में फारवर्ड और बैकवर्ड इंटीग्रेशन परियोजनाओं की स्थापना;
- ❖ सीपीएसई और राज्य पीएसई के साथ संयुक्त उद्यम के आधार पर बैनीफिसिएशन और पैलेटाइजेशन संयंत्रों की स्थापना;
- ❖ संदूर, बेल्लारी जिला में रासायनिक परीक्षणशाला की स्थापना;
- ❖ ई-वाणिज्य सेवा;
- ❖ सौर ऊर्जा एकक की स्थापना हेतु पहलें;
- ❖ विभिन्न राज्यों में भावी मौजूदा लौह अयस्क खानों का अधिग्रहण।

4. **पर्यावरण प्रबंधन तथा प्रदूषण नियंत्रण**

जिम्मेदार कारपोरेट नागरिक के रूप में सेल संयंत्रों/यूनिटों तथा अपने कार्यस्थल के समुदाय दोनों ही में पर्यावरण संरक्षण के संबंध में निष्ठापूर्वक दायित्व का निर्वाह करता है। सेल देश की पहली ऐसी कंपनी है जिसने वर्ष 1988 में इस्पात निर्माण कार्य को पर्यावरण हितैषी तरीके से करने की मानीटरिंग करने तथा उसका मार्गदर्शन करने हेतु कारपोरेट स्तर पर पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग की स्थापना की है। वर्ष 1996 में संपूर्ण कंपनी में पर्यावरण नीति अपनाने वाली पहली स्टील कंपनी बन गई।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इस कंपनी की ऐसी कुछ उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

- पीएम इमेशन लोड वर्ष 2007-08 में 2.2 किलोग्राम/टीसीएस (टन क्रूड स्टील) था जो कम होकर 2011-12 में 1.01 किलोग्राम/टीसीएस रह गया। इस प्रकार पिछले 5 वर्ष की अवधि में 54 प्रतिशत की कमी हासिल की गई।
- वर्ष 2007-08 में पानी की खपत 4.00 एम3/टीसीएस थी जो कम होकर 2011-12 में 3.86 एम3/टीसीएस रह गई। इस प्रकार पिछले 5 वर्ष की अवधि में 3.5 प्रतिशत की कमी हासिल की गई।
- सेल संयंत्रों से विशिष्ट एफ्लयूंट डिस्चार्ज वर्ष 2007-08 में 2.61 एम3/टीएफएस (टन तैयार स्टील) था जो कम होकर 2.26 एम3/टीएफएस रह गया। इस प्रकार पिछले 5 वर्ष की अवधि में 18 प्रतिशत की कमी हासिल की गई।
- इंटीग्रेटिड स्टील संयंत्रों में सॉलिड वेस्ट के उपयोग पर बराबर जोर देने के परिणामत: पिछले 5 वर्षों में ब्लास्ट फर्नेस स्लैग में 18 प्रतिशत से अधिक और आक्सीजन फर्नेस स्लैग में 18 प्रतिशत का सुधार हुआ।
- कुल सॉलिड वेस्ट का उपयोग वर्ष 2007-08 में 77 प्रतिशत होता था जो बढ़कर 86 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार पिछले 5 वर्षों के दौरान इस संबंध में 9 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई।

सेल ने अपने संयंत्रों, खानों, टाउनशिपों तथा आस पास के क्षेत्रों को हरा भरा बनाने के लिए व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम भी शुरू किया है। सेल ने अपनी स्थापना से अब तक 179 लाख वृक्षों का रोपण किया है। इनमें वर्ष 2011-12 के दौरान रौपे गए 2.81 लाख पौधे भी शामिल हैं।

सेल के संयंत्र को पर्यावरण प्रबंधन सिस्टम (ईएमएस) आईएसओ: 14001 मानक के संदर्भ में प्रमाण-पत्र भी प्राप्त है। हाल ही में सेल ने अपने केन्द्रीय विपणन संगठन के 4 प्रमुख वेयरहाउसों में आईएसओ:14001 के अनुसार ईएमएस का कार्यान्वयन किया है जो उसकी सप्लाई चेन को हरा भरा बनाने की दिशा में एक प्रमुख प्रयास है।

आरआईएनएल-वीएसपी ऐसा पहला भारतीय स्टील संयंत्र है जिसे पर्यावरण के लिए आईएसओ 14001 सिस्टम मानक के लिए प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है। इस कंपनी ने पर्यावरण प्रबंधन से संबंधित कार्यकलापों का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि वीएसपी में और उसके आसपास रह रहे लोगों को उत्सर्जन तथा अपशिष्टों के दुष्प्रभाव से बचाया जाए। पर्यावरण संबंधी जितने भी पैरामीटर हासिल किए गए हैं वे मापदंडों से बेहतर हैं। वेस्ट हीट, वेस्ट गैस, प्रैशर एनर्जी, सॉलिड वेस्ट तथा स्लज के उपयोग पर आधारित कई क्लीन टेक्नोलॉजियां भारत में पहली बार वीएसपी में अपनाई गई हैं।

निकलने वाली धूल को रोकने तथा अवशिष्टों के प्रसंस्करण के लिए प्रदूषण नियंत्रण उपकरण मुहैया कराने हेतु 3 एमटी के प्रारंभिक स्तर में 468 करोड़ रूपये तथा 6.3 एमटी स्तर के लिए 1283 करोड़ रूपये का निवेश किया गया। प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के संचालन और उनके रख-रखाव पर हर वर्ष 150 करोड़ रूपये का व्यय किया जाता है।

आरआईएनएल-वीएसपी ऐसा पहला संयंत्र है जिसका लक्ष्य 0 डिस्चार्ज करना है और इस संबंध में विभिन्न परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं। 350 एमएम व्यास वाली मेरीन डिस्चार्ज पाइपलाइन बिछाने की परियोजना सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई जिसके जरिए मुख्य डिस्चार्ज पाइपलाइन के माध्यम से डिस्चार्ज को समुद्र में बहा दिया जाता है। इस प्रकार समुद्री जीव-जंतुओं पर पड़ने वाला प्रभाव न्यूनतम हो गया है।

इस समय यह संयंत्र लगभग 4.80 मिलियन टन हरे भरे वृक्षों के बीच स्थित है और एक टन स्टील पर एक वृक्ष लगाने के लक्ष्य का अनुसरण करते हुए वर्ष 2014 तक इन वृक्षों की संख्या 6 मिलियन कर दी जाएगी।

<u>पर्यावरण प्रबंधन संबंधी उपलब्धियां</u>

- विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र (सीएसई) ने पर्यावरण के संबंध में कंपनी द्वारा किए गए कार्यों को देखते हुए उसे '3 लीव्स रेटिंग' नामक पुरस्कार दिया (जो भारत में एकीकृत स्टील संयंत्रों में से पहला है)।
- भारत में पहली बार आरओ संयंत्र लगाकर 'एपीकोंडा वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट' को शुरू करना- जिससे पानी की बरबादी बिल्कुल समाप्त हो जाती है (इस प्रकार लगभग 1.5 – 2.0 एमजीडी पानी की बचत हुई है)।
- दिसम्बर, 2012 तक 108 प्रतिशत बीएफ स्लैग उपयोग का लक्ष्य हासिल कर लिया गया एवं समग्र सॉलिड वेस्ट उपयोग 87.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान वर्ष के दौरान 95.9 प्रतिशत हो गया।
- बीएफ-1 और सिंटर प्लांट-1 में स्लैग इमीशन कंस्ट्रेशन को 115 एमजी/एनएम3 से कम करके 50एमजी/एनएम3 के नीचे लाने के उद्देश्य से इस वर्ष के दौरान 4 पर्यावरण परियोजनाएं शुरू की गई हैं।
- ई-वेस्ट के निपटान के लिए 'ई-वेस्ट नियम, 2011' का कार्यान्वयन। वर्ष के दौरान लगभग 25.38 टन ई-वेस्ट का निपटान किया गया।
- पर्यावरण परियोजनाओं के अंग के रूप में सीओबी-4 के 14 एमडब्ल्यू पावर प्लांट को अप्रैल 2012 में चालू किया गया तथा और यह अपनी शत-प्रतिशत क्षमता पर कार्य कर रहा है।
- 120 एमडब्ल्यू पावर प्लांट के लिए कार्य शुरू हो गया जो भारत में अपनी तरह का अद्वितीय प्लांट है और यह बिजली के उत्पादन के लिए 100 प्रतिशत ब्लास्ट फर्नेस गैस का उपयोग करता है। यह पर्यावरण हितैषी तो है ही साथ ही प्रदूषण मुक्त भी है।

5. **<u>सुरक्षा उपाय</u>**

पहचान किए गए क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सेल संयंत्रों और यूनिटों द्वारा उठाए गए कुछ ठोस कदम इस प्रकार हैं:

- सुरक्षा प्रचालन प्रक्रिया और रखरखाव प्रक्रियाओं को अद्यतन बनाना।
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सुरक्षा अभियानों के जरिए सुरक्षा संबंधी जागरूकता को बढ़ाना।
- जांच सूची के अनुसार साविधिक निरीक्षण करना और नए क्षेत्रों/प्रौद्योगिकियों के लिए जांच सूची तैयार करना।
- यह सुनिश्चित करना कि सभी संबंधित कार्मिक तथा ठेकेदार के कर्मचारी विशिष्ट गुणवत्ता वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हैं।
- सुरक्षा प्रोतोकोलों को मानक बनाना और बहु एजेंसियों वाले महत्वपूर्ण कार्य के लिए वर्कपरमिट/प्रोतोकोल व्यवस्था का अनुपालन।
- योजना के अनुसार मॉक ड्रिल का आयोजन करना।
- निवारक कार्रवाई के रूप में भूमिगत सेलरों और केबल गैलरियों सहित दुर्घटना के संभावना वाले सभी क्षेत्रों का निरीक्षण करना।
- सुरक्षा प्रबंधन को बेहतर बनाने पर जोर (ओएचएसएएस-18001 का कार्यान्वयन, सुरक्षा आडिट, सुरक्षा प्रशिक्षण आदि)
- सभी गंभीर दुर्घटनाओं के मूल कारणों का पता लगाने के लिए उनकी जांच करना/मौके पर जाकर अध्ययन करना तथा इस संबंध में रिपोर्ट तैयार करना।

6. आंकड़ों के संग्रहण और जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए संस्थागत ढ़ांचा

इस्पात उद्योग के नियंत्रणमुक्त होने से आंकड़ों का संग्रहण विशेष रूप से क्षमता और उत्पादन से संबंधित सूचना संग्रहित करना अब काफी जटिल हो गया है। सभी शेयरधारकों, नीति निर्माताओं, फर्मों, वित्तीय संस्थानों और उपभोक्ताओं द्वारा संसूचित निर्णय लेने की सुविधा हेतु एक विश्वसनीय और प्रभावी आंकड़ा आधार तैयार करने को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कानूनी प्रावधान/संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है। विद्यमान संस्था नामत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) इस कार्य को कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, विद्यमान संस्थाओं नामत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू), इंस्टिट्यूट फॉर स्टील डवलपमेंट एंड ग्रोथ (आईएनएसडीएजी), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सैकेण्ड्री स्टील टैक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी) तथा बीजू पटनायक नेशनल स्टील इंस्टिट्यूट (बीपीएनएसआई) को सार्वभौमिकीकरण की बदली हुई वास्तविकताओं के अनुरूप रिओरियेंटिड करने की आवश्यकता है।

7. नीतिगत पहलों से निष्कर्ष बजट की संगतता

अवधारणा पर बल देने सहित निष्कर्ष बजट की अवधारणा, रूपांकन, निष्कर्षोन्मुखी योजनाओं/कार्यक्रमों का कार्यक्रम और सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम तैयार करने की अपेक्षा, क्षमताओं का मूल्यांकन तथा प्रभावी सुपुर्दगी प्रणाली से वास्तविक परिसम्पत्तियों और जनशक्ति के बेहतर उपयोग की संभावना है। परियोजना प्रबंधन और कार्यान्वयन में सुधार होने, तथा प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने की आशा है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाओं/कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन से भारतीय इस्पात उद्योग के न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने अपितु दक्षता और उत्पादकता के अन्तर्राष्ट्रीय बेन्चमार्को जो राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 में परिकल्पित उद्देश्य एवं लक्ष्य हैं, में भी योगदान देगी।

अध्याय IV

पिछले निष्पादन की समीक्षा - निष्कर्ष बजट 2013-14

इस्पात मंत्रालय ने निष्कर्ष बजट, 2012-13 में 51 योजना स्कीमों/कार्यक्रमों के संबंध में सूचना दी है। 11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित शामिल किया गया है। वर्ष 2009-10 से क्रियान्वयन हेतु इस योजना को कार्यान्वयन के लिए औपचारिक रूप से दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदित किया गया था। 200 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ इस योजना को 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) में जारी रखा गया है। दिसंबर, 2012 तक आठ (8) आर एंड डी परियोजना प्रस्तावों का अनुमोदन कर दिया गया है।

लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान क्रियाकलापों के लिए वर्ष 2012-13 के दौरान प्रति योजना 1.00 करोड़ रूपये के सांकेतिक प्रावधान के साथ दो नई स्कीमें उदाहरणत: निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं लौह चूरे के बेनिफिकेशन तथा एग्लोमिरेशन के संवर्धन संबंधी स्कीम और गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता में सुधार संबंधी स्कीम शामिल की गई। तथापि, 12वीं योजना (2012-17) में इस्पात मंत्रालय को समग्र रूप से न्यूनतम आवंटन के कारण स्कीम को रद्द कर दिया गया।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। योजना के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत योजनाएं उनकी वार्षिक योजना अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनाएं हैं। अधिकांश योजनाएं कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी योजनाओं को शामिल करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत योजनाओं को ही शामिल किया जाए। इस मानदंड के आधार पर पीएसयूज 48 योजनागत योजनाओं (सेल की 13 योजनाओं, आरआईएनएल की 21, केआईओसीएल की 7, एनएमडीसी की 4, मॉयल की 2 और इस्पात मंत्रालय की 1 योजनाओं) को निष्कर्ष बजट 2012-13 में शामिल किया गया था। 50.00 करोड़ रूपए से अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली इन 48 योजनाओं के संबंध में निष्कर्ष बजट, 2012-13 में दर्शाए गए प्रक्षेपित निष्कर्षों की तुलना में संयंत्र-वार वास्तविक उपलब्धियां (31 दिसंबर, 2012 तक) निम्नलिखित तालिका में दी गई हैं। इस्पात मंत्रालय की 3 योजनागत स्कीमों के तहत उपलब्धियां तालिका में दी गई हैं। यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश प्रमुख योजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं अत: इन योजनाओं की उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन योजनाओं के पूरा किए जाने के बाद ही संभव है।

निष्कर्ष बजट 2012-13 में अनुमानित प्रक्षेपित उत्पादन की तुलना में वास्तविक उपलब्धियाँ

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं											
1.	स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)											
(क)	भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)											
(i)	ऑक्सीजन संयंत्र-॥ में 700 टीपीडी एयर सेपरेशन यूनिट (एएसयू)	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की मांग में हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र-॥ में नया एएसयू स्थापित किया जा रहा है।	258.18	30.00	9.00	700 टन ऑक्सीजन प्रतिदिन	जुलाई 09	मई '12 (पूर्ण)	10.31	200.23	--	पूर्ण
(ii)	बीएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकियों के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना। भारतीय रेलवे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाईयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन तथा विस्तार को बढ़ाकर सेमिज को घटाना, उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदत्तता के लिए उत्पाद मिश्र में मूल्यवर्धन करना।	18847.00	4465.00	37.00	तप्त धातु की क्षमता 4.82 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	मार्च'13	सितम्बर'13	2173.63	7353.31	--	समय सीमा को आगे बढ़ाने के मुख्य कारणों में जन शक्ति की अपर्याप्त तैनाती, तकनीकी रूप से सक्षम/कुशल जन शक्ति का अभाव और ठेकेदारों द्वारा आधुनिक एवं बड़े उपस्करों को नही लगाना शामिल है। इसके अलावा बीओएफ, सीसीपी और यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) के स्ट्रकचरल पैकेजों की मात्रा में बढोत्तरी के कारण इनके क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। अयस्क हैंडलिंग (ओएचपी भाग-क), कोल हैंडलिंग प्लांट और बीओएफ, सीसीपी तथा मिल्स के लिए क्रेनों की आपूर्ति में मैसर्स एचईसी द्वारा धीमी प्रगति पर कार्य किया गया है, बीओएफ तथा सीसीपी और यूआरएम के सिविल कार्य हेतु मैसर्स एचएससीएल तथा ओएचपी भाग-ख और फयूल फलक्स प्लांट में मैसर्स ईपीआई द्वारा धीमी प्रगति पर कार्य किया गया है। एचएससीएल के कमजोर निष्पादन के कारण जोखिम खरीद नोटिस (आरपीएन) जारी किया है और शेष कार्य के लिए वैकल्पिक एजेंसी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ठेकेदारों के निष्पादन की सेल तथा एमओएस के स्तर पर आवधिक रूप से समीक्षा की जा रही है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ख)	दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)											
(i)	दुर्गापुर स्टील प्लांट का विस्तार	ऊर्जा गहन इकाईयों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	3164.00	1100.00	805.00	तप्त धातु की क्षमता 2.09 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.45 एमटीपीए करना	दिसम्बर2012	दिसम्बर 2012	531.56	1282.41	--	ब्लूम-कम-राउंड कास्टर के मामले में सिविल ठेकेदार मैसर्स जैन इन्फ्रा के कमजोर निष्पादन के कारण कार्य प्रभावित हुआ। पार्टी के विरुद्ध जोखिम खरीद नोटिस जारी किया गया। आरपीएन के विरुद्ध मध्यम स्ट्रकचरल मिल के लिए मैसर्स ब्रिज एण्ड रूफ को नये ऑर्डर दिए गए, सिविल कार्य की प्रगति धीमी रही क्योंकि पाइलिंग के कार्य के क्षेत्र में लगभग 180% की वृद्धि हो गई थी क्योंकि मेकॉन ने पूर्व में बिल्डिंग के स्ट्रकचर के लिए पाइल्स पर विचार किया था और पाइलों के लिए मशीन फाउंडेशन अपेक्षित था जिस पर विचार नहीं किया गया था। इससे भी स्ट्रकचरल के उत्थापन कार्य पर प्रभाव पड़ा। इसके अलावा सिविल कार्यों के मामलों में मैसर्स जैन इन्फ्रा के कमजोर निष्पादन के कारण पार्टी को आरपीएन जारी किया गया और वैकल्पिक एजेंसी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा उपस्कर उत्थापन के लिए मैसर्स एचईसी द्वारा क्रेनों की आपूर्ति की जानी है जिसमें विलम्ब हुआ है।.

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ख)	**राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी)**											
(i)	ब्लास्ट फर्नेस (बीएफ) - 4 में कोल डस्ट इंजेकशन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71	5.00	5.00	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।	अक्टूबर, 08	मई, 13	0.99	56.80	--	मैसर्स सीनो स्टील चीन द्वारा डिजाइन इंजीनियर, सिविल और स्ट्रकचरल कार्य तथा उपस्कर की आपूर्ति में विलम्ब। सीनो स्टील और उप एजेंसियों के बीच वाणिज्यिक विवादों से कार्य प्रभावित हुआ। ठेकदारों को जोखित खरीद नोटिस जारी किया गया तथा शेष कार्य को अब सीनो स्टील की ओर से आरएसपी द्वारा आर्डर देने के जरिए पूरा किया जा रहा है।
(ii)	आरएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु और क्रूड स्टील के उत्पादन में वृद्धि करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, अधिक मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन करना और ऊर्जा खपत तथा पर्यावरण में सुधार करना तथा उत्पादन की लागत में कमी लाना।	12922.00	3200.00	3050.00	तप्त धातु की क्षमता 2.12 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना	मार्च'13	जून'13	1609.21	8450.87	अयस्क बिडिंग तथा ब्लेंडिंग प्लांट और नये सिंटर प्लांट को पूरा किया जा चुका है। नई सीओबी के लिए बैटरी हिटिंग प्रारम्भ की गई और इसे 10.1.13 को फायरिंग के अधीन कर दिया गया है। पावर और ब्लोइंग स्टेशन में तीन बॉयलर्स को प्रज्जवलित किया जा चुका है। ब्लास्ट फर्नस संख्या 5 के लिए मुख्य उपस्करण का उत्थापन पूरा हो चुका है। सभी स्टोवस् की प्रेशर टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और जनवरी 2013 में चिमनी को प्रज्जवलित किया गया। .	--

(करोड़ रूपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	बजट अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ग)	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसपी)**											
(i)	नए टर्बो ब्लोवर न. 8 की स्थापना	बीएफ-2 की कोल्ड ब्लास्ट (सीबी) की बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करना।	125.92	12.00	15.00	सी बी में 4000 एनएम3/मिनट का ब्लोवर डिस्चार्ज वोल्यूम और ब्लोवर एंड में 3.9 किग्रा/सीएम3 का डिस्चार्ज प्रैशर।.	अगस्त'09	जनवरी'12 (पूर्ण)	4.46	87.57	--	पूर्ण
(ii)	सीओबी-1 व 2 का पुनर्निर्माण।	कोक के उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	500.90	55.00	30.00	उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	Apr'10	फरवरी'12 (पूर्ण)	26.64	392.30	--	पूर्ण सीओबी- 1: जून'11 सीओबी:-2 फरवरी'12
(iii)	बीएसएल का विस्तार	अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी की स्थापना के जरिए तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना।	6951.00	1540.00	1400.00	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.7 एमटीपीए से 5.77 बढ़ाना।	Dec'11	जून'13 (नई सीआरएम)	564.67	3189.32	एसिड रि-जनरेशन प्लांट और कॉइल पैकिंग लाइन पूरी हो चुकी हैं। बीएफ-3 के कास्ट हाउस संख्या 6 के कास्ट हाउस स्लैग ग्रेनुलेशन प्लांट की कमीशिनंग अक्टूबर, 2012 में हो चुकी है।	नई कोल्ड रोलिंग मिल के स्थल कार्यों को प्रभावित करने वाले कार्यों में शामिल हैं – स्ट्रकचरल ठेकेदारों द्वारा अनुचित संसाधन इकटठा करना जिसके कारण उपस्कर उत्थापन के लिए फ्रंटस् को सौंपने में विलम्ब हुआ, पिकलिंग लाइन और टेंडम कोल्ड मिल के कार्य में प्रधान तथा उत्थापन ठेकेदारों के बीच समन्वय संबंधी समस्यायें। स्टील मेल्टिंग शॉप-2 के मामले में वर्तमान रेलवे ट्रैकों की रि-रूटींग तथा डायवर्जन और पाइपलाइनों तथा प्रचलनात्मक आवश्यकताओं के कारण बंद करने की अन-उपलब्धता ने स्थल कार्य को प्रभावित किया है।

(*करोड़ रूपये*))

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(घ)	**इस्को स्टील प्लांट**											
(i)	आईएसपी का विस्तार	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाएं स्थापित करना।	17960.59	2550.00	1700.00	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात.	दिसम्बर'10	जनवरी'13 (2 कंवर्टर)	914.47	14002.26	रॉ-मैटिरियल हैंडलिंग प्लांट, सिंटर प्लांट और ब्लास्ट फर्नस का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। बैटरी की हिटिंग शुरू हो चुकी है और दिनांक 5.12.12. से यह फायरिंग के अधीन है। जोराबूरी मुद्दे के समाधान के पश्चात कोक डिस्पेच सिस्टम की कमीशिनंग सितम्बर 2012 में हो चुकी है1 दिसम्बर, 2012 में सिंटर मशीन का हॉट ट्रायल प्रारम्भ हो चुका है।	बीओएफ/सीसीपी क्षेत्र में कठिन और अप्रत्याशित मृदा परिस्थितियों के कारण सिविल तथा स्ट्रकचरल कार्य में अत्यधिक बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अलावा बीओएफ, सीसीपी और मिल्स के क्षेत्र में भूमिगत बोल्डर्स और हिलोक्स को हटाने में अतिरिक्त समय लगा। साथ ही साथ संबंधित ठेकेदारों द्वारा उपस्कर की आपूर्ति, उत्थापन और स्ट्रकचरल कार्य के धीमें क्रियान्वयन एवं जोराबूरी क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा कार्य में व्यवधान के कारण प्रगति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।
(ड.)	रॉ मैटेरियल डिविजन (आरएमडी)											
(i)	बोलानी आयरन ओर माइन की लोडिंग क्षमता में वृद्धि करना	लोडिंग क्षमता बढ़ाने के लिए और रेलवे लाइन में संशोधन करने के लिए, तथा फुल रैक लोडिंग के लिए ओवरहैड इलेक्ट्रिकल वर्क तथा सिग्नलिंग तथा दूरसंचार।	124.88	22.00	31.00	--	दिसम्बर'09	मार्च'13	4.71	97.10	जुलाई 2012 में एक लाईन पूरी हो चुकी है। स्टैकर की कमीशिनंग हो चुकी है।	मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड द्वारा कार्य की धीमी प्रगति, रेलवे द्वारा संशोधित आरेखन में विलम्ब और स्थानीय व्यक्तियों द्वारा भूमि के अतिक्रमण से स्थल की प्रगति प्रभावित हुई। मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड से संबंधित परियोजना कार्य जो अतिक्रमण से संबंधित है जून 2011 में क्लियर हो चुका है।

(करोड़ रूपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	मेघाहाताबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	125.78	30.00	43.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	जून'12	जून'13	31.46	51.40	--	मुख्य पैकेज में पार्टी के कमजोर निष्पादन और लोडिंग सिस्टम के उन्नयन के क्रियान्वयन में विलम्ब सहित मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड द्वारा ड्राइंग की प्रस्तुति में विलम्ब से कार्य पूरा करने की अवधि प्रभावित हुई है। प्रगति में गति लोने के लिए आरएमडी और कॉरपोरेट स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं।
(iii)	किरीबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	106.54	40.00	27.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.25 एमटीपीए से 5.50 एमटीपीए करना	सितम्बर'12	जून'13	16.76	38.35	जुलाई 2012 में क्लासीफायर्स के एक सैट की कमीशिनंग हो चुकी है । एक लाईन में कन्वेयर्स तथा स्क्रीनस् में कार्य सितम्बर, 2012 में पूरा हो चुका है।	मैसर्स बंगाल टूल्स द्वारा मुख्य कन्वेयर पैकेज में डिजाइन इंजीनियरिंग में प्राथमिक विलम्ब हुआ था और सामग्री की कम आपूर्ति हुई। पार्टी कार्य में तेजी लाने के अनुवर्ती कार्यवाही कर रही है। संयंत्र तथा कॉरपोरेट स्तर पर पार्टी के साथ प्रगति की समीक्षा की जा रही है
(iv)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	275.28	60.00	45.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	नवम्बर 13	मार्च'14	7.73	12.02	--	विभिन्न पैकजों के एकीकरण तथा परियोजना की एकीकृत कमीशिनंग के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी।

(*करोड़ रूपये*)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड. (आरआईएनएल)**											
(i)	कोक ओवन बैटरी संख्या 4, चरण-I	कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए अन्य तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत के दौरान भी तप्त धातु व द्गव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।	380.46	7.00	2.00	0.75 एमटी कोक का उत्पादन करना	बैटरी-4की कमिशिनंग हो चुकी है।	बैटरी-4की कमिशिनंग हो चुकी है और प्रचालन के अधीन है।	1.76	371.32	बैटरी-4की कमिशिनंग हो चुकी है और प्रचालन के अधीन है।	--
(ii)	एयर सेपरेशन प्लांट (एएसयू-4)	कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑर्गेन की कमी होने पर अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना । उत्पादित ऑक्सीजन बीएफ में प्रयुक्त की जाती है ।	170.00	35.00	26.00	एसएमएस में द्गव इस्पात और बीएफ में तप्तधातु का उत्पादन बढाने में सहायता करना ।	एएसयू-4 की कमिशिनंग हो चुकी है।	एएसयू-4 की कमिशिनंग हो चुकी है।	19.44	145.31	जून, 2011 में इकाई की कमीशिनंग की गई और यह क्षमता उपयोग के 100% के स्तर तक पहुंच गई।	संविदात्मक बढ़ोत्तरियों को छोड़कर 170 .करोड़ रूपये की अनुमोदित लागत के संबंध में अत्यधिक लागत की प्रत्याशा नहीं थी। लंबित भुगतान निष्पादन परीक्षणों से संबंधित हैं।
(iii)	लौह अयस्क खान तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	600.00	30.00	1.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और खानों के अधिग्रहण के लिए परिव्यय शामिल हैं।	जारी	जारी	--	0.29	हाजीगाक (अफगानिस्तान) लौह अयस्क खानें - वरीय बोली के रूप में चयन किया गया। संविदा वार्तालाप प्रगति पर है। - भारत में 29 आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए हैं।	लौह अयस्क खानों के आबंटन के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है तथा विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहित करने की सभांवनाओं का पता लगाया जा रहा है। कोल ब्लॉक के लिए आरआईएनएल का अनुरोध एमओसी के पास लम्बित है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	कोक ओवन बैटरी (सीओबी) सं0 4- चरण-II	स्वंतत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 का प्रचालन करना। गैस का पूरा उपयोग तथा अतिरिक्त उपोत्पाद सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उपोत्पाद के बेहतर औचित्यकरण में वृद्धि और कोयल संभाल में शेष सुविधाएं।	355.30	65.00	50.00	स्वंतत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 का प्रचालन करना। उपोत्पाद की रिकवरी में वद्धि	कोल हैंडलिंग साइड : बीओडी अनुमोदन के अनुसार दिसम्बर, 2008 तक कमीशिनंग की जानी है।	जून '13	46.26	210.53	कोल हैंडलिंग साइड पावर प्लांट : इकाई की कमीशिनंग हो चुकी है। कोल हैंडलिंग प्लांट : क्रशर्स और क्रशर बिल्डिंग में वेंटीलेशन सिस्टम के लिए जल की पाइपलाइनों का अंत:संबंध पूरा हो चुका है। कन्वेयर्स का बेल्ट डालने के कार्य की कमीशिनंग हो चुकी है। पूशिंग एमीश्न कंट्रोल सिस्टम : इलेक्ट्रिकल कंट्रोल रूम वेंटीलेशन सिस्टम डक्टिंग पूरा हो चुका है और फाल्स सिलिंग वकर्स पूरा हो चुका है। इलेक्ट्रिकल कार्य चल रहा है। कोल हैंडलिंग प्लांट के परीक्षण का कार्य मार्च 2013 से शुरू हो जाएगा और यह जून, 2013 तक पूरा हो जाएगा। बायो प्रोडक्ट साईड : गैस कन्डेंसेशन प्लांट, मैकेनिकल डिकेंटर, सेटुरेटर्स और अमोनिया सल्फेट संयंत्र के कॉलम के उत्थापन का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य पैकेजों में से बैंजोल रिकवरी प्लांट के आर्डर मैसर्स मेकॉन को दिए गए जो प्रगति पर हैं। सीएमडी स्तर पर आयोजित समीक्षा बैठकों सहित आरआईएनएल द्वारा विस्तारित सभी सहायताओं के बावजूद मेकॉन ने पैकेज में पांच से छह माह की देरी की है। शेष कार्यों का मुख्य भाग लगभग 10 प्रतिशत है जो स्थल पर आपूर्तियों और इलेक्ट्रिकल तथा इंस्ट्रूमेंटेशन कार्यों से संबंधित है। मेकॉन को शेष उत्थापन गतिविधियों उदाहरणत: पाइपिंग, इलेक्ट्रिकल और इंस्ट्रूमेंटेशन कार्यों में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त संसाधनों और जन शक्ति लगानी है। अब मेकॉन मार्च, 2013 तक सभी उपस्करों और पाइपिंग कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और परीक्षण अप्रैल, 2013 में शुरू होने हैं।	**टाइम ऑवर रन** : निम्नलिखित के कारण मूल समयावधि में विलम्ब हुआ है : - बोलीदाताओं से कमजोर प्रतिक्रिया के कारण परामर्शदाता को अंतिम रूप देने में विलम्ब। - इंजीनियरिंग कार्यों में विलम्ब। - परामर्शदाता द्वारा सिविल और स्ट्रकचरल ड्राइंगस् को जारी करने में विलम्ब। - उपस्करों की आपूर्ति में विलम्ब। - कोल हैंडलिंग प्लांट में सिविल तथा स्ट्रकचरल एजेंसियों द्वारा धीमी प्रगति। - खुदाई में कठोर चट्टानों का सामना करना। - मेकॉन द्वारा विलम्ब। **कास्ट ओवर रन** : संविदात्मक बढ़ोत्तरियों को छोड़कर दिए गए आर्डरों की लागत के संबंध में कोई अतिरिक्त लागत की प्रत्याशा नहीं है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(v)	द्गव इस्पात का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार।	संयंत्र की क्षमता में वृद्धि।	8692.00	800.00	710.00	द्गव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए क्षमता करना ।	28-10-2005 / फरवरी '11 से चरणों में 36/48 माह	चरण-I के लिए - कुछ इकाइयों की कमिश्निंग पहले ही हो चुकी है डब्ल्यू आर एम - 2- फरवरी/मार्च, 2013 चरण--II –मार्च 2013	476.91	9959.11	**चरण-I** : प्रमुख इकाइयों की कमिश्निंग पहले ही हो चुकी है जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है:**बी एफ -3** : इकाई की कमिश्निंग हो चुकी है तथा यह प्रचालित है और स्थिरीकरण के अधीन है। एसएमएस-2 : नई पीआरएस की स्थापना के लिए कार्य तीव्र प्रगति पर है। प्रथम स्ट्रीम को पूरा करने के लिए 7 माह और दूसरी स्ट्रीम को पूरा करने लिए 10 माह की अवधि के साथ दिनांक 10.10.2013 को नई ऑक्सीजन पीआरएस प्रणाली के लिए मैसर्स बीओसीआई को ऑर्डर दिए जा चुके हैं। प्रमुख आयातित आपूर्तियों नामत: प्रेशर कंट्रोल वाल्व तथा क्यूक शटल वाल्व के लिए मैसर्स बीओसीआई द्वारा पहले ही यूके और आस्ट्रेलिया के आपूर्तिकर्ताओं को आर्डर दिए जा चुके हैं। सीसीएम – 1 और 2 की कमिश्निंग हो चुकी है। सीसीएम-3 मैकेनिकल उत्थापन और अलाइंगमेंट कार्यों का एक बड़ा भाग पूरा हो चुका है। सुविधाओं के लिए परीक्षण और फ्लैशिंग क्रियाकलाप प्रगति पर हैं। सीसीएम-3 फरवरी, 2013 तक कमिश्निंग के लिए तैयार हो जाएगी ।**डब्ल्यूआरएम-2** - 70 एमएम राउंडस की रोलिंग के लिए रॉफिंग स्टैंडस् तक स्टेज-1 की कमिश्निंग हो चुकी है। सम्पूर्ण मिल की कमिश्निंग फरवरी/मार्च, 2013 तक पूरी होने की संभावना है। **चरण-।। -** विस्तार के दूसरे चरण में स्पेशल बार मिल और स्ट्रकचरल मिल की स्थापना करना शामिल है। प्रमुख सिविल और स्ट्रकचरल कार्य पूरे हो चुके हैं। अनुसंगी इकाइयॉ नामत: जल प्रणाली, विद्युत प्रणाली आदि की कमिश्निंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जा रही है। सम्पूर्ण प्रणाली के उत्थापन को पूरा करने की योजना है और वर्ष 2013-14 की प्रथम तिमाही तक उत्रोत्तर रूप से कमिश्निंग शुरू हो जाएगी।	जहॉ तक अधिक लागत का संबंध है तो 12293 करोड़ की अनुमोदित लागत के मामले में अधिक लागत बढ़ने की संभावना नहीं है। कार्य की मात्रा में बढ़ोत्तरी के कारण 11 प्रतिशत बढ़ोत्तरी को छोड़कर लागत में बढ़ोत्तरी के मुख्य कारण हैं – प्रोजेक्ट साइकल जैसे विनिमय दर, कर, डब्ल्यूपीआई सूचकांक में परिवर्तन आदि के दौरान सांविधिक उतार-चढ़ाव। ऑर्डरों के मूल्य के संबंध में बढ़ोत्तरी के कारण लागत में वृद्धि के कम होने की संभावना है क्योंकि श्रम, सीमेंट, स्टील आदि में बढ़ोत्तरी को छोड़कर अधिकांश ठेके निश्चित कीमत के आधार पर हैं। तथापि, वास्तविक बढ़ोत्तरी का पता परियोजना के पूरा होने पर चलेगा। **टाइम ओवर रन :** जहॉ तक अधिक समय लगने का मामला है यद्यपि संविदात्मक शैड्यूल्स के संबंध में कुछ विलम्ब हुआ है, अनुशंगी पैकेजों के मध्यस्थ विलम्ब के निवल प्रभाव शून्य रहने की संभावना है क्योंकि ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप, मिल्स आदि जैसे प्रमुख प्रौद्योगिकीय पैकेजों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न इनपुटस् को क्रमिक रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है। तथापि, विलंब के मुख्य कारण हैं: प्रक्रिया पैकेज आपर्तिकर्ताओं द्वारा फीडबैक डाटा प्रस्तुत करने में विलम्ब से परामर्शदाता द्वारा कंस्ट्रक्शन ड्राइंगस् विशेषत: सिविल और स्ट्रकचरल कार्य के मुद्दे पर विलम्ब हुआ है। समय पर कुशल कार्यबल की उपलब्धता में कमी, अधिक एट्रीशन रेट आदि। एजेंसियों द्वारा फील्ड कंस्ट्रक्शन उपस्करों को अपर्याप्त रूप से जुटाना।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(vi)	बीएफ-1 और बीएफ-2 के लिए पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम	कम महंगे पुल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम।	133.00	32.50	8.00	तप्त धातु का वर्धित उत्पादन। तप्त धातु की उत्पादन की लागत में कमी करना।	बीओडी अनुमोदन के अनुरूप अक्टूबर 2007 तक कमिशिनंग की जानी है।.	मार्च 13	4.91	93.22	उत्थापन का लगभग 95% कार्य पूरा हो चुका है। वाणिज्यिक मुद्दों के कारण मैसर्स सिम्पलेक्स द्वारा कार्य की प्रगति में कमी हुई है तथा इन मुद्दों का आंशिक रूप से समाधान किया जा चुका है। शेष इलेक्ट्रिकल उत्थापन तथा फिनिशिंग कार्यों को एकीकृत कोल्ड ट्रायल को शुरू करने के लिए क्रमिक रूप से जनवरी 2013 तक पूरा किया जाना है और उसके पश्चात मार्च 2013 तक इकाई का प्रचालित किया जाएगा।	मैसर्स सीरी नामक चीनी प्रतिष्ठान के कारण पीसीआई की स्थापना में प्रारम्भ रूप से विलम्ब हुआ है। वर्तमान में सभी आपूर्तियॉ पूरी हो चुकी हैं। चीन के विशेषज्ञ आ चुके हैं। शुरू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। .
(vii)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	100.00	50.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	अक्टूबर'09	मई/ जून'13	35.87	226.41	अधिकांश सिविल कार्य पूरा हो चुका है। स्ट्रकचरल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल उपस्कर उत्थापन क्रियाकलाप प्रगति पर हैं। मैसर्स एचईसी निरंतर रूप से वैगन पुशर और वैगन टिप्लरों की आपूर्तियों से संबंधित अपने वादे को पूरा नहीं कर रहा है। अब मैसर्स एचईसी ने रोटरी वैगन टिप्लर और वैगन पुशर क्रमिक रूप से अप्रैल 2013 और मार्च 2013 के अंत तक भेजने का वादा किया है।	निरस्तीकरण तथा प्रमुख पैकेजों हेतु पुन: निविदा जारी करने के कारण परियोजना का कार्यक्रम पुन: निर्धारित किया गया । संयंत्र के परिचालन पर लौह अयस्क भंडारण परियोजना में वृद्धि, यद्यपि इसमें विलम्ब हुआ, से कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योकि केवल स्टाक को बढ़ाने के लिए इसकी आवश्यकता है । टाइम ओवर रन : संविदात्मक शैड्यूल के संबंध में शून्य। कास्ट ओवर रन : शून्य (बचत की संभावना)

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(viii)	अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर	स्ट्रीम की आवश्यकता को पूरा करना।	350.00	60.00	20.00	विस्तार इकाइयों की आवश्यकता को पूरा करने लिए अतिरिक्त विद्युत उत्पादन के साथ-साथ प्रोसेस स्टीम में सहायता मिलेगी।	दिसम्बर 10	07.01.2013 को बॉयलर-6 को प्रज्जवलित किया गया।	9.09	250.59	07.01.2013 को बॉयलर-6 को प्रज्जवलित किया गया और मार्च, 2013 से इकाई द्वारा उत्पादन शुरू करने की संभावना है।	**टाईम ओवर रन:** मंत्रालय सहित उच्चतर स्तर पर निगरानी के बावजूद आपूर्ति और स्थल पर धीमे उत्थापन क्रियाकलापों में विलम्ब के कारण मैसर्स भेल द्वारा परियोजना को पूरा करने में अधिक समय लगा है। **कॉस्ट ओवर रन:**. सांविधिक उतार चढ़ाव को छोड़कर भेल को दिए गए ऑर्डरों के मूल्यों के बढ़ने की प्रत्याशा नहीं है।
(ix)	67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	344.00	63.00	15.00	विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता का आंशिक रूप से उत्पादन करना।	दिसम्बर10	मार्च/अप्रैल13	7.25	254.09	मार्च/अप्रैल 2013 तक कमीशिनंग करने के लिए टीजी-5 में उत्थापन गतिविधियॉ संतोषजनक रूप से प्रगति पर हैं।	
(x)	एपी ट्रांसको के 220 केवी सिस्टम को सुदृढ़ करना।	400 एमवीए की विद्युत की ट्रांसमिशन के लिए एपी पॉवर ग्रिड को सुदृढ़ करना।	86.00	10.00	10.00	विस्तार होने पर आरआईएनएल के लिए 400 केवीए की संविदागत मांग प्राप्त करने में सक्षम होगा।	सितम्बर 12	चरण-I पूरा हो चुका है और चरण-II और III में संशोधन किया जा रहा है।	--	63.03	पूर्ण	उद्देश्य की प्राप्ति हो चुकी है
(xi)	400 एमवीए पावर प्राप्त करने के लिए 220 केवीए के पॉवर सिस्टम का संवर्धन।	विस्तार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने में सक्षम बनने हेतु सब-स्टेशनों जैसे वीएसपी के इंटरनेल सिस्टमों को सुदृढ़ करना।	58.10	20.00	20.00	वीएसपी में 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने हेतु संवर्धन।	जनवरी'11	जून'13	18.41	26.96	सिविल कार्य और उपस्कर उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। पूरी प्रणाली के जून, 2013 तक कमीशिनंग होने की आशा है।	आवश्यकतानुसार जरूरत होगी।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xii)	बीएफ-I कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3850 घन मीटर करना।	1760.00	100.00	100.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाकर 0.5 मिलियन टन से 2 मिलियन टन तथा 2.5 मिलियन टन करना।	3 -12-13 तिमाही की समाप्ति	बीएफ-1: अप्रैल'13 से जुलाई'13 बीएफ-2: जून;14 से अक्टूबर;14	17.65	25.83	**बीएफ-1:**-- सभी पैकेजों के लिए ऑर्डर दे दिए गए हैं। अप्रैल, 2013 में शटडाउन के लिए स्थल की प्री- शटडाउन गतिविधियॉ प्रगति पर हैं। **बीएफ-2:**- मुख्य और अनुशंगी पैकजों की निविदा जारी करने का कार्य प्रगति पर है1	--
(xiii)	सिंटर प्लांट उपत्पादकता में वृद्धि करना।	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	60.00	1.00	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	बीएफ-1 की बड़े पैमाने पर अनुरूपी मरम्मत	सिंटर एम/सी 1 : जून;14 सिंटर एम/सी 2 : दिसम्बर14	0.06	0.98	सिंटर की मशीनों की मरम्मत के संबंध में कंसल्टेंसी मैसर्स दस्तूर एण्ड कंपनी को प्रदान की गई है। सभी पैकेजों के लिए निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है।	--
(xiv)	एसएमएस कंवर्टर की मरम्त	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। इससे यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	180.00	27.00	5.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए टैक्नोलॉजिकल आवश्यकता।	बीएफ-1 की बड़े पैमाने पर अनुरूपी मरम्मत	जनवरी'14 से एलडी-3 , जुलाई , 2014 से एलडी-1 , अप्रैल , 2015 से एलडी-2	0.00	0.00	27.07.2012.को मैसर्स एसएमएस साइमग कंसोरटियम के साथ संविदा करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बेसिक इंजीनियरिंग पर कार्य चल रहा है। कन्वर्टर-3 iको जनवरी, 2014 से बंद किए जाने की आशा है।.	--
(xv)	सिंटर मशीन 1 और 2 के सिंटर स्ट्रेटलाइन कूलर संबंधी 20.6 मेगावाट की वेस्ट हीट रिकवरी परियोजना	ग्रीन प्लान ऐड के तहत न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नालॉजी आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ) के प्रौद्योगिकिय सहयोग के तहत सिंटर मशीन 1 और 2 के वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम आन स्ट्रेट लाइन कूलर के जरिए 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	150.00	40.00	40.00	सिंटर मशीनों की वेस्ट हीट से और कोई फोसिल ईंधन जलाए बगैर 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।.	25.03.12	मार्च'13	28.32	58.97	टरबाईन, जनरेटर, बॉयलर, स्टीम ड्रम और कंडेंसर के उत्थापन का कार्य पूरा हो चुका है। बॉयलर और कंडेंसर का अलाइंगमेंट पूरा हो चुका है। पाइपिंग का कार्य प्रगति पर है। इकाई के मार्च 2013 तक कमीशिनंग के लिए तैयार होने की संभावना है।	--

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xvi)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	50.00	2.00	इस्पात का उत्पादन बढ़ाकर 0.97 एमटी करना।	समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 30 माह	समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 30 माह	0.00	0.00	**<u>तीसरे कन्वर्टर की स्थापना:</u>** घटे हुए मूल्य की संशोधित बोलियों को 21 दिसम्बर 2012 तक प्रस्तुत किया जाना निर्धारित किया गया था जिसमें कुछ वाणिज्यिक शर्तों पर दो बोलीदाताओं में से एक के द्वारा अड़े रहेने के कारण और विलम्ब हुआ। तब से इन शर्तों को ठण्डे बस्ते में डाल दिया गया है और निविदा को स्वीकार करने वाले एकमात्र मैसर्स एसएमएस साइमग की संशोधित कम मूल्य की बोली को दिनांक 11.01.13 को खोला गया और ठेका देने का प्रस्ताव बोर्ड के विचाराधीन है। **<u>चौथे कास्टर की स्थापना:</u>** **तकनीकी अनुशंसाओं** (टीआर) को अंतिम रूप दिया जा चुका है। वाणिज्यिक सेवा-शर्तों को भी अंतिम रूप दिया जा चुका है। तकनीकी एवं वाणिज्यिकी तौर पर स्वीकार्य निविदादाताओं से संशोधित/घटे मूल्यों वाली बोलियॉ प्राप्त करने से पहले बोलीदाताओं की योग्यता के मुद्दे की जांच करवाई जा रही है।.	

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xvii)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	जारी	125.00	125.00	उपस्करों की अच्छे रखरखाव को बनाये रखना तथा संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन / उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना	जारी	--	113.68	--	जारी	--
(xviii)	आर एंड डी स्कीमें	उत्पादकता में वृद्धि करना / लागत में कमी करना / नए उत्पादों का विकास करना	जारी	14.00	14.00	जॉच अध्ययन, असफल विश्लेषण के जरीये प्रचालन गतिविधियों हेतु प्रौद्योगिकी समाधानों के साथ-साथ परेशानी उत्पन्न करने वाली वर्तमान प्रौद्योगिकी का विकास और लागत में कमी करने / उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया मानदण्डों का आलोचनात्मक गहन परीक्षण ।	जारी	--	12.72	--	जारी	--
(xix)	विद्युत संयंत्र-2	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना।	677.00	50.00	50.00	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्की उतोत्पाद गैसों का उपयोग करते हुए 120 एमडब्ल्यू विद्युत पैदा करना।	सितम्बर'13	सितम्बर '13	39.37	40.49	ओडीपीएल को छोड़कर सभी पैकजों के लिए ऑर्डर दे दिए गए हैं। ओडीपीएल में 9 में से 2 पैकजों – उदाहरणत: -सिविल और आपूर्तिमदों के लिए ऑर्डर दे दिए गए हैं। प्रमुख उपस्करों की आपूर्ति पूरी हो चुकी है। सिविल और स्ट्रचरल के फेब्रिकेशन का कार्य चल रहा है। बॉयलर - 1 और 2 के प्रौद्योगिकीय स्ट्रकचरों के उत्थापन का कार्य मैसर्स थरमैक्स द्वारा प्रारम्भ किया जा चुका है और यह प्रगति पर है।	--

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xx)	एसएलटीएम	1 एमटी अतिरिक्त द्रव इस्पात का उपयोग करना उत्पादन वर्तमान बीएफ और कन्वेंर्टर्स/कास्टरों की मरम्मत/उन्नयन के बाद होगा ।.	2512	0.00	3.00	5.5 से 18 ओडी की साइज की रेंज में 4,00,000 टीपीए सीमलैस टयूबों का उत्पादन करना। .	2014-15	2014-15	0.00	0.00	मुख्य पैकेज के लिए वैश्विक निविदा जारी की गई है। तकनीकी मूल्यांकन का कार्य प्रगति पर है।	--
(xxi)	सीओबी-5	6.3/7.3 एमटीपीए चरण के लिए कोक की आवश्यकताओं और शेष गैस की पूर्ति करना और उत्रोत्तर रूप से सीओबी # 1, 2 और 3 के पुनर्निर्माण को सुविधा प्रदान करना।.	2858.00	0.00	2.00	0.82 एमटीपीए सकल कोक का उत्पादन करना।	मई'15	मई'2015	0.00	0.00	2 प्रमुख पैकेजों के लिए निविदा खोली गई है। तकनीकी मूल्यांकन का कार्य प्रगति पर है।	--
(xxii)	अन्य स्कीमें		891.00	111.5	6.00	--	--	--	0.11	0.80	--	--
3.	**केआईओसीएल लिमिटेड**											
(i)	कोक ओवन प्लांट	कोक ओवन प्लांट की स्थापना। इससे सस्ते मूल्य पर कोयले की उपलब्धता में सुधार होगा।	452.00	150.00	4.00	कच्ची सामग्री की लागत कम करना।	आवश्ययक मंजूरियॉ प्राप्त होने के 24 महीने ।	कोक ओवन बैटरी सप्लाई करने वाले को ऑर्डर देने की तारीख से 22 महीने।	--	--	उम्मीद है कि जनवरी, 2013 के अंत तक पर्यावरण और वन मंत्रालय से स्वीकृति मिल जाएगी।	ब्लास्ट फर्नेस में उपयोग किए जाने वाले कोयले की अधिक लागत को देखते हुए कंपनी मंगलौर स्थिति कोक ओवन प्लांट की स्थापना करना चाहती है। इससे कच्ची सामग्री की लागत में पर्याप्त रूप से कमी होगी।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास	मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं होगा और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/होस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्रोत माना जाता है। अधिकांश कच्चे माल की ढुलाई रेल द्वारा की जानी है इसलिए मंगलौर में एक स्थायी रेलवे साइडिंग विकसित करने का प्रस्ताव है।	130.00	70.00	5.00	मंगलौर में प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की प्राप्ति	आवश्यक सांविधिक मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय-सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	निजी पार्टी और केआईएडीबी से भी भूमि के अधिग्रहण के बाद नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	--	7.54	--	मैसर्स केआरएल ने संशोधित डीपीआर प्रस्तुत कर दी है । सुरक्षा कारणों के लिए डायमण्ड क्रासिंग से बचने के लिए केआरएल ने पूर्व प्रस्तावित रूट को पुर्न रेखाकिंत किया है जिससे केआईएडीबी भूमि की स्वेपिंग और निजी भूमि की खरीद आवश्यक हो गई है कम्पनी उक्त भूमि को निजी पार्टियों से अधिग्रहण करने की सम्भावना का पता लगा रही है। 2.945 एकड़ निजी भूमि की पहले ही अधिप्राप्ति कर ली गई है और शेष भूमि की अधिप्राप्ति प्रक्रियाधीन है।
(iii)	रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए भारी माल संभाल की सुविधाओं का निर्माण	चूंकि अधिकांश कच्चे माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है। केआईओसीएल को अपने पैलेट प्लांट तथा ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के लिए लौह अयस्क का प्रेषण प्राप्त करने के लिए भारी माल संभाल सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	173.00	73.00	0.00	पैलेटों के उत्पादन के लिए प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की आपूर्ति	आवश्यक सांविधिक मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय-सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	--	--	--	--	--
(iv)	चिकनैयाहाल्ली और दूसरी खानों का विकास।	कच्ची सामग्री की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कैप्टिव खानें रखना।	200.00	5.00	0.00	पैलेटों के उत्पादन के लिए प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की आपूर्ति	आवश्यक सांविधिक मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय-सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों के बाद नई समय सीमा निर्धारित की जाएगी।.	--	--	--	कर्नाटक सरकार ने होमवैधात्ता तथा होफाफल्ली गांव में केआईओसीएल के पक्ष में 116.55 हेक्टेयर क्षेत्र पर खनन की लीज दी थी। सर्वेक्षण के समय यह देखा गया था कि ये क्षेत्र परस्पर व्याप्त हैं और ये केआईओसीएल को आवंटित की गई थी। संयुक्त सर्वेक्षण किया गया। संशोधित एमएल स्कैच बनाया गया ताकि कर्नाटक की सरकार से कानूनी मंजूरी प्राइज़ हो सके जो अभी प्राप्त होनी है। उच्चतम न्यायालय ने दिनांक 30.11.2012 के अपने आदेश में यह कहा है कि उसकी अनुमति के बिना बेल्लारी, तुमकुर और चित्रदुर्गा में कोई नया एमएल नहीं दिया जाएगा। इसमें वे मामले शामिल हैं जिनके संबंध में अधिसूचनाएं जारी की गई थीं लेकिन इसको देखते हुए पट्टों पर हस्ताक्षर नहीं हुए थे। खनन लाइसेंस निष्पादन करने की प्रक्रिया में और देर हो सकती है इसलिए वित्त वर्ष 2012-13 के लिए बजटीय व्यय पूरा नहीं हो सका।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(v)	रामनदुर्ग खानों का विकास	कच्ची सामग्री की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कैप्टिव माइंस होनी चाहिएं।	900.00	5.00	0.00	पेलेटों के उत्पादन के लिए 4एमटीपीए लौह अयस्क की सप्लाई।	कानूनी मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	कानूनी मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।				कर्नाटक की सरकार के सचिव, (खान, वस्त्र और एसएसआई) ने ब्लॉक संख्या 13/1 में खनन पट्टा देने के मामले में केआईओसीएल के आवेदन पर सुनवाई की थी। इस्पात मंत्रालय के सचिव और कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव के बीच 12.05.2011 तथा मुख्य सचिव, केआईओसीएल के बीच 25.05.2011. **को हुई बैठकों में** रामनदुर्ग के आवंटन को मंजूरी दी गई। उच्चतम न्यायालय ने दिनांक 30.11.2012 के अपने आदेश में यह कहा है कि उसकी अनुमति के बिना बेल्लारी, तुमकुर और चित्रदुर्गा में कोई नया एमएल नहीं दिया जाएगा। इसमें वे मामले शामिल हैं जिनके संबंध में अधिसूचनाएं जारी की गई थीं लेकिन इसको देखते हुए पट्टों पर हस्ताक्षर नहीं हुए थे। खनन लाइसेंस निष्पादन करने की प्रक्रिया में और देर हो सकती है इसलिए वित्त वर्ष 2012-13 के लिए बजटीय व्यय पूरा नहीं हो सका।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(vi)	डक्टाईल स्पन पाईप प्लांट	यह एक मूल्यवर्धित उत्पाद है।	309.00	10.00	0.00	100,000 पाईपों का प्रति वर्ष निर्माण।	कानूनी मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	केआईओसीएल ने बीएफयू के लिए बैकवर्ड इंटीग्रेशन के रूप में कोक ओवन प्लांट स्थापना का प्रस्ताव किया है। कोक ओवन प्लांट की स्थापना हो जाने पर केआईओसीएल बीआईएसपी परियोजना के संबंध में निवेश के बारे में उचित निर्णय लेगा।	--	--	--	डीपीआर का पहले ही अनुमोदन हो चुका है।
(vii)	कुद्रेमुख में ईको-टाउन का विकास	कुद्रेमुख में ईको-पर्यटन सुविधा का विकास करने का उद्देश्य समुदाय आधारित वाणिज्यिक ईको-पर्यटन परियोजना का विकास करना है।	483.00	5.00	0.50	ईको-पर्यटन का विकास	कानूनी मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	कानूनी मंजूरियां प्राप्त होने पर नई समय सीमा को अंतिम रूप दिया जाएगा।	--	--	--	कुद्रेमुख में ईको-पर्यटन सुविधा के विकास हेतु तैया की गई प्रारूप डीपीआर को केआईओसीएल के बोर्ड के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया। कर्नाटक सकरार के राजस्व विभाग ने वन विभाग तथा केआईओसीएल की उपस्थिति में कुद्रेमुख में प्रस्तावित ईको सुविधाओं की स्थापना के संबंध में पट्टा क्षेत्र (1220.03 हेक्टेयर) का सर्वेक्षण किया था। उपायुक्त, चिकमगलूर ने क्षेत्र का दौरा किया और दिनांक 31 दिसम्बर, 2012. को केओआईसीएल के साथ विचार-विमर्श किया।

(करोड़ रुपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
4.	**<u>एनएमडीसी लिमिटेड.</u>**											
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	60.00	60.00	7 एमटीपीए की क्षमता	अक्टूबर, 09	मार्च'13	19.98	343.37	सभी पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य अंतिम चरण में है।	क्षमता को 3 एमटीपीए से बढ़ाकर 7 एमटीपीए किया गया तथा 607.18 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को 16/05/2008 को अनुमोदित किया गया। मार्च, 2012 तक 323.39 करोड़ रुपये का संचयी व्यय हुआ। अप्रैल-दिसम्बर, 2012 19.98 करोड़ रुपये की रकम व्यय हुई। दिसम्बर, 12 तक इस स्कीम पर 343.37 करोड़ रुपये का कुल व्यय हुआ। बेलाडिला क्षेत्र में माओवादियों की गतिविधियों के कारण इस स्थान पर प्रगति प्रभावित हो रही है। कार्यक्षेत्रों के निकट सीआईएसएफ बैरकों का निर्माण किया गया और खान के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त प्रकाश खम्बे लगाए गए। एससीएच और स्कल्पिंग स्क्रीन में सैकेंडरी क्रैशर, ईओटी क्रेन का परीक्षण किया गया। इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन तंथा समस्त एचटी पैनलों को चार्ज किया जा चुका है। .
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	200.00	105.00	7 एमटीपीए की क्षमता	मई'13	नवम्बर '13	76.23	148.58	सभी मुख्य पैकेज आबंटित कर दिए गए हैं। सड़क सेवा सुविधाएं आदि जैसे 2 सहायक पैकेजों के लिए आर्डरों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।	मुख्य प्रौद्योगिकी पैकेजों का ऑर्डर दिया जा चुका है और क्रशिंग प्लांट पैकज के लिए डिजाइन पूरा हो गया है। डाउन हीन कंवेयर सिस्टम का डिजाइन और इंजीनियरिंग कार्य अंतिम चरण पर है। डम्पर प्लेटफार्म का निर्माण कार्य चल रहा है। प्राथमिक क्रशर और सैकेंडरी क्रशर हाउस का मुख्य निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य चल रहा है1 प्राथमिक क्रशर और सैकेंडरी क्रशर स्थल पर पहुंच चुके हैं। खान कार्यालय भवन और सीलो आधारशिला का कार्य पूरा हो चुका है। डाऊन हीन कंवेइंग सिस्टम तथा सेवा केन्द्र भवनों के संबंध में निर्माण कार्य चल रहा है।
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के लिए डाईवर्सीफाई करना	572.00	200.00	158.40	1.2 एमटीपीए की क्षमता	अप्रैल'13	जुलाई'13	140.16	226.71	सभी प्रमुख पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर है	पेलेटाइजेशन के लिए महत्वपूर्ण उपकरण स्थल पर पहुंच गए हैं। बेनीफिकेशन पैकेज के महत्वपूर्ण उपकरणों के लिए आर्डर दे दिया गया है। पेलेटाइजेशन पैकेज के लिए भूमिगत जल टैंक, पम्प हाऊस, रोटरी किल्न और वेस्ट गैस चिमनी के संबंध में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इन पैकेजों के संबंध में अवसंरचना कार्य और उपकरणों की स्थापना का कार्य चल रहा है। मिक्सर उपकरण, जीआईएस और कूलर की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट।	i) सीजी स्थिति में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्य वर्धन का सुनिश्चय करना।. ii) आदिवासियों की आबादी वाले बस्तर क्षेत्र का विस्तार। iii) प्राथमिक रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों से संबंधित बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।	15575.00	3513.00	1884.00	3 एमटीपीए क्षमता	सितम्बर, 14	मई 15	672.70	1761.20	सभी कानूनी मंजूरियां प्राप्त हो चुकी हैं। जल, विद्युत जैसी अवसंरचनात्मक सुविधाओं के लिए मंजूरियां प्राप्त हो चुकी हैं।	मैसर्स मेकॉन को 25.10.2011 को इंजीनियरिंग, परामर्श तथा परियोजना प्रबंधन का ठेका प्राप्त हुआ है। 9 प्रमुख प्रौद्योगिक पैकेजों में से 8 के लिए करारों पर हस्ताक्षर हो गए हैं और इन अधिकांश पैकेजों के लिए निमार्ण कार्य स्थल पर शुरू हो चुका है। लाइम और डोलोमाइट पैकेज के लिए 23 नवम्बर, 2012 को ऑर्डर दे दिया गया है। 3 मार्च, 2011 शून्य तिथि घोषित की गई है। एक महत्वपूर्ण उपसंगी पैकेज अर्थात् पॉवर और ब्लोइंग स्टेशन के लिए आर्डर 23 नवम्बर, 2012 को दे दिया गया है। कुछ उपसंगी पैकेजों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं और ये आर्डर देने के विभिन्न चरणों में हैं।
5.	**<u>मॉयल लिमिटेड</u>**											
(i)	सेल के साथ फैरो मैगनीज/सीलीको मैगनीज प्लांट हेतु संयुक्त उद्यम।	सेल की मांग की आपूर्ति करने के लिए फैरो/सीलीको मैगनीज का उत्पादन करने के लिए भिलाई में परियोजना स्थापित की जाएगी।	391.00	50.00	0.00	इस परियोजना से 31000 एमटी फैरा मैगनीज और. 75000 एमटी सीलीको मैगनीज का उत्पादन होगा।	यह परियोजना जून, 2012 तक पूरी हो जाएगी।	भट्टी के लिए निविदा को अंतिम रूप देने के बाद मात्रा बताई जाएगी।	0.00	2.10	NA	इस परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। फैरो और सीलीको मैगनीज की अपनी वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप सेल द्वारा भट्टी के तकनीकी विनिर्देशन तैयार किए जा रहे हैं।
(ii)	आरआईएनएल के साथ फैरो मैगनीज/सीलीको मैगनीज प्लांट हेतु संयुक्त उद्यम।	आरआईएनएल की मांग की आपूर्ति करने के लिए फैरो/सीलीको मैगनीज का उत्पादन करने के लिए बोबिल में परियोजना स्थापित की जाएगी।	217.00	20.00	0.00	इस परियोजना से 20000 एमटी फैरो मैगनीज और. 37500 एमटी सीलीको मैगनीज का उत्पादन होगा।	यह परियोजना जून, 2012 तक पूरी हो जाएगी।	भट्टी के लिए निविदा को अंतिम रूप देने के बाद मात्रा बताई जाएगी।	0.00	7.85	NA	इस परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। फैरो और सीलीको मैगनीज की अपनी वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप आरआईएनएल द्वारा भट्टी के तकनीकी विनिर्देशन तैयार किए जा रहे हैं।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ख	**इस्पात मंत्रालय की स्कीम**											
(i)	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी में सुधार करने के लिए योजना।	लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण। प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना।	**118.00** 11वी योजना में 118.00 करोड़ और 12वी योजना में 200 करोड़	44	26.49	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। भारतीय कच्ची सामग्रियों नामत: निम्न ग्रेड लौह अयस्क, गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूप का विकास करना। नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाईन में परिवर्तन (रिफ्रैक्ट्री) प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाईम्स का बैनीफिशिएशन। चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलेट स्केल पैलेटाइजेशन टेक्नोलॉजी का विकास। प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाईरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले कोयले से निम्न राखांश वाले कोयले (10 प्रतिशत राखांश कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन।	11वीं योजना 2007-12 के दौरान	11वीं योजना 2007-12 के दौरान चल रही यह स्कीम 12वीं योजना 2012-17 के दौरान जारी रहेगी।	12.19	52.99	परियोजनाएं प्रगति पर हैं।.	1) अनुसंधान और विकास से संबंधित यह स्कीम 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस्पात मंत्रालय में लागू की गई थी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसके मूल्यांकन तथा अनुमोदन मं पर्याप्त समय लगा। **2)** ईएफसी ने इस स्कीम को नवम्बर, 2008 में अनुमोदित किया और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को जनवरी, 2009 में इस शर्त के साथ अंतिम रूप से मंजूरी दी कि यह स्कीम 2009-10 से लागू की जाएगी। **3)** इस्पात मंत्रालय ने संबंधित पक्षों के साथ परामर्श करके अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के चयन के लिए अनुवर्ती कार्यवाही की और इन्हें विशेषज्ञों के पैनल से मंजूर करवाया तथा फरवरी, 2010 में चार परियोजनाओं का अनुमोदन हुआ। चार और पारियोजनाओं का अनुमोदन पीएएमसी द्वारा नवम्बर, 2010 में किया गया। **4)** स्कीम के अनुमोदन तथा बाद में अलग-अलग अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुमोदन में विलम्ब के कारण चार परियोनाएं अप्रैल, 2010 को शुरू हो पाई। दो परियोजनाएं जनवरी, 2011 को तथा शेष दो परियोजनाएं दिसम्बर, 2011 को शुरू हो पाईं। इसलिए यह परियोजनाएं 11वी पंचवर्षीय योजना के दौरान पूरी नहीं हो पाई। **5)** इस समय चल रही आठ परियोजनाएं 12 पंचवर्षीय योजना में जारी रखी गई हैं और ये 2012-13, 2013-14, 2014-15 तथा 2015-16.तक पूरी होंगी।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2012-13		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 12 के लिए	दिसंबर 12 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ग.	प्रस्तावित नई स्कीमें											
(i)	निम्न श्रेणी के लौह अयस्क तंथा ओर फाइंस के बैनीफिकेशन एवं एग्लोमेरेशन के संवर्द्धन से संबंधित स्कीम।	ब्याज सब्सिडी के जरिए ऋण लागत को कम करके नई बैनीफिकेशन एवं एग्लोमेरेशन क्षमताओं की स्थापना को सुविधाजनक बनाना।	--	1.00	--	ब्याज सब्सिडी के जरिए ऋण लागत को कम करके नई बैनीफिकेशन एवं एग्लोमेरेशन क्षमताओं की स्थापना को सुविधाजनक बनाना।	12वीं और 13वीं योजना के दौरान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	12 वीं योजना के लिए नई स्कीम का प्रस्ताव किया गया था। 2012-13 के लिए 1 करोड रुपये का सांकेतिक प्रावधान किया गया था। इस स्कीम को छोड़ दिया गया है।.
(ii)	गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा क्षमता को बेहतर बनाने के लिए स्कीम।	गौण इस्पात क्षेत्र में ब्याज सब्सिडी के जरिए ऋण लागत को कम करके ऊर्जा क्षमता सुधार तथा जीएचजी में कटौती को सुविधाजनक	--	1.00	--	ब्याज सब्सिडी के जरिए ऋण लागत को कम करके गौण इस्पात क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता में सुधार और जीएचजी में कमी को सुविधाजनक बनाना। .	12वीं और 13वीं योजना के दौरान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	12 वीं योजना के लिए नई स्कीम का प्रस्ताव किया गया था। 2012-13 के लिए 1 करोड रुपये का सांकेतिक प्रावधान किया गया था। इस स्कीम को छोड़ दिया गया है।.

*****

अध्याय - V

वित्तीय समीक्षा

वर्ष 2013-14 की मांग संख्या 92 को बजट सत्र के दौरान इस्पात मंत्रालय की ओर से ससंद में प्रस्तुत किया जाएगा । इस मांग में इस्पात मंत्रालय के लिए योजना और गैर योजना व्यय और इनके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी उपक्रमों के योजना व्यय शामिल हैं।

1. वर्ष 2013-14 में निधि की कुल आवश्यकता

1.1 बजट अनुमान 2012-13 में मांग संख्या 92 में शामिल निधि की कुल आवश्यकता को निम्न तालिका में सक्षिप्त रूप से दिया गया है :-

(करोड़ रूपए)

2013-2014 के लिए मांग संख्या 92	**बजट अनुमान 2013-14**		
	योजना	गैर-योजना	योग
राजस्व खंड	46.00	72.97	*118.97*
पूंजी खंड	0.00	0.00	*0.00*
कुल (सकल)	**46.00**	**72.97#**	***118.97***

गारंटी शुल्क को मांफ करने से संबंधित लेखा समायोजनों के लिए 6.10 करोड़ रूपए का प्रावधान शामिल है।

2. वास्तविक व्यय: वर्ष 2010-11 से 2012-13 (दिसम्बर, 2012 तक)

2.1 पूर्व तीन वर्षो के दौरान संबंधित वर्षों के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान की तुलना में मंत्रालय के अनुदान के अन्तर्गत वास्तविक योजना और गैर योजना व्यय (सकल) का सार नीचे दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

वर्ष	**बजट अनुमान**			**संशोधित अनुमान**			वास्तविक व्यय		
	गैर-योजना	**योजना**	**योग**	**गैर-योजना**	**योजना**	**योग**	**गैर-योजना**	**योजना**	**योग**
2012-13	69.29	46.00	115.29	214.48	26.49	240.97	53.62	10.69	64.31#
2011-12	70.76	40.00	110.76	204.94	30.00	234.94	71.36	9.63	80.99
2010-11	78.92	36.00	114.92	80.24	30.00	110.24	67.77	27.05	94.82

दिसंबर, 2012 तक के व्यय

3. गैर योजना व्यय

3.1 वर्ष 2012-13 (बजट अनुमान और संशोधित अनुमान) में सचिवालय विशेष, पीएओ (इस्पात) विकास आयुक्त, लोहा एवं इस्पात (डी सी आई एंड एस) कोलकाता समेत इस मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का गैर योजना प्रावधान तथा वर्ष 2013-14 (बजट अनुमान) में निधि की आवश्यकताओं का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

सं.	**मुख्य शीर्ष एवं व्यय की मदें**	**बजट अनुमान 2012-13**	**संशोधित अनुमान 2012-13**	**बजट अनुमान 2012-13 की तुलना में संशोधित अनुमान में % बढ़ोतरी**	**बजट अनुमान 2013-14**	**बजट अनुमान 2012-13 की तुलना में % बढ़ोतरी**
I.	मुख्य शीर्ष - 3451					
1.	सचिवालय - आर्थिक सेवाएं	20.00	20.22	*1.10%*	22.02	*10.10%*
II.	मुख्य शीर्ष - 2852					
2.	विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात, कोलकाता	0.61	0.58	*-4.92%*	0.60	*-1.64%*
3.	प्रतिष्ठित धातुकर्मियों को पुरस्कार	0.14	0.12	*-14.29%*	0.14	*0.00%*
4.	ब्याज इमदाद:					
(i)	वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. को इमदाद	46.90	44.11	*-5.95%*	44.11	*-5.95%*
(ii)	वीआरएस के कार्यान्वसन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु मेकॉन लि. को इमदाद	1.64	0.00	*-100.00%*	0.00	*-100.00%*
5.	गारंटी शुल्क माफ करना (गैर-नकद संव्यवहार)					
(i)	एचएससीएल - नकद साख (सी सी) सीमा, बैंक गारंटी (बीजी) और वीआरएस ऋणों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।	6.10	6.10	*0.00%*	6.10	*0.00%*
(ii)	मेकॉन लिमिटेड - वीआरएस ऋणों/बाँडों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।	0.50	0.00	*-100.00%*	0.00	*-100.00%*
	घटाएं- निवल प्राप्तियां [5(i) से (ii)]#	*-6.60*	*-6.10*	*-7.58%*	*-6.10*	*-7.58%*
6.	अनुदान सहायता					
(i)	बिसरा स्टोन लाईम कंपनी लिमिटेड को अनुदान सहायता	-	*149.45*	-	-	-
	योग: गैर-योजना व्यय (प्राप्तियों का निवल)	**69.29**	**214.48**	**209.54%**	**66.87**	**-3.49%**
	योग: गैर-योजना व्यय (सकल)	**75.89**	**220.58**	**190.66%**	**72.97**	**-3.85%**

वित्त मंत्रालय की सलाह के अनुसार जिन मामलों में नकद लेन-देन नहीं हुआ है उनमें प्रावधान निवल होंगे।

3.2 संशोधित अनुमान 2012-13 में मंत्रालय के गैर योजना प्रावधान बजट अनुमान 2012-13 के गैर योजना से अधिक है क्योंकि सरकार द्वारा बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की पुनर्संरचना से उत्पन्न होने वाली आयकर देयताओं के भुगतान हेतु बिसरा स्टोन लाईम कंपनी लिमिटेड के लिए 149.45 करोड़ रूपए की अनुदान सहायता का अतिरिक्त प्रावधान करना पड़ा है। प्रतिपूरक अनुदान मांगों के प्रथम बैच में प्रावधान प्राप्त किए गए थे जिसे कि अब उपयोग किया जा चुका है।

3.3 बजट अनुमान 2012-13 में 75.89 करोड़ रू0 के गैर योजना प्रावधान की तुलना में 2013-14 का बजट अनुमान प्रावधान 72.97 करोड़ रू0 है।

4. योजना व्यय

4.1 लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के प्रोत्साहन की स्कीम हेतु बजट अनुमान 2013-14 में निधि की कुल योजना आवश्यकता 46.00 करोड़ रूपये है जो निम्न के लिए है:-

(i) लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की प्रोत्साहन स्कीम हेतु 12.00 करोड़ रूपए – जारी आर एंड डी परियोजनाएं।

(ii) कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों हेतु विद्यमान आर एंड डी स्कीम के एक नए घटक के लिए 32.00 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

(iii) नए आर एंड डी स्कीम के विद्यमान लक्ष्यों के तहत नई परियोजनाओं के लिए 2.00 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

4.2 बजट अनुमान 2012-13 में 46 करोड़ रू0 की कुल योजना बजटीय सहायता को संशोधित अनुमान 2012-13 में कम करके 26.49 करोड़ रू0 कर दिया था । बजट अनुमान 2013-14 में 46 करोड़ रू0 की कुल योजना बजटीय सहायता का प्रावधान किया गया है। 2012-13 और 2013-14 के योजना प्रावधान का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

सं.	संगठन/उपक्रम का नाम	योजना बजटीय सहायता 2012-13 (बजट अनुमान)	योजना बजटीय सहायता 2012-13 (संशोधित अनुमान)	योजना बजटीय सहायता 2013-14 (बजट अनुमान)	बजट अनुमान 2012-13 की तुलना में बजट अनुमान 2013-14 में % बढ़ोतरी
1.	मंत्रालय की स्कीम: लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन				
(i)	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम - जारी आर एंड डी परियोजनाओं	44.00	26.49	12.00	*-72.73%*
(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	--	--	32.00	
(iii)	नए लोहा/इस्पात निर्माण की प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास – (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं)	--	--	2.00	
(iv)	निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम	1.00	*	-	
(v)	गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम	1.00	*	-	
	योग	**46.00**	**26.49**	**46.00**	**0.00%**

*योजना आयोग द्वारा 12वीं योजना हेतु इस्पात मंत्रालय के लिए कम समग्र आवंटन किए जाने के कारण स्कीम ड्रॉप कर दी गई है।

5. आर एंड डी स्कीम का सार

5.1 11वीं योजना (2007-12) के लिए इस्पात उद्योग के कार्यदल की सिफारिशों के आधार पर 11वीं पंचवर्षीय योजना में 118 करोड़ रू0 के परिव्यय के साथ "लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के प्रोत्साहन हेतु योजना" नामक एक नई योजना को शामिल किया गया था । इस योजना का उद्देश्य भारतीय लौह अयस्क चूर्ण और अकोककर कोयले का उपयोग करने वाली प्रेरक/पाथ ब्रेकिंग टेक्नालॉजी को विकसित करने में आर एंड डी कार्यों को प्रोत्साहित करना और इनमें तेजी लाना, इंडक्शन फर्नेस रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना और लौह अयस्क, कोयला आदि जैसी कच्ची सामग्री या सज्जीकरण और सम्मिश्रण (जैसे पैलेराइजेशन) करना है । इस योजना को वित्तीय वर्ष 2009-10 से (दिनांक 01.04.2009 से) कार्यान्वित करने के लिए दिनांक 23.01.2009 को अनुमोदन प्रदान किया गया था।

5.2. स्कीम के तहत निधि आबंटन और जारी की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

अवधि	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	टिप्पणी
2009-10	26.00	13.00	4.14	यह धनराशि अनुदान सहायता की प्रथम किस्त के रूप में जारी की गई थी।
2010-11	35.00	29.00	27.05	-
2011-12	39.00	29.00	9.63	-
2012-13	46.00	26.49	10.69	दिसंबर, 2012 तक 10.69 करोड़ रूपए जारी किए गए
2013-14	46.00			46.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता में से 12.00 करोड़ रूपए के प्रावधान लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की प्रोत्साहन स्कीम के लिए, 32.00 करोड़ रूपए के प्रावधान विद्यमान आर एंड डी स्कीम के नए घटक के लिए और 2.00 करोड़ रूपए के प्रावधान विद्यमान आर एंड डी स्कीम के तहत नई परियोजना के लिए किए गए हैं।

6. वर्ष 2013-14 (बजट अनुमान) के वार्षिक योजना परिव्यय

6.1 इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वार्षिक योजना वर्ष 2013-14 प्रस्तावों और योजना आयोग के साथ हुए विचार-विमर्श के आधार पर तथा 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) को समग्र रूप से ध्यान में रखते हुए योजना आयोग ने इस्पात मंत्रालय के लिए वर्ष 2013-14 (बजट अनुमान) हेतु निम्नलिखित परिव्यय को अनुमोदन प्रदान किया है:-

(करोड़ रूपए)

		वास्तविक 2011-12	*बजट अनुमान* 2012-13	*संशोधित अनुमान* 2012-13	*बजट अनुमान* 2013-14
क)	सकल बजटीय सहायता जीबीएस का ईएपी घटक	9.63 0.00	46.00 0.00	26.49 0.00	46.00 0.00
ख)	आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आई एंड ईबीआर)	14574.73	21756.00	16360.60	19684.77
	योग	***14584.36***	***21802.00***	***16387.09***	***19730.77***

6.2 वार्षिक योजना 2012-13 (बजट अनुमान एवं संशोधित अनुमान) और वार्षिक योजना 2013-14 (बजट अनुमान) हेतु योजना परिव्यय का पीएसयू-वार ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	पीएसयूज/ संगठन का नाम	बजट अनुमान 2012-13			संशोधित अनुमान 2012-13			बजट अनुमान 2013-14		
		आईईबीआर	बीएस	परिव्यय	आईईबीआर	बीएस	परिव्यय	आईईबीआर	बीएस	परिव्यय
क.	केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें									
1	सेल	14500.00	0.00	14500.00	12000.00	0.00	12000.00	13000.00	0.00	13000.00
2	आरआईएनएल	1942.00	0.00	1942.00	1365.86	0.00	1365.86	2216.14	0.00	2216.14
3	एचएससीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	मेकॉन	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00
5	एमएसटीसी	25.00	0.00	25.00	20.00	0.00	20.00	65.00	0.00	65.00
6	एफएसएनएल	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00
7	एनएमडीसी लि.	4655.00	0.00	4655.00	2814.00	0.00	2814.00	4084.00	0.00	4084.00
8	केआईओसीएल लि.	409.00	0.00	409.00	40.00	0.00	40.00	95.00	0.00	95.00
9	मॉयल लिमिटेड	208.00	0.00	208.00	103.74	0.00	103.74	207.63	0.00	207.63
10	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना									
10(i)	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की प्रोत्साहन स्कीम - चल रही आर एंड डी परियोजनाएं	0.00	44.00	44.00	0.00	26.49	26.49	0.00	12.00	12.00
10(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	--	--	--	--	--	--	0.00	32.00	32.00
10(iii)	नए लोहा/इस्पात निर्माण की प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास	--	--	--	--	--	--	0.00	2.00	2.00
11	निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम		1.00	1.00		#-	--	--	--	--
12	गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम		1.00	1.00	--	-#	--	--	--	--
	योग-क	***21756.00***	***46.00***	***21802.00***	***16360.60***	***26.49***	***16387.09***	***19684.77***	***46.00***	***19730.77***
	ख. केंद्र द्वारा प्रायोजित परियोजनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग - ख	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***
	सकल योग-क + ख	***21756.00***	***46.00***	***21802.00***	***16360.60***	***26.49***	***16387.09***	***19684.77***	***46.00***	***19730.77***

* ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनी के घटक थे जो कि आरआईएनएल की सहायक कंपनियां बन गई हैं और उनके आंकड़े आरआईएनएल के साथ सम्मिलित हैं।

 # स्कीम को ड्रॉप कर दिया गया है।

नोट: इस्पात मंत्रालय को सिक्किम समेत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अपने बजट में से 10 प्रतिशत निर्धारित करने से छूट प्रदान की गई है।

6.3 इस्पात मंत्रालय का वर्ष 2013-14 का योजना परिव्यय 19730.77 करोड़ रूपए है जिसका वित्त पोषण 46.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता और 19684.77 करोड़ रूपए की आईईबीआर से किया जाएगा। 46.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता में से 32.00 करोड़ रूपए का प्रावधान कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों के संबंध में प्रौद्योगिकी के विकास हेतु विद्यमान आर एंड डी स्कीम के एक नए घटक के लिए किया गया है। विद्यमान आर एंड डी स्कीम के तहत नई परियोजनाओं के लिए 2.00 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है और 12.00 करोड़ रूपए का प्रावधान पर्यावरण के अनुकूल गुणवत्तापरक स्टील के किफायती उत्पादन के लिए अभिनव/पार्थ ब्रेकिंग और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु आर एंड डी को प्रोत्साहित करने और इसमें तेजी लाने के लिए लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए किया गया है।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की विभिन्न स्कीमों के लिए बजट अनुमान 2013-14 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम-वार प्रदान किए गए परिव्ययों का संक्षेप में विवरण नीचे दिया गया है:

6.4. वार्षिक योजना 2013-14 (ब.अ.) में **19730.77 करोड़ रूपये के कुल परिव्यय में से 13000.00 करोड़ रूपये स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** के लिए प्रदान किए गए हैं जिन्हें इसके आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ई बी आर) से पूरा किया जाएगा। सेल की विभिन्न स्कीमों के लिए प्रदान किए गए परिव्यय का विस्तृत ब्यौरा निम्नवत है:

(i) **भिलाई इस्पात संयंत्र** के लिए 5900.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। कुल परिव्यय का अधिकांश भाग (5300.00 करोड़ रूपए) संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय में 700.00 टीपीडी ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना, एचएजीसी, प्लेट मिल में पीवीआर, हॉट मेटल डिसल्फराइजेशन यूनिट, स्लैब कास्टर, आरएच डेगस्सेर, माइनिंग रेलवे ट्रैक-रावघाट जैसी स्कीमों तथा अन्य चल रही एवं नई स्कीमों के लिए है।

(ii) **दुर्गापुर इस्पात संयंत्र** के लिए 900.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से संयंत्र के विस्तार के लिए 775.00 करोड़ रूपए निर्धारित किए गए हैं। इस परिव्यय में शामिल अन्य स्कीमों में बीएफ में बैल लैस टाप चार्जिंग सिस्टम की स्थापना, कांगड़ा में इस्पात प्रसंस्करण इकाई की स्थापना, बीएफ-3 के गैस क्लीनिंग प्लांट का सुधार/नवीनीकरण तथा अन्य छोटी स्कीमें शामिल हैं।

(iii) **राउरकेला इस्पात संयंत्र** के लिए 2400.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय में शामिल प्रमुख स्कीम में आरएसपी का विस्तार (2050.00 करोड़ रूपए) शामिल है। अन्य स्कीमें सीओबी संख्या 4 का पुनर्निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना, कोक ओवन गैस होल्डर की स्थापना, एसएमएस-2 के बीओएफ कन्वर्टरों की एक साथ ब्लोइंग, जगदीशपुर इस्पात परियोजना तथा चल रही एवं नई स्कीमें हैं।

(iv) **बोकारो इस्पात संयंत्र** के लिए 1425.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें बोकारो इस्पात संयंत्र के विस्तार का खर्च (1200.00 करोड़ रूपए), कोक ओवन बैटरी 1 और 2 के पुनर्निर्माण, टर्बो ब्लोअर स्टेशन में टीबी की स्थापना, बीएफ-2 का उन्नयन, बेतिया में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट तथा अन्य चल रही एवं नई स्कीमें शामिल हैं।

(v) **इस्को स्टील प्लांट**: के लिए 1800.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। इसका मुख्य भाग आईएसपी के विस्तार (1750.00 करोड़ रूपए), सीओबी संख्या 10 का पुनर्निर्माण के लिए और शेष राशि अन्य चल रही एवं नई स्कीमों के लिए हैं।

(vi) **मिश्र इस्पात संयंत्र**: के लिए 25.00 करोड़ रू0 का परिव्यय कई पूरी हो चुकी स्कीमों तथा चल रही स्कीमों के लिए है।

(vii) **सेलम इस्पात संयंत्र**: के लिए 45.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। इस परिव्यय का अधिकांश हिस्सा एसएसपी के विस्तार (40.00 करोड़ रूपए) के लिए और शेष राशि कम लागत की विविध स्कीमों के लिए है।

(viii) शेष 505.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान विश्वैश्वरया आयरन एंड स्टील लि0 (20.00 करोड़ रू0), सेल की केंद्रीय इकाईयों (350.00 करोड़ रू0), कच्चा माल प्रभाग (30.00 करोड़ रूपए), चंद्रपुर फैरो अलॉय प्लांट (105.00 करोड़ रूपए), और विभिन्न चल रही और नई स्कीमों/परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्य के लिए किया गया है।

6.5 **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड** के लिए 2216.14 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। इस परिव्यय में से अधिकांश हिस्सा, जो 600.00 करोड़ रू0 है, को राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 की उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के लिए निर्धारित किया गया है। शेष परिव्यय एएमआर स्कीमों, कोक ओवन बैटरी सं. 4 (चरण-1 तथा चरण-2), एयर सैपरेशन प्लांट, बीएफ-1 कैटगिरी-1 व 2 की मरम्मत, पुल्वराइज्ड कोल इंजेक्शन, लौह अयस्क खानों और कोकिंग कोल खानों के अधिग्रहण, 67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूऐशन सिस्टम, आदि के लिए है। कंपनी के आई एंड ईबीआर से संपूर्ण परिव्यय पूरा किया जाएगा। आरआईएनएल के परिव्यय में दोनों सहायक कंपनियों यथा ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड जो कि तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के घटक थे, का परिव्यय भी शामिल है।

6.6 **एनएमडीसी लिमिटेड:** के लिए **4084.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसे कंपनी के आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा। शेष योजना परिव्यय का प्रावधान बेलाडिला निक्षेप-11 बी, कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन के इस्पात संयंत्र, दौणिमलै एवं बछेली में पैलेटाइजेशन संयंत्र, एएमआर/टाउनशिप, तथा अनुसंधान एवं विकास स्कीमों आदि जैसी स्कीमों/परियोजनाओं के लिए किया गया है।

6.7 **केआईओसीएल लिमिटेड** के लिए **95.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें एएमआर स्कीमों के लिए 32.35 करोड़ रूपए एवं कोक ओवन प्लांट हेतु 10.00 करोड़ रूपए हैं। शेष परिव्यय विभिन्न चल रही स्कीमों तथा अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययनों के लिए है। कंपनी के आई एंड ईबीआर से परिव्यय को पूरा किया जा रहा है।

6.8 **मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड** के लिए **207.63 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज संयंत्र (15 करोड़ रूपए) के लिए आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश करने, मनसर, चिकला, बालाघाट, उक्वा और गुमगांव खान में वर्टिकल शाफ्ट की सिंकिंग, एएमआर योजनाओं, टाउनशिप, अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन आदि के लिए किया गया है। कंपनी के आई एण्ड ईबीआर से संपूर्ण परिव्यय पूरा किया जाएगा।

6.9 **मेकॉन लिमिटेड** के लिए **5.00 करोड़ रूपए** का परिव्यय विभिन्न स्थानों पर कार्यालय स्थान/अतिथि गृह के विस्तार, आधुनिकीकरण और उसे बढ़ाने के लिए है जो कंपनी के आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा।

6.10 **एमएसटीसी लिमिटेड** के लिए **65.00 करोड़ रू0** का परिव्यय श्रेडिंग प्लांट के लिए है जो आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा।

6.11 **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड** के लिए **12.00 करोड़ रू0** के परिव्यय का प्रावधान एएमआर स्कीमों के लिए किया गया है जो कंपनी के आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा।

6.12 पर्यावरण अनुकूल पद्धति में गुणवत्तापरक स्टील के किफायती उत्पादन के लिए नई/अभिनव तथा उपयुक्त प्रौद्योगिकियों का विकास करने हेतु अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने तथा उसमें तेजी लाने के वास्ते **लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की विद्यमान प्रोत्साहन स्कीम** के लिए 46.00 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रावधान के ब्यौरे निम्नवत हैं:-

- लोहा एवं इस्पात क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास के प्रोत्साहन की चल रही परियोजनाओं के लिए 12.00 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।
- कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित अभिनव स्टील उत्पादों (नए घटक) के लिए प्रौद्योगिकी के विकास हेतु आर एंड डी स्कीम के एक नए घटक के लिए 32.00 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।
- लोहा/स्टील निर्माण की अभिनव प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी के विकास हेतु विद्यमान आर एंड डी स्कीम के तहत नई परियोजनाओं के लिए दो करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

7. 11वीं पंचवर्षीय योजना 2007-2012 (अनुमोदित) और वास्तविक खर्च

7.1 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12), के लिए योजना आयोग ने 45,607.08 करोड़ रूपए का कुल परिव्यय (अर्थात 45,390.08 करोड़ रूपए के आईआरईबीआर और 217.00 करोड़ रूपए की सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) अनुमोदित किया है)। 11वीं योजना के परिव्यय (अनुमोदित) और वास्तविक व्यय के ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	पीएसयू का नाम	11वीं योजना (अनुमोदित) के लिए परिव्यय (2007-08 से 2011-12)			वास्तविक व्यय		
		आईईबीआर	जीबीएस	योग	आईईबीआर	जीबीएस	योग
क.	**पीएसयू**						
1	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	27409.00	0.00	27409.00	40321.00	0.00	40321.00
2	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	9569.18	0.00	9569.18	11271.84	0.00	11271.84
3	स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड*	25.00	0.00	25.00	4.36	0.00	4.36
4	हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	0.00	35.00	35.00	0.00	3.00	3.00
5	मेकॉन लिमिटेड	9.00	63.00	72.00	8.90	63.00	71.90
6	भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड*	0.00	0.00	0.00	3.33	7.00	10.33
7	एमएसटीसी लिमिटेड	30.00	0.00	30.00	19.27	0.00	19.27
8	फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	60.00	0.00	60.00	55.69	0.00	55.69
9	एनएमडीसी लिमिटेड	7147.00	0.00	7147.00	3082.76	0.00	3082.76
10	केआईओसीएल लिमिटेड	650.00	0.00	650.00	128.45	0.00	128.45
11	मॉयल लिमिटेड	342.90	0.00	342.90	254.27	0.00	254.27
12	बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज	148.00	1.00	149.00	98.44	0.00	98.44
ख.	**नई स्कीम**						
1	लौह एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के उन्नयन के लिए स्कीम	0.00	118.00	118.00	0.00	40.82	40.82
2	एसएमई के लिए टीयूएफएस	0.00	0.00	0.00	--	--	--
3	जनशक्ति विकास के संस्थान के लिए स्कीम	0.00	0.00	0.00	--	--	--
योग (क+ख)		**45390.08**	**217.00**	**45607.08**	**55248.31**	**113.82**	**55362.13**

* बीआरएल और सिल का क्रमश: सेल और एनएमडीसी लिमिटेड के साथ विलय कर दिया गया है।

11वीं योजना (2007-08 से 2011-12) का सार

7.2 11वीं योजना के दौरान योजना आयोग द्वारा अनुमोदित कुल परिव्यय और कुल व्यय नीचे दी गई तालिका में वर्ष-वार दर्शाया गया है:-

(करोड़ रूपए)

वर्ष	बजट अनुमान			संशोधित अनुमान			वास्तविक व्यय		
	आईईबीआर	जीबीएस	कुल	आईईबीआर	जीबीएस	कुल	आईईबीआर	जीबीएस	कुल
2007-08	6137.70	66.00	6203.70	4259.81	66.00	4325.81	3761.03	70.00	3831.03
2008-09	9509.00	34.00	9543.00	8065.82	26.00	8091.82	8529.33	0.00	8529.33
2009-10	13722.66	34.00	13756.66	13236.45	16.01	13252.46	13315.68	7.14	13322.82
2010-11	17163.82	36.00	17199.82	16129.25	30.00	16159.29	15067.54	27.05	15094.59
2011-12	21062.71	40.00	21102.71	16827.13	30.00	16857.13	14574.73	9.63	14584.36
कुल	**67595.89**	**210.00**	**67805.89**	**58518.46**	**168.01**	**58686.51**	**55248.31**	**113.82**	**55362.13**

8. 11वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) परिव्यय का वर्ष-वार विश्लेषण

8.1 11वी पंचवर्षीय योजना (2007-12) के लिए अनुमोदित 217.00 करोड़ रूपए की सकल बजटीय सहायता तथा वर्ष 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 और 2011-12 के दौरान हुए वास्तविक खर्च का पीएसयू/स्कीम-वार ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	योजना का नाम	11वीं योजना (2007-12) के लिए आबंटित योजना बजटीय सहायता	2007-08		2008-09		2009-10		2010-11		2011-2	
			अनुमोदित	वास्तविक	अनुमोदित	वास्तविक	अनुमोदित	वास्तविक	अनुमोदित	वास्तविक	अनुमोदित	वास्तविक
क.	सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाएं											
1.	एचएससीएल-बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य तथा निर्माण उपस्कर व मशीनों की अधिप्राप्ति	35.00	1.00	0.00	6.50	0.00	7.00	3.00	1.00	0.00	1.00	0.00
2.	मेकॉन-अधिमान्य शेयर पूंजी हेतु निधि निर्माण	63.00*	63.00 *	63.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3.	बर्डग्रुप-एएमआर स्कीमें	1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4.	भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड-एएमआर स्कीमें	0.00	1.00	7.00	8.00	0.00	0.00	0.0	0.00	0.00	0.00	0.00
ख.	मंत्रालय की योजना											
1.	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के प्रोत्साहन की स्कीम	118.00	1.00	0.00	18.50	0.00	26.00	4.14	35.00	27.05	39.00	9.63
	योग	**217.00**	**66.00**	**70.00**	**34.00**	**0.00**	**34.00**	**7.14**	**36.00**	**27.05**	**40.00**	**9.63**

* मेकॉन के लिए पुनर्संरचना पैकेज के तहत प्रदान की गई

8.2 वर्ष 2007-08 के दौरान बजट अनुमान में किए गए 66.00 करोड़ रूपए के आबंटन की तुलना में 70.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए थे जिसके निम्न कारण हैं :-

(i) मेकॉन लिमिटेड में अधिमान्य शेयर पूंजी हेतु निधि बनाने के लिए 63.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए थे।

(ii) इसके अतिरिक्त बीआरएल की एएमआर स्कीमों के लिए भी 7.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए जिसका अनुमोदन वित्त मंत्रालय द्वारा आरई चरण में किया गया था।

(iii) यद्यपि वर्ष 2007-08 में एचएससीएल हेतु 1.00 करोड़ रूपए का सांकेतिक प्रावधान किया गया था फिर भी यह राशि कंपनी को जारी नहीं की जा सकी क्योंकि इस प्रावधान को कंपनी की प्रस्तावित पुनर्संरचना स्कीम जो कि सरकार के विचाराधीन थी, से लिंक किया गया था।

(iv) आर एंड डी स्कीम हेतु किए गए 1.00 करोड़ रूपए के सांकेतिक प्रावधान को भी जारी नहीं किया जा सका।

8.3 वर्ष 2008-09 के दौरान निम्नलिखित कारणों से कोई व्यय नहीं किया गया था।

(i) 6.50 करोड़ रूपए का योजना ऋण एचएससीसल को जारी नहीं किया जा सका क्योंकि कंपनी ऋण/ब्याज की अदायगी में डिफाल्टर थी। कंपनी का पुनर्संरचना प्रस्ताव विचाराधीन होने के कारण वित्त मंत्रालय विशेष छूट देने में सहमत नहीं था।

(ii) चूंकि बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज (सरकारी प्रबंधन वाली कंपनी) की पुनर्संरचना का प्रस्ताव मंत्रालय में विचाराधीन था इसलिए 1.00 करोड़ रूपए का योजना ऋण इस्तेमाल/जारी नहीं हो सका और इसे सरेंडर कर दिया गया था।

(iii) बीआरएल की एएमआर स्कीम के लिए 8.00 करोड़ रूपए का बजटीय प्रावधान जारी नहीं किया गया था। क्योंकि सरकार द्वारा इसकी वित्तीय पुनर्संरचना और सेल के साथ इसके विलय को दिनांक 24.4.2008 को अनुमोदन दिया गया था।

(iv) 'लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के प्रोत्साहन की स्कीम' के लिए 18.50 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान को इस्तेमाल नहीं किया जा सका क्योंकि 2008-09 के दौरान स्कीम का क्रियान्वयन नहीं हुआ और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को वित्तीय वर्ष 2009-10 (1.4.2009 से) से शुरू करने के लिए इस मंत्रालय को सलाह प्रदान की थी।

8.4 वर्ष 2009-10 के दौरान बजट अनुमान में 34.00 करोड़ रूपए के आबंटन की तुलना में 7.14 करोड़ रूपए खर्च किए गए थे, क्योंकि:

(i) एचएससीएल के लिए 7.00 करोड़ रूपए योजना ऋण का आबंटन आरई चरण में घटाकर 3.00 करोड़ रूपए कर दिया गया था और विशेष व्यवस्था के रूप में इसे जारी नहीं किया गया था क्योंकि एचएससीएल द्वारा की गई ऋण संबंधी चूक का वित्त मंत्रालय नें अनुमोदन नहीं किया था।

(ii) आर एंड डी की चार परियोजनाएं अनुमोदित की गई थीं और इन परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता की प्रथम किस्त के रूप में 4.1350 करोड़ रूपए की धनराशि जारी की गई थी।

8.5 वर्ष 2010-11 के दौरान 36.00 करोड़ रूपए के बजट अनुमान की तुलना में 27.05 करोड़ रूपए खर्च किया गया था।

(i) आर एंड डी स्कीम के तहत 27.05 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई थी।

(ii) एचएससीएल के लिए रखी गई 1.00 करोड़ रूपए धनराशि खर्च नहीं की गई थी क्योंकि इसकी पुनर्संरचना वर्ष के दौरान अनुमोदित नहीं की गई थी।

8.6 वर्ष 2011-12 के दौरान वित्त मंत्रालय ने 40.00 करोड़ रूपए के बी ई योजना प्रावधान को आर एंड डी स्कीम के तहत खर्चों की धीमी गति को ध्यान में रखते हुए इसे आरई चरण में घटाकर 30.00 करोड़ रूपए कर दिया है।

(i) आर एंड डी की आठ परियोजनाएं अभी तक अनुमोदित की गई हैं। वर्ष 2011-12 के दौरान 9.63 करोड़ रूपए की धनराशि आर एंड डी स्कीम के तहत जारी की गई है।

9. 12वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) परिव्यय का वर्ष-वार विश्लेषण

9.1 12वीं योजना (2012-17) के लिए 200.00 करोड़ रूपए की सकल बजटीय सहायता का स्कीम-वार अनुमोदन नीचें तालिका में दिया गया हैं। जहां वर्ष 2012-13 के बजट अनुमान में 46.00 करोड़ रूपए की कुल योजना बजटीय योजना सहायता को 2012-13 के संशोधित अनुमान में घटाकर 26.49 करोड़ रूपए किया गया था। वहीं वर्ष 2013-14 के बजट अनुमान में 46.00 करोड़ रूपए की कुल योजना बजटीय सहायता प्रदान की गई है।

(करोड़ रूपए)

सं.	स्कीम का नाम	12वीं योजना (2012-17) हेतु आवंटित योजना बी.एस.	2012-13		2013-14
			बीई	आरई	बीई
	मंत्रालय की स्कीम: लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा				
1.	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना - जारी आर एंड डी परियोजनाएं	48.00	44.00	26.49	12.00
2	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास (नया घटक)	150.00	--		32.00
3.	नए लोहा/इस्पात निर्माण की प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं)	2.00	--	--	2.00
	कुल	**200.00**	**46.00***	**26.49**	**46.00**

*2 नई स्कीमों के लिए बजट अनुमान 2012-13 में किए गए 2.00 करोड़ रूपये के प्रावधान को संशोधित अनुमान में हटा दिया गया है।

10. वर्ष 2012-13 के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

10.1 वर्ष 2012-13 के दौरान (दिसंबर, 2012 तक) योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान योजना आयोग ने 21802.00 करोड़ रूपए (आईईबीआर के रूप में 21756.00 करोड़ रूपए और जीबीएस के रूप में 46 करोड़ रूपए) का परिव्यय अनुमोदित किया है। वर्ष 2012-13 (बजट अनुमान) के लिए अनुमोदित परिव्यय और दिसंबर, 2012 तक के वास्तविक व्यय के स्रोत-वार ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रूपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम	2012-13 (बजट अनुमान)			2012-13 वास्तविक व्यय (दिसंबर'12 तक)		
		आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल	आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल
क	केंद्र क्षेत्र की स्कीम						
1.	सेल	14500.00	0.00	14500.00	6554.00	0.00	6554.00
2.	आरआईएनएल^	1942.00	0.00	1942.00	833.33	0.00	833.33
3.	एचएससीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4.	मेकॉन लिमिटेड	5.00	0.00	5.00	3.46	0.00	3.46
5.	एमएसटीसी लिमिटेड	25.00	0.00	25.00	0.00	0.00	0.00
6.	एफएसएनएल लिमिटेड	12.00	0.00	12.00	6.34	0.00	6.34
7.	एनएमडीसी लिमिटेड	4655.00	0.00	4655.00	1018.00	0.00	1018.00
8.	केआईओसीएल लिमिटेड	409.00	0.00	409.00	5.37	0.00	5.37
9.	मॉयल लिमिटेड	208.00	0.00	208.00	33.76	0.00	33.76
10.	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम - चल रही आर एंड डी परियोजनाएं						
10(i)	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की प्रोत्साहन स्कीम - चल रही आर एंड डी परियोजनाएं	0.00	44.00	44.00	0.00	10.69	10.69
11.	निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम	0.00	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00
12	गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम	0.00	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00
ख	केंद्र द्वारा प्रायोजित स्कीम	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग (ख)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
	सकल योग (क+ख)	**21756.00**	**46.00**	**21802.00**	**8454.26**	**10.69**	**8464.95**

^ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के घटक थी जो कि अब आरआईएलएल की सहायक कंपनियां बन गई हैं और इनके आंकड़े आरआईएनएल के साथ सम्मिलित हैं।

11. बकाया समुपयोजन प्रमाण पत्रों की स्थिति

31.12.2012, की स्थितिनुसार कोई समुपयोजन प्रमाण पत्र लंबित नहीं है।

****

अध्याय - VI

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का कार्य निष्पादन

1. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)

1.1 सेल की प्राधिकृत पूंजी 5000.00 करोड़ रू0 है। 31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार प्रदत्त पूंजी 4130.52 करोड़ रू0 है जिसमें से 3544.69 करोड़ रू0 (85.82 प्रतिशत) भारत सरकार के पास है तथा शेष 14.18 प्रतिशत वित्तीय संस्थानों, जी डी आर धारकों, बैंकों, कर्मचारियों आदि के पास है।

1.2 वास्तविक निष्पादन

(मिलियन टन में)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012 तक)	बजट अनुमान (एल II)
(i)	तप्त धातु	14.5	14.9	14.1	14.4	14.5	10.7	15.5
(ii)	क्रूड स्टील	13.5	13.8	13.6	13.6	13.6	10.1	14.3
(iii)	विक्रेय इस्पात	12.6	12.9	12.8	12.8	12.8	9.3	13.5
(iv)	कच्चा लोहा	0.3	0.3	0.1	0.3	0.4	0.2	0.6

1.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14 @
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान (एल II)
(i)	आय	45565	50697	54017	51680	51680	40057	57237
(ii)	प्रचालन लागत	33694	41542	46359	45679	45679	35569	51947
(iii)	सकल मार्जिन	11871	9155	7658	6000	6000	4488	5291
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	10132	7194	5151	3302	3302	2500	2237
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	6754	4905	3543	2230	2230	1724	1511
(vi)	प्रस्तावित लाभांश *	1363	991	826	826	826$	660.88#	826
	जिसमें से							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	1170	851	709	709	709	567	709

* लाभांश कर को छोड़कर।

$ एमओएस को भेजे गए दिनांक 15 जनवरी, 2013 के पत्र के अनुसार 20% पीएटी अथवा इक्विटी जो भी अधिक है।

प्रदत्त इक्विटी पूंजी के 16% की दर से अंतरिम लाभांश।

@ वर्ष 2013-14 के लिए योजना प्रस्तावित की गई है और इसे फरवरी, 2013 में आयोजित एमओयू की टास्कफोर्स बैठक के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा।

1.4 वर्ष 2012-13 के प्रथम 9 महिनों में उत्पादन हॉट मेटल के मामले में योजना का 101 प्रतिशत, क्रूड स्टील के मामले में योजना का 101 प्रतिशत और विक्रेय स्टील के मामले में योजना का 99 प्रतिशत रहा है।

1.5 सेल ने वर्ष 2012-13 के दौरान 23888.00 करोड़ रूपए की टर्नओवर सूचित की है जो कि गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में कुछ ही अधिक है जो कि विक्रेय स्टील की बिक्री की मात्रा कम होने के बावजूद इसकी निवल बिक्री वसूली में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप हुई है। तथापि, मुख्यत: रॉयल्टी, लाइम स्टोन, डोलोमाइट, सिलिकों मैंगनीज, फर्नेस ऑयल/एलएसएचएस, एलपीजी और खरीदी गई विद्युत जैसे लौह अयस्क के विभिन्न आदानों की कीमतों के विपरीत प्रभाव के कारण लाभप्रदता में कमी आई है। एक्सटरनल कोक, फर्नेस ऑयल की खपत में बढ़ोतरी, स्टोर्स एवं स्पेयर्स, मरम्मत एवं रखरखाव के खर्चों में बढ़ोतरी अवमूल्यन, सावधिक जमाओं पर कम ब्याज अर्जन आदि में कमी भी उक्त कमी के कारण हैं। उच्चतर उत्पादन, उच्च निवल बिक्री वसूली, बेहतर उत्पाद मिश्रण, मूल्यवर्धित उत्पादन में वृद्धि, कोयले की कम कीमत, कम मजूदरी व वेतन, कम ब्याज लागत और ईएफ परिवर्तनों की वजह से कम हानि इत्यादि के कारण कीमतों के विपरीत प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया गया है।

2. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)

2.1 31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार कंपनी की पूंजीगत संरचना में 4889.85 करोड़ रू0 साम्या पूंजी तथा 2937.47 करोड़ रू0 की 7 प्रतिशत गैर संचयी शोधनीय तरजीही शेयर पूंजी शामिल है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

2.2 वास्तविक निष्पादन

(हजार टन)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान @
(i)	तप्त धातु	3900	3830	3778	4185	3815	2829	4300
(ii)	क्रूड स्टील	3205	3235	3128	3018	3153	2278	3597
(iii)	विक्रेय इस्पात	3167	3077	2990	3467	3001	2093	3410
(iv)	कच्चा लोहा	408	318	395	239	427	383	409

2.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (अनंतिम) (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान @
(i)	आय	11392.16	12042.55	14898.58	15148.55	14732.72	10220.65	16363.82
(ii)	प्रचालन लागत	9789.79	10630.40	13253.11	13873.20	13928.48	9416.41	15294.81
(iii)	सकल मार्जिन	1602.37	1412.15	1645.47	1275.35	804.24	804.18	1069.01
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	1247.65	981.66	1110.01	387.06	138.00	362.97	141.19
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	796.67	658.49	751.46	309.61	93.22	250.78	95.38
(vi)	प्रदत्त लाभांश *	339.18	285.29	271.47	--	187.91	--	--

@ डीपीई को प्रस्तुत एमओयू 2012-13 के अनुसार, जिसे एटीएफ सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के पश्चात अंतिम रूप दिया जाएगा।

2.4 वर्तमान वर्ष के दौरान वित्तीय कार्य निष्पादन बनाए गए बजट से बेहतर है, यद्यपि पूर्व वर्ष की तुलना में कमी आई है। बाजार परिस्थितियों के कारण निवल बिक्री वसूली में कमी आई है। लौह अयस्क की कीमतों में वृद्धि हुई है। यद्यपि आयातित कोयले की कीमतों में कमी आई है, लेकिन अमेरिकी डॉलर की तुलना में रूपए का मूल्यह्रास होने से यह आफसेट हो गया। वर्ष के प्रारंभ में 1241.00 करोड़ रूपए की अधिमान्य शेयर पूंजी की अदायगी के कारण जमा राशियों पर होने वाली ब्याज आय में कमी आई है। चूंकि कुछ विस्तार यूनिटें वर्ष 2012-13 में कमिशन की गई हैं, इसलिए इससे उच्चतर मूल्यह्रास का प्रभाव पड़ा है, आबकारी शुल्क और रेल भाडे में वृद्धि कीमतों में हुई वृद्धि के अनुरूप नहीं हुई है, राज्य विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा संविदागत डिमांड लोड के भीतर ही पैनल्टी लगाई गई है और विद्युत टैरिफ में वृद्धि की गई है।

2.5 बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज के संबंध में की गई पुनर्संरचना के अनुसार ईआईएल की होल्डिंग कंपनी आरआईएनएल बन गई है। ओएमडीसी और बीएसएलसी की होल्डिंग कंपनी ईआईएल बन गई है। इस प्रकार बर्डग्रुप के अंतर्गत प्रचालनाधीन सभी 3 कंपनियां नामत: ईआईएल, ओएमडीसी और बीएसएलसी अब आरआईएनएल की सहायक कंपनियां हैं और ये सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बन गए हैं।

(क) <u>उडीसा मिनिरल्स डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी)</u>

ओएमडीसी, इस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड ईआईएल की एक सहायक कंपनी है। इसके अतिरिक्त ईआईएल, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) की एक सहायक कंपनी है। कंपनी को वर्ष 1918 में निगमित किया गया था और यह मार्च, 2010 में एक पीएसयू बन गई थी। ओएमडीसी लौह अयस्क और मैगनीज आयस्क के खनन और विपणन कार्य में लगा हुआ है। ओएमडीसी उडीसा राज्य में लौह अयस्क के 6 खनन पट्टों का प्रचालन कर रहा है। कंपनी की खानें उडीसा के क्योंझर जिले में बारबिल ठकुरानी के आस-पास अस्थित हैं। इन सभी 6 खानों का प्रचालन कार्य पर्यावरण एवं वन स्वीकृति न मिलने के कारण बंद है। दिनांक 31.3.2011 को कंपनी की प्रदत्त पूंजी 0.60 करोड़ रूपए और निवल मूल्य 799.52 करोड़ रूपए थे।

<u>वास्तविक निष्पादन</u>

(लाख एमटी में**)**

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
1.	**उत्पादन**							
	i) लौह अयस्क	5.64	0.70	0.00	10.00	6.00	0.00	0.00
	ii) मैंगनीज अयस्क	0.17	0.13	0.00	0.20	0.06	0.00	0.00
	iii) स्पंज आयरन	0.08	0.02	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2.	**प्रेषण**			0.00			0.00	0.00
	i) लौह अयस्क	6.43	2.22	0.00	10.00	6.00	0.00	0.00
	ii) मैंगनीज अयस्क	0.19	0.07	0.00	0.20	0.15	0.00	0.00
	iii) स्पंज आयरन	0.06	0.04	0.01	0.00	0.00	0.00	0.00

वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	166.53	99.16	61.18	312.60	221.00	61.68	65.00
(ii)	प्रचालन लागत	51.72	64.30	54.17	82.00	36.00	36.10	53.85
(iii)	सकल मार्जिन	114.81	34.86	7.01	290.00	185.00	25.58	11.15
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	112.26	13.35	8.28	268.00	160.00	19.02	2.15
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	74.44	7.72	3.44	181.00	108.00	5.57	1.45
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	11.16	1.16	0.52	0.00	0.00	0.00	0.00
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को भुगतान/प्रस्तावित लाभांश	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

ऊपर दर्शाई गई आय की राशि में कंपनी द्वारा आवधिक जमा राशियों पर अर्जित ब्याज की प्राप्ति और अन्य आय यथा ईएमडी का हरण इत्यादि सम्मिलित है।

खनन प्रचालन हेतु सांविधिक प्राधिकारियों से स्वीकृतियां उपलब्ध नहीं होने के कारण वर्ष 2011-12 तक बिक्री वसूली में निरंतर गिरावट आई है। जब ओएमडीसी की समस्त खानें बंद हो गई थीं तो दिनांक 1.10.2010 तक खनन प्रचालन रूक गया था। बिक्री वसूली में अधिक गिरावट आने के कारण वित्तीय कार्यनिष्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

(ख) <u>बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी)</u>

बीएसएलसी को वर्ष 1910 में निगमित किया गया था इसकी खानें उडीसा राज्य के सुन्दरगढ़ जिले में वीरमित्रपुर में अवस्थित हैं। बीएसएलसी 19.3.2010 को एक पीएसयू बन गई है और वह इस्टर्न इन्वेंटमेंट लिमिटेड (ईआईएल) की एक सहायक कंपनी है। इस्टर्न इन्वेंटमेंट लिमिटेड (ईआईएल) दिनांक 05.01.2011 को आरआईएनएल की सहायक कंपनी बन गई है। इस प्रकार बीएसएलसी आरआईएनएल की सहायक इकाई बन गई है। कंपनी की प्राधिकृत और पूर्वदत्त पूंजी क्रमश: 87.50 करोड़ रूपए और 87.29 करोड़ रूपए है।

वास्तविक निष्पादन

(लाख रूपए एमटी में**)**

सं.	**मद**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**			**2013-14**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
1.	**उत्पादन**							
(i)	लाइमस्टोन	2.09	1.25	0.25	1.00	0.24	0.19	0.60
(ii)	डोलोमाइट	9.56	8.60	5.10	6.00	2.16	2.18	7.20
2.	**प्रेषण**							
(i)	लाइमस्टोन	2.44	2.02	0.45	1.00	0.24	0.12	0.60
(ii)	डोलोमाइट	9.26	8.44	5.17	6.00	2.16	2.36	7.20

वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	**मद**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**			**2013-14**
		(वास्तविक)	**(वास्तविक)**	**(वास्तविक)**	**बजट अनुमान**	**संशोधित अनुमान**	**वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक**	**बजट अनुमान**
(i)	आय	682.73*	58.89	31.69	45.00	13.85	18.33	45.50
(ii)	प्रचालन लागत	621.42	63.82	38.55	54.50	34.67	30.65	49.34
(iii)	सकल मार्जिन (पीबीआईडीटी)	621.24*	-4.93	-8.86	-9.50	-20.32	-11.73	-3.44
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	620.63*	-5.45	-6.86	-10.00	-20.82	-12.32	-4.34
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	620.63*	-5.45	-6.86	-10.00	-20.82	-12.32	-4.34
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को भुगतान/प्रस्तावित लाभांश	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

* वर्ष 2009-10 के दौरान 624.20 करोड़ रूपए के सरकारी ऋण पर संचित ब्याज माफ किए जाने के कारण (अनुमोदन पुनर्संरचना स्कीम के भाग के रूप में) कंपनी ने वर्ष 2009-10 के लिए 620.63 करोड़ रूपए का लाभ पंजीकृत किया है।

3. हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल)

3.1 31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत और प्रदत्त शेयर पूंजी क्रमश: 150 करोड़ रू0 तथा 117.10 करोड़ रू0 है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

3.2 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	**मद**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**			**2013-14**
		(वास्तविक)	**(वास्तविक)**	**(वास्तविक)**	**बजट अनुमान**	**संशोधित अनुमान**	**वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक**	**बजट अनुमान**
(i)	**आर्डरबुकिंग**	1036.00	1826.00	1899.00	0.00	2050.00	852.65	0.00

3.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	800.35	996.30	1208.16	1250.00	1345.00	809.05	1300.00
(ii)	प्रचालन लागत	731.26	925.09	1121.52	1175.00	1258.00	765.35	1222.00
(iii)	सकल मार्जिन (पीबीआईडीटी)	69.09	71.21	86.64	75.00	87.00	43.70	78.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-54.59	-38.09	-28.08	-35.00	-22.00	-39.41	-32.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-54.59	-38.09	28.08	-35.00	-22.00	-39.41	-32.00
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

कंपनी द्वारा वर्ष 2011-12 के दौरान 86.24 करोड़ रूपए का प्रचालन लाभ अर्जित करने से उसके वित्तीय परिणाम में सुधार हो रहा है। कंपनी व्यापारिक प्रचालन की समग्र कार्यकुशलता में सुधार लाने के विभिन्न प्रयास कर रही है। वर्तमान में एचएससीएल की पुनर्संरचना का एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

4. <u>मेकॉन लिमिटेड</u>

4.1 कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 104.00 करोड़ रू0 है जिसमें से 31.3.2012 की स्थितिनुसार 103.14 करोड़ रू0 प्रदत्त पूंजी है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

4.2 <u>वास्तविक निष्पादन</u>

चूंकि मेकॉन एक परामर्शी संगठन है, इसलिए कंपनी का वास्तविक निष्पादन देना संभव नहीं है।

4.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012 तक)	बजट अनुमान
(i)	आय	668.86	689.42	790.90	811.00	696.00	453.83	841.00
(ii)	प्रचालन लागत	533.35	539.94	580.54	611.82	548.00	340.81	594.39
(iii)	सकल मार्जिन	135.51	149.48	210.36	199.18	148.00	113.02	246.61
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	124.69	140.93	201.54	192.20	141.77	107.16	240.23
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	82.62	93.68	136.36	129.84	95.77	72.39	162.29
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	3.15	3.15	10.98	27.86	21.05	1.88	33.71
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को भुगतान/ प्रस्तावित लाभांश	3.15	3.15	10.98	27.86	21.05	1.88	33.71

*अनंतिम

5. एमएसटीसी लिमिटेड

5.1 31.3.2011 की स्थिति के अनुसार एम एस टी सी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 5.00 करोड़ रू0 और प्रदत्त पूंजी 2.20 करोड़ रू0 है जिसमें से लगभग 89.85 प्रतिशत भारत के राष्ट्रपति के पास है तथा शेष 10.15 प्रतिशत स्टील फर्नेस एसोसिएशन आफ इंडिया तथा आयरन एंड स्टील स्क्रैप एसोसिएशन आफ इंडिया के सदस्यों और अन्यों के पास हैं।

5.2 वास्तविक निष्पादन

चूंकि एम एस टी सी एक विनिर्माण उपक्रम नहीं है इसलिए मार्केटिंग और सेलिंग एजेंसी के अंतर्गत कारोबार की मात्रा की दृष्टि से इसका निष्पादन नीचे दिया गया है:

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
(i)	विपणन	6385	5933	5746	2900	4800	5772	2700
(ii)	एजेंसी	6354	8168	16005	9500	11000	10553	9150

5.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	4381.18	1947.31	2695.92	1243.90	2200.00	2952.14	1893.15
(ii)	प्रचालन लागत	4243.51	1796.61	2517.69	1148.90	2094.58	2849.08	1803.35
(iii)	सकल मार्जिन	137.67	150.70	178.23	95.00	105.42	103.06	89.80
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	135.99	149.40	176.15	91.00	101.42	101.06	85.80
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	86.10	99.16	118.39	60.06	66.94	68.26	57.80
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	17.23	2.20	23.69	-	-	-	-
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को भुगतान/प्रस्तावित लाभांश	15.48	1.98	21.29	-	-	-	-

6. फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल)

6.1 एफएसएनएल की प्रदत्त पूंजी 2.00 करोड़ रूपए है। समस्त प्रदत्त पूंजी एमएसटीसी लिमिटेड के पास है। दिनांक 31.3.2012 को कंपनी का निवल मूल्य 136.67 करोड़ रूपए था।

6.2 वास्तविक निष्पादन

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	स्क्रैप की रिकवरी (लाख एमटी)	23.71	26.45	21.60	27.69	22.15	17.01	23.86
(ii)	उत्पादन का बाजार मूल्य (करोड़ रूपए)	1043.40	1163.94	950.32	1218.47	974.92	748.38	1049.72

6.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	158.61	168.53	164.63	193.15	195.24	135.71	214.50
(ii)	प्रचालन लागत	137.42	155.07	150.95	174.40	179.49	123.96	198.78
(iii)	सकल मार्जिन	21.19	13.46	13.68	18.75	15.75	11.75	15.72
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	5.76	1.78	2.03	3.25	3.25	0.74	2.72
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	4.18	1.20	1.37	2.20	2.20	0.50	1.84
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	1.01	0.46	0.46	0.00	0.00	0.00	0.00
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	0.86	0.40	0.40	0.00	0.00	0.00	0.00

धारक कंपनी होने के नाते लाभांश का भुगतान मैसर्स एमएसटीसी लिमिटेड को किया गया

7. एनएमडीसी लिमिटेड

7.1 31.3.2012 की स्थितिनुसार 400.00 करोड़ रूपए की अधिकृत शेयर पूंजी की तुलना में निर्गमित और प्रदत्त पूंजी 396.47 करोड़ रूपए थी। भारत सरकार ने मार्च, 2010 में एनएमडीसी के शेयरों का विनिवेश किया है और शेयरधारिता को कम करते हुए लगभग 90 प्रतिशत किया है। वर्ष 2012 के दौरान दिसंबर माह में भारत सरकार ने 10 प्रतिशत एनएमडीसी शेयरों का अतिरिक्त विनिवेश किया है। इस प्रकार कंपनी में सरकार की इक्विटी हिस्सेदारी कम होकर अब लगभग 80 प्रतिशत रह गई है।

7.2 <u>वास्तविक निष्पादन</u>

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	**उत्पादन**							
	लौह अयस्क (लाख एमटी)	238.03	251.55	272.60	265.00	264.00	175.80	278.00
	डायमंड्स (कैरेट्स)	16529.21	10865.93	18043.44	23500	23500	21254	24700
	स्पंज आयरन (एमटी)	0.00	38962	37237.40	42500	42500	27688	44600
(II)	**बिक्री**							
	लौह अयस्क (लाख एमटी)	240.85	263.15	273.01	265.00	264.00	180.30	278.00
	डायमंड्स (कैरेट्स)	7335.34	18421.22	8085.16	23500	23500	6737	24700
	स्पंज आयरन (एमटी)	0.00	39775	33731.79	42500	42500	28978	44600

7.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	7098.90	12687.81	13278.38	12723.00	13670.00	9247.28	13972.00
(ii)	प्रचालन लागत	1814.96	2835.66	2385.28	3098.00	3277.00	1895.70	3500.00
(iii)	सकल मार्जिन	5283.94	9852.15	10893.10	9625.00	10393.00	7351.58	10472.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	76.62	124.98	133.63	175.00	145.00	101.58	190.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	5207.32	9727.17	10759.47	9450.00	10248.00	7250.00	10282.00
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	3447.26	6499.22	7265.39	6384.00	6923.00	4895.60	6946.00
(vii)	जिसमें से :	693.82	1308.35	1784.12	0.00	0.00	792.94	0.00
	भारत सरकार को भुगतान/प्रस्तावित लाभांश	649.39	1177.58	1605.78	0.00	0.00	713.68	0.00

*वर्ष के लिए बैलेंस शीट के आंकड़े

7.4 वर्ष 2011-12 की तुलना में 12572.45 करोड़ रूपए कुल आय 5.61 प्रतिशत बढ़कर 13278.38 करोड़ रूपए हो गई हैं। वर्ष 2011-12 की तुलना में 9725.66 करोड़ रूपए के कर-पूर्व लाभ 10.63 प्रतिशत बढ़कर 10759.47 करोड़ रूपए हो गए हैं। वर्ष 2011-12 की तुलना में 6499.22 करोड़ रूपए के कर-पश्चात लाभ 11.79 प्रतिशत बढ़कर 7265.39 करोड़ रूपए हो गए हैं। लौह अयस्क के उत्पादन और बिक्री की मात्राओं में वर्ष 2011-12 की तुलना में क्रमश: 8.37 प्रतिशत और 3.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2011-12 के दौरान कंपनी ने अपनी प्रदत्त पूंजी पर 450 प्रतिशत लाभांश घोषित किया है।

8. केआईओसीएल लिमिटेड

8.1 केआईओसीएल लिमिटेड की अधिकृत पूंजी 675.00 करोड़ रूपए है। 31.03.2012 की स्थितिनुसार निर्गमित और प्रदत्त पूंजी 634.51 करोड़ रूपए है। कंपनी की लगभग 99 प्रतिशत शेयर पूंजी भारत सरकार द्वारा धारित है।

8.2 वास्तविक निष्पादन

(मिलियन टन)

क्र. सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	पैलेट	1,273	2,124	1,710	2,500	1,600	1,090	2,000
(ii)	कच्चा लोहा (अनुषंगी समेत)	0.062	2,090	1,716	2,500	1,600	1,056	2,000

8.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	मद	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13			2013-14
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	912.59	1784.85	1560.62	2416.08	1583.78	1136.33	1845.03
(ii)	प्रचालन लागत	1047.23	1622.24	1392.95	2253.78	1512.38	1100.55	1757.04
(iii)	सकल मार्जिन	-134.64	162.61	167.67	162.30	71.40	35.77	87.99
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-194.95	99.95	115.39	128.10	37.10	10.04	53.68
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-177.27	76.27	94.30	85.55	24.77	6.89	35.85
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	0.00	15.86	19.03	17.11	0.00	0.00	7.17
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को भुगतान/प्रस्तावित लाभांश	0.00	15.70	18.84	17.10	0.00	0.00	7.16

8.4 डीटीए (घरेलू टैरिफ क्षेत्र) बाजार में कम कीमत पर आयातित पैलेटों की उपलब्धता होने के कारण पैलेट की मांग कम होने, पैलेटों की कीमतों में अत्यधिक गिरावट, लौह अयस्क चूरे एवं अन्य आदानों की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि होने, रेलवे द्वारा दूरी आधारित प्रभार वसूलने के कारण पैलेटों का निर्यात न होने इत्यादि कारणों से माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के मद्देनजर खनन कार्य में दिनांक 31.12.2005 से रोक लगा दी गई है।

8.5 विश्व स्तर पर बाजार में मंदी आने के कारण वर्ष 2009-10 में पैलेट की कीमतों में कमी हुई है। इसलिए केआईओसीएल को हानि का सामना करना पड़ा है। तथापि, 2010-11 में कंपनी के कार्यनिष्पादन में पर्याप्त सुधार हुआ है। कंपनी ने वर्ष 2010-11 के लिए 15.70 करोड़ रूपए और वर्ष 2011-12 के लिए 18.84 करोड़ रूपए लाभांश का भुगतान किया है।

9. मॉयल लिमिटेड

9.1 31 दिसम्बर, 2012 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत पूंजी 250.00 करोड़ रूपए है तथा कंपनी की निर्गमित एवं प्रदत्त पूंजी 168.00 करोड़ रूपए है। भारत सरकार तथा महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश की राज्य सरकारें कंपनी के शेयर धारक हैं। कंपनी में भारत सरकार के 71.57% प्रतिशत शेयर हैं।

9.2 वास्तविक निष्पादन

(उत्पादन एमटी में**)**

सं.		**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**			**2013-14**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक	बजट अनुमान
	उत्पादन							
(i)	मैंगनीज ओर	1093363	1150742	1070717	1200000	1150000	801673	1100000
(ii)	इलैक्ट्रोलाइट मैंगनीज डाईआक्साइड	1150	805	714	1000	700	528	750
(iii)	फैरो मैंगनीज	9555	9081	8694	10000	8000	6859	9000

9.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.		**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**			**2013-14**
		(वास्तविक)	**(वास्तविक)**	**(वास्तविक)**	**बजट अनुमान**	**संशोधित अनुमान**	**वास्तविक (दिसंबर, 2012) तक**	**बजट अनुमान**
(i)	आय	1101.37	1290.80	1102.90	1102.77	1075.80	854.30	1071.41
(ii)	प्रचालन लागत	383.47	427.77	453.21	529.33	511.91	365.01	561.93
(iii)	सकल मार्जिन	732.09	912.66	636.54	537.45	578.24	462.41	534.95
(v)	कर पूर्व लाभ (हानि)	706.79	880.75	606.63	501.49	541.37	439.91	498.08
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	466.35	588.06	410.77	334.91	365.73	293.40	336.48
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	94.08	117.60	84.00	66.98	73.15	0.00	67.30
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को भुगतान/प्रस्तावित लाभांश	76.74	84.17	60.12	47.94	52.35	0.00	48.16

निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में मॉयल के वास्तविक और वित्तीय निष्पादन में अभी तक कोई कमी नहीं हुई है। इलैक्ट्रोलिटिक मैगनीज डाईआक्साईड के उत्पादन को छोड़कर दोनों दृष्टियों से कंपनी का निष्पादन लक्ष्यों से अधिक हुआ है।

*****